News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

01 सितम्बर, 2020

महान व्यक्तित्व एवं कृतित्व के धनी
भारत के पूर्व राष्ट्रपति,
भारत रत्न सम्मानित
श्री प्रणब मुखर्जी के निधन पर
उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न
श्री प्रणव मुखर्जी के निधन पर मुक्त विश्वविद्यालय में शोक सभा

शोक सभा में सम्मिलित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

02 सितम्बर, 2020

National Webinar

on

"Promotion of Indian Languages, Art & Culture in Perspective of New Education Policy 2020"

भारतीय भाषाओं, कला और संस्कृति का संवर्धन- नई शिक्षा नीति २०२० के परिप्रेक्ष्य में

Organised by

IQAC, M.G.M. (P.G.) College Sambhal (U.P.)

Presiding Address
Professor Vinod Kumar Taneja
Ex. HOD Hindi,
Gurunanak Dev University, Amritsar

Chief Guest
Dr. Arun Kumar Gupta
Registrar, UPRTOU,
Prayagraj (U.P.)

Special Guest
Professor Aslam Jamshedpuri
HOD Urdu, CCS University
Meerut (U.P.)

Eminent Speaker
Dr. S.K. Pandey
HOD, Sanskrit,
M.D. (P.G.) College Pratapgarh (U.P.)

Patron
Dr. Abid Husain
Principal, M.G.M. (P.G.) College
Sambhal (U.P.)

- Dr. Riyaz Anwar (Convener) 9013895244
- Dr. Faheem Ahmad (Co-Convener) 8896340824
- Dr. Dildar Husain (Co-Convener) 7417297892

Eminent Speaker
Dr. Prabha Sharma
Principal, Govt. (PG.) College
Sambhal (U.P.)

Eminent Speaker
Dr. Reena Mittal
HOD, English,
D.A.V. College Moradabad (U.P.)

Webinar Date & Time
02.09.2020 @ 11:30 AM
Registration link click here
Google Meet Link click here

Organising Committee

Dr. Nirankar Singh, Dr. J.B. Singh, Dr. Nilesh Kumar, Dr. M.I. Khan, Dr. Sanjay Babu

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

04 सितम्बर, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय में वृक्षा रोपण

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

04 सितम्बर, 2020

एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार

नई शिक्षा नीति 2020 ''ऑनलाइन एवं डिजिटल शिक्षा का न्यायसंगत उपभोग, विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने हेतु सुझाव''।

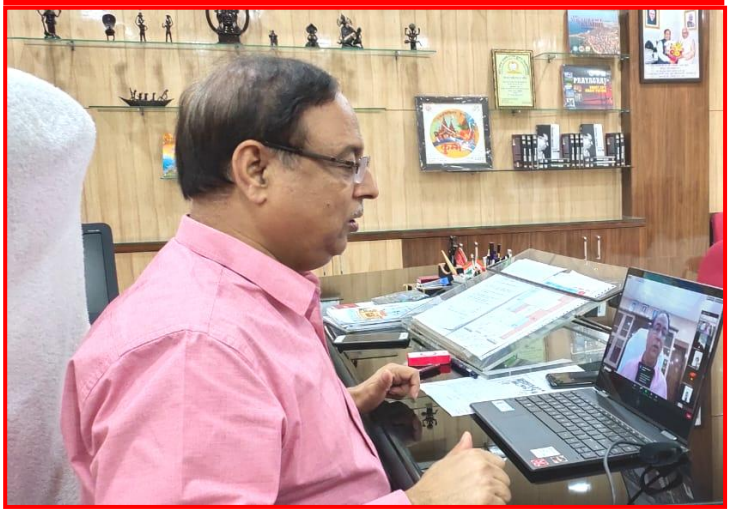

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

आयोजक मण्डल

डॉ. पुष्पारानी गंगवार असिस्टेण्ट प्रोफेसर, भूगोल विभाग
श्री राकेश सिंह असिस्टेण्ट प्रोफेसर, भूगोल विभाग
श्री अमित कुमार असिस्टेण्ट प्रोफेसर, भूगोल विभाग
डॉ. अरूण कुमार मौर्य असिस्टेण्ट प्रोफेसर, भूगोल विभाग
श्री शिवेन्द्र सिंह असिस्टेण्ट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग
श्रीमती साधना शुक्ला असिस्टेण्ट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग

केन सोसायटीज़ नेहरू (पी0जी0) कालेज, हरदोई।

दूरभाष नं0 05852–220042 E-mail csnpgcollegehardoi@gmail.com
(सम्बद्ध : छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर, उ0प्र0)

"आन–लाइन एवं डिजिटल शिक्षा का न्याय संगत उपभोग, विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने हेतु सुझाव"

एक दिवसीय वेबिनार कार्यक्रम की रूपरेखा

दिनांक 04 सितम्बर, 2020

समय	कार्यक्रम	अतिथिगण/वक्तागण
प्रातः 11:00 बजे से प्रातः 11:20 तक	वेबिनार की प्रस्तावना	श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, असि. प्रोफेसर, संयोजक वेबिनार, सी.एस.एन. पी.जी. कालेज, हरदोई।
प्रातः 11:20 बजे प्रातः 11:40 बजे तक	स्वागत सम्बोधन	प्राचार्य सी.एस.एन. पी.जी. कालेज, हरदोई
प्रातः 11:40 बजे दोहपर 12:20 बजे तक	कार्यक्रम का उद्घाटन एवं मुख्य अतिथि का उद्बोधन	माननीय कुलपति, राजर्षि टण्डन ओपेन विश्वविद्यालय, प्रयागराज
दोहपर 12:20 से अपराह्न 1:00 बजे तक	मुख्यवक्ता का उद्बोधन	प्रोफेसर ए.आर. सिद्दीकी , अध्यक्ष भूगोल विभाग, इलाहाबाद वि.वि. प्रयागराज ।
अपराह्न 01:20 से अपराह्न 1:30 बजे तक	उद्बोधन	डॉ0 गौरव राव, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.जे.पी. वि.वि. रूहेलखण्ड, बरेली।
अपराह्न 01:30 से अपराह्न 2:00 बजे तक	उद्बोधन	डॉ0 अजय कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
अपराह्न 02:00 से अपराह्न 2:30 बजे तक	उद्बोधन	डॉ0 सन्दीप कुमार सिन्हा, एसो.प्रोफेसर/ प्रभारी राज.विज्ञान, सी.एस.एन. पी.जी.कालेज, हरदोई।
अपराह्न 02:30 से अपराह्न 2:45 बजे तक	समापन एवं अध्यक्षीय भाषण	प्राचार्य, सी.एस.एन. पी.जी. कालेज, हरदोई
अपराह्न 02:45 से	धन्यवाद ज्ञाप	श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, असि0 प्रोफेसर एवं संयोजक वेबिनार, सी.एस.एन. पी.जी. कालेज, हरदोई।

दिनांक 04 सितम्बर, 2020 को केन सोसायटीज नेहरू (पी.जी.) कालेज, हरदोई द्वारा **"आन–लाइन एवं डिजिटल शिक्षा का न्याय संगत उपयोग, विश्वस्तरी इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने हेतु सुझाव"** विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी रहे।

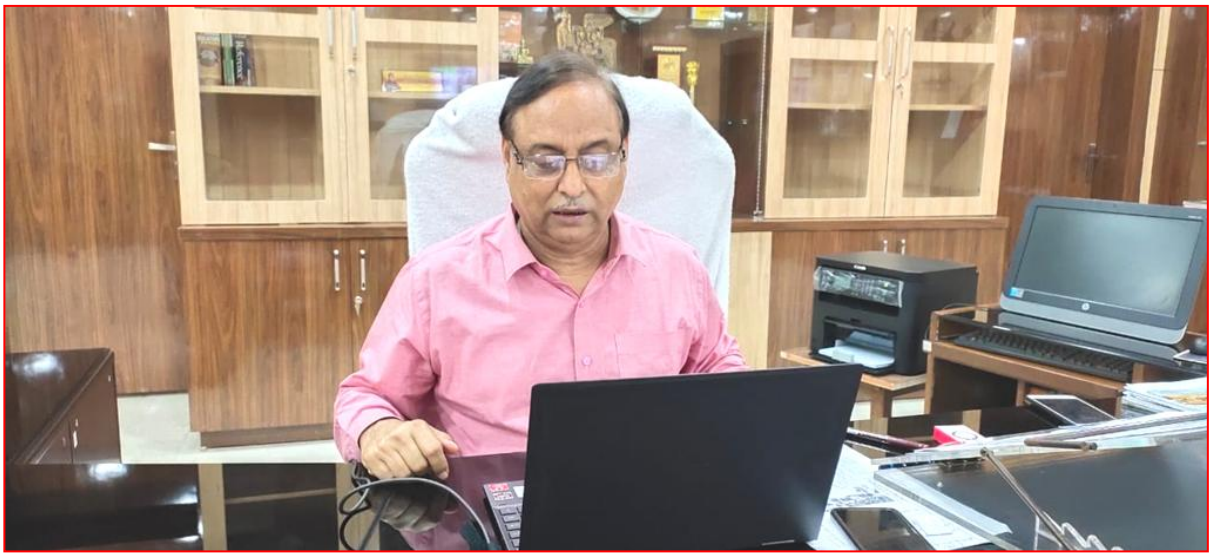

अपने विचार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

04 सितम्बर, 2020

माननीय कुलपति जी ने किया विश्वविद्यालय के नवनिर्मित आडिटोरियम का निरीक्षण

शासन एवं मा0 राज्यपाल जी की मं"ाानुरूप नैक को शीर्ष प्राथमिकता देते हुये कैम्पस को सुसज्जित करने, निर्माण कार्य पूर्ण कराने के साथ–साथ कार्यालयों को चुस्त–दुरूस्त रखने के लिए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने दिनांक 04 सितम्बर, 2020 को 04:30 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित आडिटोरियम का निरीक्षण किये। माननीय कुलपति जी ने परिसरों को सुसज्जित करने, निर्माण कार्य पूर्ण कराने के साथ–साथ कार्यालयों को चुस्त–दुरूस्त रखने हेतु सम्बन्धि अधिकारियों/प्रभारियों को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह, उपकुलसचिव इं0 सुखराम मथुरिया, सम्पत्ति अधिकारी डॉ0 अनिल कुमार सिंह भदौरिया, विद्युत परामर्शदाता श्री उमेश पाण्डेय, तकनीकी परामर्शदाता सिविल निक्की सिंह, मानवेन्द्र प्रताप सिंह एवं इन्दुभूषण पाण्डेय उपस्थित रहे।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

05 सितम्बर, 2020

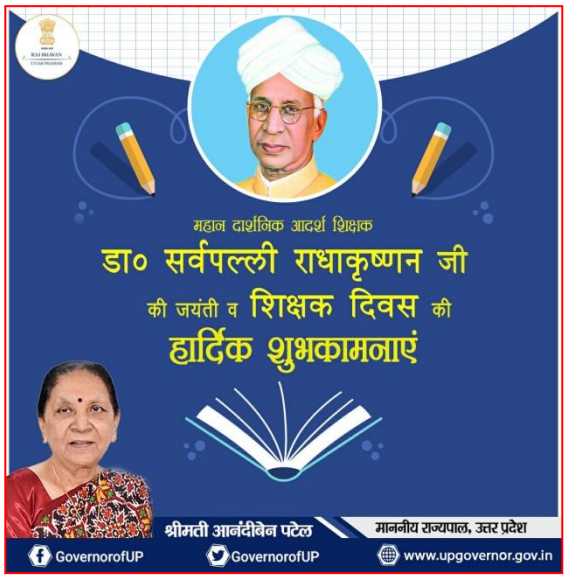

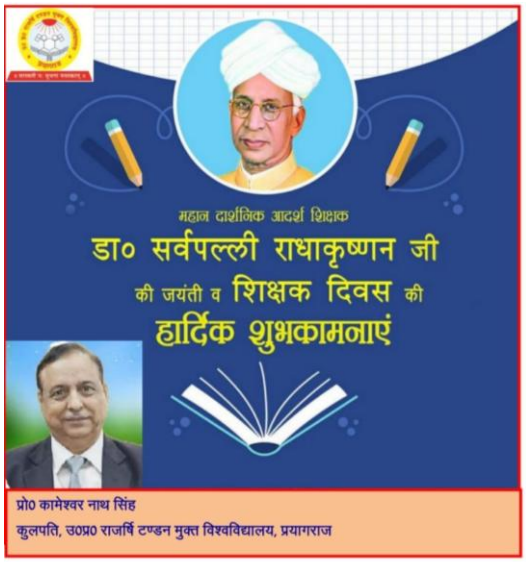

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त वि.वि. के यशस्वी कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण करके उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आइये, इस पुनीत अवसर पर व्यक्तिशः नई शिक्षा नीति का अध्ययन करें एवम इसके क्रियान्वयन हेतु सुझाव प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि मुझे हार्दिक प्रसन्नता होगी, यदि आप अपने सुझाव लिखित रूप मे हमें प्रेषित करें। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह एवं विश्व विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

दिनांक 05 सितम्बर, 2020 को शिक्षक दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिवस मनाया गया।

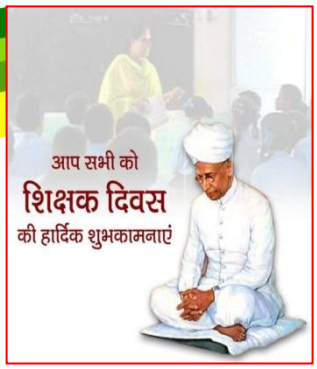

सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

उपस्थित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण।

सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी, परीक्षा नियंत्रक ,श्री डी.पी. सिंह, कुलसचिव ,डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता एवं विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारीगण।

सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए कर्मचारीगण।

दिनांक 05 सितम्बर, 2020 को शिक्षक दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों पर सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिवस मनाया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

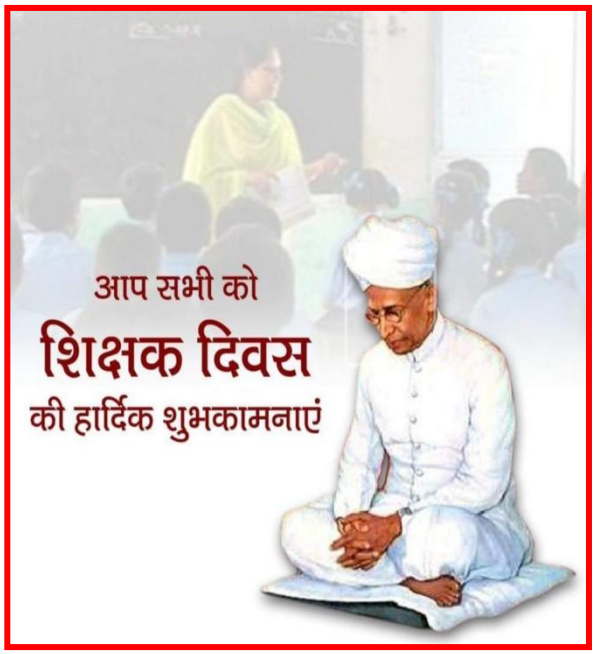

सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ0 अभिषेक सिंह

सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के
चित्र
पर
माल्यार्पण
करते हुए अयोध्या
क्षेत्रीय केन्द्र के
समन्वयक
डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी
एवं
उपस्थित अन्य शिक्षकगण

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

06 सितम्बर, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय की बी. एड. एवं बी एड (विशिष्ट शिक्षा) की प्रवेश परीक्षा आयोजित

परीक्षा केंद्रों का कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने निरीक्षण

विश्वविद्यालय स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की बी. एड. एवं बी एड (विशिष्ट शिक्षा) की प्रवेश परीक्षा रविवार को प्रदेश के 8 जिलों में शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित की गई।

प्रदेश के सभी परीक्षा केंद्रों पर बी. एड. की परीक्षा प्रथम पाली में सुबह 9:00 से 12:00 बजे तक तथा बी. एड. (विशिष्ट शिक्षा) की परीक्षा शाम की पाली में दोपहर 2:00 से सायं 5:00 तक आयोजित की गई। विश्वविद्यालय में स्थित परीक्षा केंद्रों का कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने निरीक्षण किया।

प्रवेश परीक्षा गोरखपुर, मेरठ, लखनऊ, आगरा, वाराणसी, बरेली, कानपुर तथा प्रयागराज में शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित की गई। प्रयागराज में विश्वविद्यालय के गंगा परिसर, सरस्वती परिसर एवं ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में परीक्षा केंद्र बनाया गया था।

विश्वविद्यालय स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी तथा साथ में परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह

News Letter
मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

06 सितम्बर, 2020

"राष्ट्रीय चेतना" ई-शोध पत्रिका
वेब-संगोष्ठी एवं लोकार्पण समारोह

"राष्ट्रीय चेतना" ई-शोध पत्रिका द्वारा वेब संगोष्ठी और लोकार्पण समारोह
दिनांक : 6 सितंबर, 2020 (रविवार) समय : अपराह्न 3 बजे प्लेटफार्म : गूगल मीट
विशिष्ट वक्तव्य – डॉ. अरुण कुमार गुप्ता, कुल सचिव, यू.पी राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी, प्रयागराज

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

09 सितम्बर, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा ''नई शिक्षा नीति की प्रासंगिकता एवं विशेषताएँ'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित

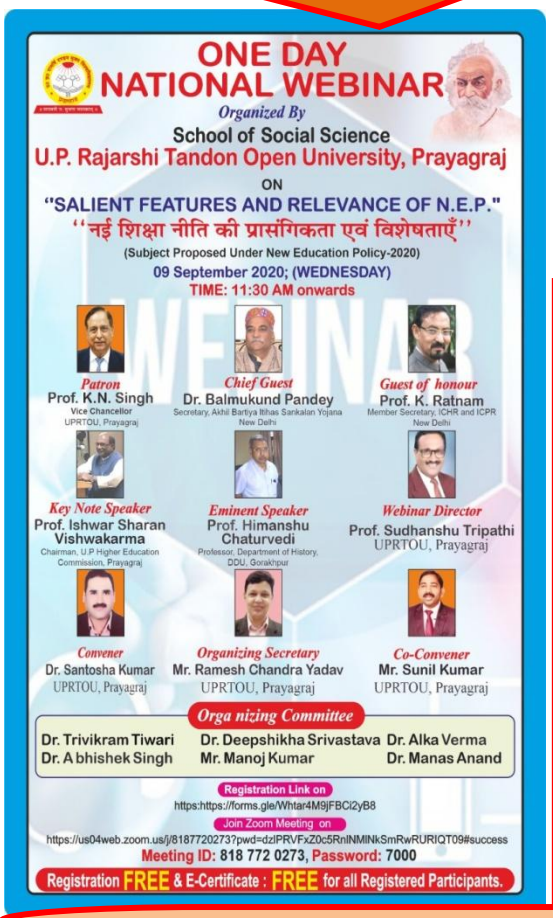

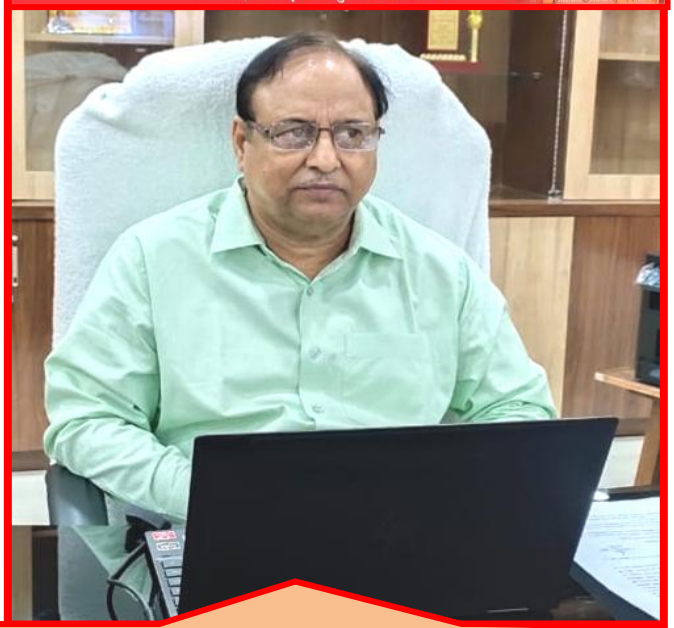

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

दिनांक 09 सितम्बर, 2020 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में ''नई शिक्षा नीति की प्रासंगिकता एवं विशेषताएँ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन वेबीनार का आयोजन ZOOM APP के माध्यम से किया गया। उक्त आयोजन के मुख्य अतिथि डॉ0 बालमुकुन्द पाण्डेय, सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली, विशिष्ट अतिथि प्रो0 के रतनम, सदस्य सचिव, आईसीएचआर एण्ड आईसीपीआर, नई दिल्ली एवं मुख्य वक्ता प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा, अध्यक्ष, उ0प्र0 उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, प्रयागराज रहें तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी, सहायक निदेश/ सहायक आचार्य, समाज विज्ञान विद्याशा ने वन्दे मातरम् गीत प्रस्तुत किया। तत्पश्चात अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत कार्यक्रम निदेशक प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी ने किया। विषय परिवर्तन कार्यक्रम संयोजक डॉ0 सन्तोषा कुमार ने किया। संचालन आयोजन सचिव श्री रमेश चन्द्र यादव ने एवं कुलसचिव, डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी एवं परामर्शदाताओं ने प्रतिभाग किया।

वदे मातरम् गीत प्रस्तुत करते हुए
डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी

कार्यक्रम का संचालन करते हुए
आयोजन सचिव श्री रमेश चन्द्र यादव

विषय परिवर्तन करते हुए कार्यक्रम संयोजक डॉ0 सन्तोषा कुमार

अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम निदेशक प्रो0 सुधाशुं त्रिपाठी

मुख्य अतिथि का उद्‌बोधन

मुख्य अतिथि
डॉ0 बालमुकुन्द पाण्डेय

नई शिक्षा नीति भारतीय जनमानस के करीब : डॉ0 पाण्डेय

मुख्य अतिथि डॉ0 बालमुकुन्द पाण्डेय, सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली ने कहा कि नई शिक्षा नीति भारतीय जनमानस से अधिकाधिक संख्या में संवाद स्थापित करके बनाई गई है, इसलिए इसमें आध्यात्मिकता का सुर मिलता है। मानव संसाधन नहीं है, मनुष्य साधक है, शिक्षा साध्य है, सरकार साधना है। नई शिक्षा नीति इसे संभव बनाती है। राष्ट्रीय चेतना के जागरण में विश्वविद्यालयों की महती भूमिका है। हमारे विद्यालय/विश्वविद्यालय समाजिक चेतना के केन्द्र होते थे परन्तु दुर्भाग्य से दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा में भारतीय शिक्षा को परिवर्तित कर दिया गया क्योंकि व्यक्ति को विद्वान बनाने की जगह यन्त्र साधन बनाने पर जोर दिया गया। नई शिक्षा नीति व्यक्ति को ज्ञान और चेतना की ओर ले जाती है।

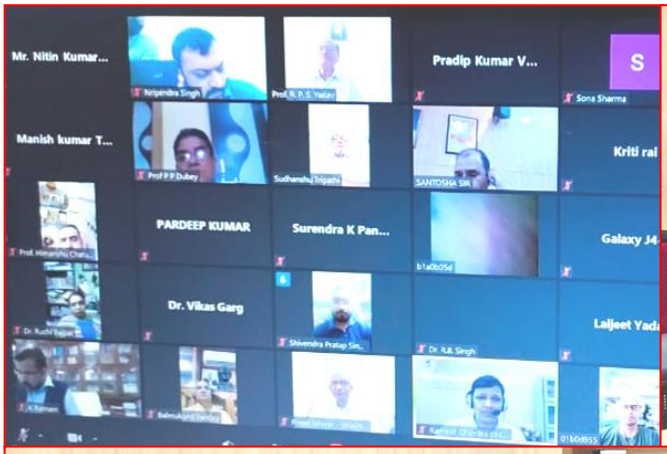

वेबीनार में प्रतिभाग करते हुए विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी एवं परामर्शदातागण।

विशिष्ट अतिथि का उद्बोधन

विशिष्ट अतिथि प्रो0 के रतनम

शिक्षा सदैव समाज का ही दायित्व रहा है : प्रो0 रतनम

विशिष्ट अतिथि प्रो0 के रतनम, सदस्य सचिव, आईसीएचआर एण्ड आईसीपीआर, नई दिल्ली ने कहा कि भारतीय चिन्तन में शिक्षा सदैव समाज का ही दायित्व रहा है, यह कभी भी राज्य का दायित्व नहीं रहा है। नव शिक्षा नीति शिक्षा को समाज के लिए समाज के द्वारा विद्या शिक्षा में रूपान्तरित हो गई तथा कालान्तर में मात्र जीविकोपार्जन का विषय बन गई। अब पुनः शिक्षा को विद्या का स्वरूप देने का प्रयास किया गया है।

मुख्य वक्ता का उद्बोधन

नई शिक्षा नीति हमें वापस अपने मूल की ओर ले जाता है : प्रो. विश्वकर्मा

मुख्य वक्ता प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा, अध्यक्ष, उ0प्र0 उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, प्रयागराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत प्राचीन काल में शिक्षा का केंन्द्र था परन्तु कालान्तर में परिस्थितियाँ वैश्विक रूप से यूरोप केन्द्रित हो गई और हम अपने मूल से भटक गए। नई शिक्षा नीति हमें वापस अपने मूल की ओर ले जाता है। हम द्वन्द्व की स्थिति से निकल कर अब विश्व गुरू बनने की ओर अग्रसर है। 1781 से लगातार शिक्षा के विदूपीकरण का कार्य किया गया है, नई शिक्षा नीति प्रथम प्रयास है अपने मूल की गौरवमयी शिक्षा की ओर वापस लौटने का भौतिकता, अर्थ, काम और एकांगी दृष्टिकोंण से वापस लौटकर वैश्विक दृष्टिकोंण की ओर आगे बढ़ने का आरम्भ है। प्रो0 विश्वकर्मा ने अपने उद्बोधन के अन्त में आयोजकों को धन्यवाद दिया साथ ही यह विश्वास व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश का एक मात्र मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज नई शिक्षा नीति को अपने संस्थान में व्यवहारिक रूप प्रदान करेगा।

मुख्य वक्ता

प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा

अध्यक्षीय उद्‌बोधन

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

उच्च शिक्षण संस्थाननई शिक्षा नीति पर व्यापक चर्चा करायें : कुलपति

वेबीनार की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि जब भी कोई नई नीति आती है तो जनमानस में उसके प्रति संदेह और जिज्ञासाएं होती है, अतः उस पर विचार विमर्श एवं संगोष्ठी आवश्यक है। यह प्रथम शिक्षा नीति है जो अधिकतम स्टेक होल्डर्स के सुझावों से निर्मित हुई है। यह राष्ट्रीय नीति है, दल या वर्ग की नीति नहीं है। प्रो0 सिंह ने कहा कि शिक्षा समाज में कितनी पहुंच रही है, यह महत्वपूर्ण है। उन्होंने सुझाव दिया कि उच्च शिक्षण संस्थानों में अपने पाठ्यक्रमों पर व्यापक चर्चा कराई जानी चाहिए तथा शिक्षा को व्यवहारिक धरातल पर उतर कर सार्थक बनाने का प्रयास करना चाहिए। प्रो0 सिंह ने प्रतिभागियों से यह अपेक्षा की कि उनके माध्यम से विश्वविद्यालय को विभिन्न सुझाव प्राप्त होंगें जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा अग्रेषित किया जा सके।

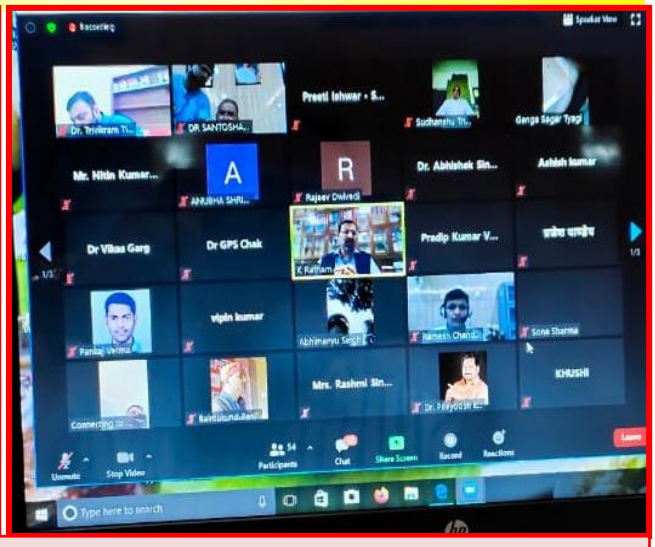

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कुलसचिव, डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता

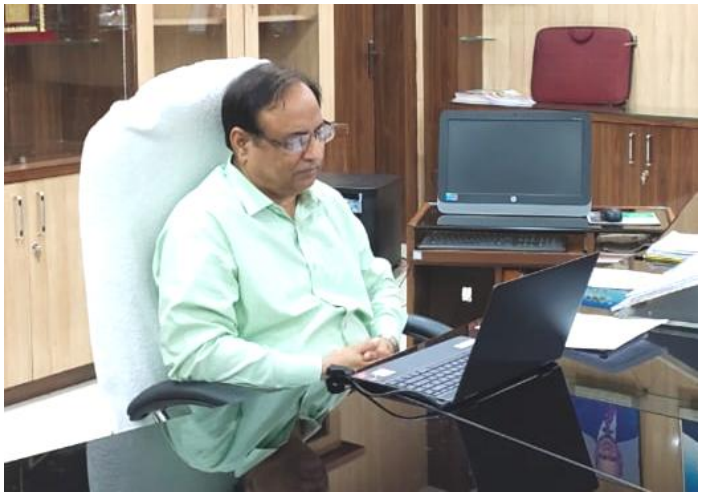

वेबीनार में प्रतिभाग करते हुए विश्वविद्यालय के निदेशक,
शिक्षक, अधिकारी एवं परामर्शदातागण।

हिमालय पर अस्तित्व निर्भर: निशंक 11 | ज्वेरेव और कारेनो में फाइनल के लिए टक्कर 12

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

युवा | आज का दिन वर्ष 1847 में हवाई द्वीप में पहला थियेटर खुला। | हिन्दुस्तान 04
प्रयागराज • गुरुवार • 10 सितंबर 2020

नई शिक्षा नीति भारतीय जनमानस के करीब

प्रयागराज | निज संवाददाता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में बुधवार को 'नई शिक्षा नीति की प्रासंगिकता एवं विशेषताएं' विषय पर वेबिनार हुआ। अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि जब भी कोई नई नीति आती है तो जनमानस में उसके प्रति संदेह और जिज्ञासाएं होती हैं।

प्रो. सिंह ने कहा कि शिक्षा समाज में कितनी पहुंच रही है, यह महत्वपूर्ण है। मुख्य अतिथि डॉ. बालमुकुन्द पांडेय ने कहा कि शिक्षा नीति भारतीय जनमानस से अधिकाधिक संख्या में संवाद स्थापित करके बनाई गई है, आध्यात्मिकता का सुर मिलता है। विशिष्ट अतिथि प्रो. के रतनम ने कहा कि भारतीय चिन्तन में शिक्षा सदैव समाज का ही दायित्व रहा है, यह कभी भी राज्य का दायित्व नहीं रहा है। मुख्य वक्ता उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा ने कहा कि भारत प्राचीन काल में शिक्षा का केंद्र था परन्तु कालान्तर में परिस्थितियां वैश्विक रूप से यूरोप केन्द्रित हो गई और हम अपने मूल से भटक गए। इस अवसर पर डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, प्रो. सुधांशु त्रिपाठी, डॉ. सन्तोषा कुमार, रमेश चन्द्र यादव, डॉ. अरुण कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

दैनिक जागरण
प्रयागराज, गुरुवार 10 सितंबर, 2020
www.jagran.com

हमेशा जिज्ञासा लेकर आती है नई नीति : प्रो. केएन सिंह

वेबिनार

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में बुधवार को नई शिक्षा नीति की प्रासंगिकता एवं विशेषताएं विषय पर वेबिनार हुआ। कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि जब भी कोई नई नीति आती है तो जनमानस में उसके प्रति संदेह और जिज्ञासाएं होती हैं। शिक्षा समाज में कितनी पहुंच रही है, यह महत्वपूर्ण है।

मुख्य अतिथि डॉ. बालमुकुंद पांडेय ने शिक्षा नीति भारतीय जनमानस से अधिकाधिक संख्या में संवाद स्थापित करके बनाई है, इसलिए इसमें आध्यात्मिकता का सुर मिलता है। विशिष्ट अतिथि प्रो. के रतनम ने कहा भारतीय चिंतन में शिक्षा सदैव समाज का ही दायित्व रहा है, यह कभी भी राज्य का दायित्व नहीं रहा है। मुख्य वक्ता उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा ने कहा कि भारत प्राचीन काल में शिक्षा का केंद्र था परंतु कालांतर में परिस्थितियां? वैश्विक रूप से यूरोप केंद्रित हो गईं और हम मूल से भटक गए। मौके पर डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, प्रो. सुधांशु त्रिपाठी, डॉ. सन्तोषा कुमार, रमेश चन्द्र यादव, डॉ. अरूण कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

लखनऊ, कानपुर और दिल्ली से प्रकाशित | प्रकाशन का 74वां वर्ष
स्वतंत्र भारत
लखनऊ
बृहस्पतिवार, 10 सितम्बर 2020 ई.
आश्विन कृष्ण पक्ष 8
सं. 2077 वि.
epaper: swatantrabharat.net
वर्ष 74 | अंक 26 | नगर संस्करण * | पृष्ठ 16 | मूल्य 3.00 रुपये

मुविवि में 'नई शिक्षा नीति की प्रासंगिकता एवं विशेषताएँ' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

नई शिक्षा नीति भारतीय जनमानस के करीब : डा. बाल मुकुन्द पाण्डेय

प्रयागराज। नई शिक्षा नीति भारतीय जनमानस से अधिकाधिक संख्या में संवाद स्थापित करके बनाई गई है, इसलिए इसमें आध्यात्मिकता का सुर मिलता है। मानव संसाधन नहीं है, मनुष्य साधक है, शिक्षा साध्य है, सरकार साधना है। नई शिक्षा नीति इसे संभव बनाती है। राष्ट्रीय चेतना के जागरण में विश्वविद्यालयों की महती भूमिका है। हमारे विद्यालय/विश्वविद्यालय समाजिक चेतना के केन्द्र होते थे परन्तु दुर्भाग्य से दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा में भारतीय शिक्षा को परिवर्तित कर दिया गया क्योंकि व्यक्ति को विद्वान बनाने की जगह यन्त्रा साधन बनाने पर जोर दिया गया। नई शिक्षा नीति व्यक्ति को ज्ञान और चेतना की ओर ले जाती है।

उक्त बातें आज यहां उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में बुधवार को 'नई शिक्षा नीति की प्रासंगिकता एवं विशेषताएँ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन वेबीनार में बोलते हुए मुख्य अतिथि डा. बालमुकुन्द पाण्डेय, सचिव अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली ने कहीं।

विशिष्ट अतिथि प्रो. के रतनम, सदस्य सचिव, आईसीएचआर एण्ड आईसीपीआर, नई दिल्ली ने कहा कि भारतीय चिन्तन मे शिक्षा सदैव समाज का ही दायित्व रहा है, यह कभी भी राज्य का दायित्व नहीं रहा है। नव शिक्षा नीति शिक्षा को समाज के लिए समाज के द्वारा विद्या शिक्षा में रूपान्तरित हो गई तथा कालान्तर में मात्रा जीविकोपार्जन का विषय बन गई। अब पुनः शिक्षा को विद्या का स्वरूप देने का प्रयास किया गया है।

वेबीनार की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि जब भी कोई नई नीति आती है तो जनमानस में उसके प्रति संदेह और जिज्ञासाएं होती है, अतः उस पर विचार विमर्श एवं संगोष्ठी आवश्यक है। यह प्रथम शिक्षा नीति है जो अधिकतम स्टेक होल्डर्स के सुझावों से निर्मित हुई है। यह राष्ट्रीय नीति है, दल या वर्ग की नीति नहीं है। प्रो. सिंह ने कहा कि शिक्षा समाज में कितनी पहुंच रही है, यह महत्वपूर्ण है। उन्होंने सुझाव दिया कि उच्च शिक्षण संस्थानों में अपने पाठ्यक्रमों पर व्यापक चर्चा कराई जानी चाहिए तथा शिक्षा को व्यवहारिक धरातल पर उतर कर सार्थक बनाने का प्रयास करना चाहिए।

प्रो. सिंह ने प्रतिभागियों से यह अपेक्षा की कि उनके माध्यम से विश्वविद्यालय को विभिन्न सुझाव प्राप्त होंगें जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा अग्रेषित किया जा सके। प्रो. विश्वकर्मा ने अपने उद्बोधन के अन्त में आयोजकों को धन्यवाद दिया साथ ही यह विश्वास व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश का एक मात्रा मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज नई शिक्षा नीति को अपने संस्थान में व्यवहारिक रूप प्रदान करेगा।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में डा. त्रिविक्रम तिवारी, सहायक निदेश/सहायक आचार्य, समाज विज्ञान विद्याशा ने वन्दे मातरम् गीत प्रस्तुत किया। ततूपश्चात अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत कार्यक्रम निदेशक प्रो. सुधांशु त्रिपाठी ने किया। विषय परिवर्तन कार्यक्रम संयोजक डा. सन्तोष कुमार ने किया। संचालन आयोजन सचिव रमेश चन्द्र यादव ने एवं कुलसचिव, डा. अरूण कुमार गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

राष्ट्रीय सहारा

नई शिक्षा नीति भारतीय जनमानस के करीब : डॉ. पाण्डेय

प्रयागराज (एसएनबी)। उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा की ओर से बुधवार को "नई शिक्षा नीति की प्रासंगिकता एवं विशेषताएँ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि जब भी कोई नई नीति आती है तो जनमानस में उसके प्रति संदेह और जिज्ञासाएं होती है, अतः उस पर विचार विमर्श एवं संगोष्ठी आवश्यक है। यह प्रथम शिक्षा नीति है जो अधिकतम स्टेक होल्डर्स के सुझावों से निर्मित हुई है। यह राष्ट्रीय नीति है, दल या वर्ग की नीति नहीं है। मुख्य अतिथि सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय ने कहा कि नई शिक्षा नीति भारतीय जनमानस से अधिकाधिक संख्या में संवाद स्थापित करके बनाई गई है, इसलिए इसमें आध्यात्मिकता का सुर मिलता है।

अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सूर्योदय : 05:50 बजे
सूर्यास्त : 06:16 बजे

वर्ष : 42 | अंक : 269 | प्रयागराज, गुरुवार 10 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपये

नई शिक्षा नीति भारतीय जनमानस के करीब : डॉ. पाण्डेय

वरिष्ठ संवाददाता, प्रयागराज। उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में बुधवार को 'नई शिक्षा नीति की प्रासंगिकता एवं विशेषताऍं विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि जब भी कोई नई नीति आती है तो जनमानस में उसके प्रति संदेह और जिज्ञासाएं होती है, अतः उस पर विचार विमर्श एवं संगोष्ठी आवश्यक है। यह प्रथम शिक्षा नीति है जो अधिकतम स्टेक होल्डर्स के सुझावों से निर्मित हुई है। यह राष्ट्रीय नीति है, दल या वर्ग की नीति नहीं है। प्रो0 सिंह ने कहा कि शिक्षा समाज में कितनी पहुंच रही है, यह महत्वपूर्ण है। उन्होंने सुझाव दिया कि उच्च शिक्षण संस्थानों में अपने पाठ्यक्रमों पर व्यापक चर्चा कराई जानी चाहिए तथा शिक्षा को व्यवहारिक धरातल पर उतर कर सार्थक बनाने का प्रयास करना चाहिए। मुख्य अतिथि डॉ0 बालमुकुन्द पाण्डेय, सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली ने कहा कि नई शिक्षा नीति भारतीय जनमानस से अधिकाधिक संख्या में संवाद स्थापित करके बनाई गई है, इसलिए इसमें आध्यात्मिकता का सुर मिलता है। मानव संसाधन नही है, मनुष्य साधक है, शिक्षा साध्य है, सरकार साधना है। नई शिक्षा नीति इसे संभव बनाती है। विशिष्ट अतिथि प्रो0 के रतनम, ने कहा कि भारतीय चिन्तन में शिक्षा सदैव समाज का ही दायित्व रहा है, यह कभी भी राज्य का दायित्व नहीं रहा है। नव शिक्षा नीति शिक्षा को समाज के लिए समाज के द्वारा विद्या शिक्षा में रूपान्तरित हो गई तथा कालान्तर में मात्रा जीविकोपार्जन का विषय बन गई। अब पुनः शिक्षा को विद्या का स्वरूप देने का प्रयास किया गया है। मुख्य वक्ता प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा, अध्यक्ष, उ0प्र0 उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, प्रयागराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत प्राचीन काल में शिक्षा का केंद्र था परन्तु कालान्तर में परिस्थितियॉं वैश्विक रूप से यूरोप केन्द्रित हो गई और हम अपने मूल से भटक गए। र्यक्रम के प्रारम्भ में डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी, सहायक निदेशक, सहायक आचार्य, समाज विज्ञान विद्याशा ने वन्दे मातरम् गीत प्रस्तुत किया। तत्पश्चात अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत कार्यक्रम निदेशक प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी ने किया। विषय परिवर्तन कार्यक्रम संयोजक डॉ0 सन्तोषा कुमार ने किया। संचालन आयोजन सचिव रमेश चन्द्र यादव ने एवं कुलसचिव, डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

एमबीए और एमसीए में अब 15 तक करें आवेदन

नोएडा। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एमबीए और एमसीए 2020-21 की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि 15 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। नोएडा की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. कविता त्यागी ने बताया कि पंजीकरण की अंतिम तिथि 5 सितंबर थी। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन भरे फॉर्म की हार्ड कॉपी स्वप्रमाणित दस्तावेज के साथ 20 सितंबर तक विश्वविद्यालय को भेजनी होगी। ब्यूरो

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

सच का आधार ...

वर्ष : 11 अंक : 162, प्रयागराज, गुरुवार 10 सितम्बर 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

नई शिक्षा नीति भारतीय जनमानस के करीब : डॉ पाण्डेय

उच्च शिक्षण संस्थान नई शिक्षा नीति पर व्यापक चर्चा करायें : कुलपति

प्रयागराज,। नई शिक्षा नीति भारतीय जनमानस से अधिकाधिक संख्या में संवाद स्थापित करके बनाई गई है। इसलिए इसमें आध्यात्मिकता का सुर मिलता है। मानव संसाधन नहीं है, मनुष्य साधक है, शिक्षा साध्य है, सरकार साधना है। नई शिक्षा नीति इसे सम्भव बनाती है जो जनमानस के करीब है।

उक्त विचार मुख्य अतिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के सचिव डॉ. बाल मुकुन्द पाण्डेय ने बुधवार को उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में आयोजित ''नई शिक्षा नीति की प्रासंगिकता एवं विशेषताएं'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन वेबीनार में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चेतना के जागरण में विश्वविद्यालयों की महती

भूमिका है। हमारे विद्यालय-विश्वविद्यालय सामाजिक चेतना के केन्द्र होते थे। परन्तु दुर्भाग्य से दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा में भारतीय शिक्षा को परिवर्तित कर दिया गया। क्योंकि व्यक्ति को विद्वान बनाने की जगह यन्त्र साधन बनाने पर जोर दिया गया। नई शिक्षा नीति व्यक्ति को ज्ञान और चेतना की ओर ले जाती है।

मुख्य वक्ता उप्र उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग प्रयागराज के अध्यक्ष प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा ने कहा कि भारत प्राचीन काल में शिक्षा का केंन्द्र था। परन्तु कालान्तर में परिस्थितियां वैश्विक रूप से यूरोप केन्द्रित हो गई और हम अपने मूल से भटक गए। नई शिक्षा नीति हमें वापस अपने मूल की ओर ले जाता है। हम द्वन्द्व की स्थिति से निकल कर अब विश्व गुरू बनने की ओर अग्रसर हैं। 1781 से लगातार शिक्षा के विद्रूपीकरण का कार्य किया गया है।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

10 सितम्बर, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा ''समसामयिक चुनौतियॉं एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबकान आयोजित

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबकान

दिनांक 10 सितम्बर, 2020 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्याशाखा के तत्वाधान में **''समसामयिक चुनौतियॉं एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति''** विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबकान का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो. एस.पी. गुप्ता, पूर्व निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज रहें तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में स्वागत एवं अतिथि परिचय कार्यक्रम के संयोजक प्रो0 पी.के. पाण्डेय ने किया। आयोजन सचिव डॉ0 दिनेश सिंह द्वारा वेबकान का विषय प्रर्वतन किया गया। खुली चर्चा में सुरेन्द्र नागालैण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय,, डॉ0 उमेश बाजपेयी कानपुर, डॉ0 कविता त्यागी क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा, डॉ0 धर्मेन्द्र सर्राफ, डॉ0 हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर, डॉ0 रेखा त्रिपाठी, क्षेत्रीय केन्द्र झांसी, डॉ0 शुचिता चतुर्वेदी, क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर, प्रो0 बलराम सिंह, राजकीय पीजी कालेज बादलपुर, नोएडा, डॉ0 सरोज यादव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने अपने सुझाव एवं ,विचार व्यक्त किये। संचालन सह–संयोजक डॉ0 जी.के. द्विवेदी ने एवं डॉ0 नीता मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी एवं परामर्शदाताओं के साथ देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों, महाविद्वालयों, शैक्षणिक संस्थानों आदि प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। राष्ट्रगान के उपरान्त कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए सह– संयोजक डॉ0 जी0के0 द्विवेदी

अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम निदेशक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय

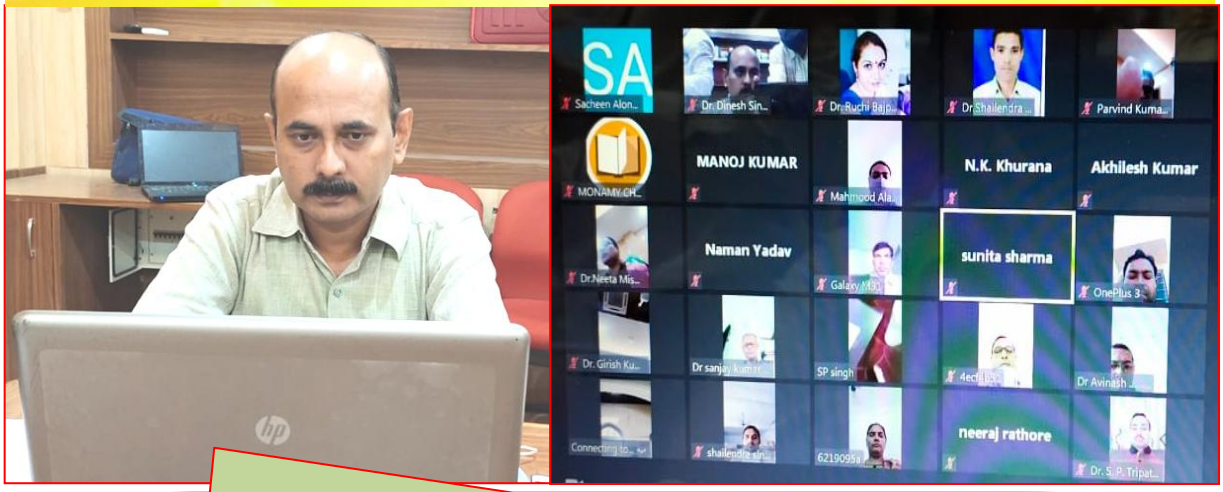

वेबकान का विषय प्रवर्तन करते हुए आयोजन सचिव डॉ0 दिनेश सिंह

मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता का उद्‌बोधन

राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 इन सभी चुनौतियों से निपटने के लिए दृढ़संकल्पित है : प्रो0 गुप्ता

आयोजन में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो0 एस0पी0 गुप्ता, पूर्व निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि कोविड–19 ने पूरे विश्व की दशा एवं दिशा को बदल दिया है इसमें शिक्षा का क्षेत्र भी अछूता नहीं रहा है। जो कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित है और एक चुनौती के रूप में विद्यमान है। उन्होंने सामाजिक एवं आर्थिक संकट, पर्यावरण तथा प्रौद्योगिकी विकास की चुनौती तथा शैक्षिक चुनौतियों के बारे में सचेत किया। प्रो0 गुप्ता ने कहा कि आज शिक्षक–प्रशिक्षण में भी गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण नहीं हो पा रहा है जिसके कारण शिक्षा जगत में समस्यायें बढ़ती जा रहीं हैं। इसके समाधान की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 इन सभी चुनौतियों से निपटने के लिए दृढ़संकल्पित है।

प्रो0 एस0पी0 गुप्ता

अध्यक्षीय उद्‌बोधन

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

नई पीढ़ी को प्राचीन शिक्षा पद्धति के महत्व को बताया जाये–प्रो0 सिंह

आयोजन की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर अपने अध्यक्षीय उदबोधन देते हुये कहा यह दौर चर्चा और चिंतन का है समय के अनुरूप सभी क्षेत्रों में बदलाव होता रहता है। इसी के अनुरूप शिक्षानीति भी बदलती है। उन्होंने प्राचीन शिक्षा पद्धति की महत्ता को प्रतिपादित करते हुये बताया कि दुनिया के लोग शिक्षा प्राप्त करने भारत आते थे, परन्तु अब इसके क्षरण के कारण भारत के लोग विदेश जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी मेधा को पुर्नजीवन देना है। चरक सुश्रुत, गार्गी इत्यादि विद्वानों का आविर्भाव इसी धरा पर हुआ। हमें नयी पीढ़ी को इनके बारे में बताना चाहिये। प्रो0 सिंह ने कहा कि समतायुक्त, विषमतामुक्त, समरसतायुक्त तंत्र का विकास शिक्षानीति का मूल मंत्र है। भाषा पर जो उहापोह की स्थिति बनी हुई है उस पर विचार व्यक्त करते हुये कहा कि संस्कृत पढना कठिन है, पढ़ लिये तो समझना कठिन है समझ लिये तो समझाना कठिन है लेकिन संस्कृत में सभी क्षेत्र विद्यमान है। जर्मनी के दीवार की तरह भाषा की दीवार भी टूट रही है। नई शिक्षा नीति किसी दल, सरकार की नहीं है बल्कि पूरे राष्ट्र की है।

धन्यवाद ज्ञापित करती हुई डॉ0 नीता मिश्रा

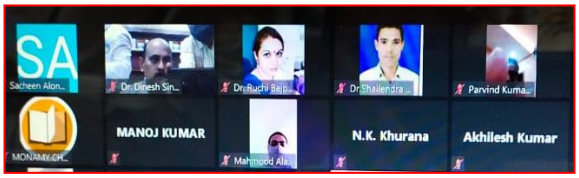

राष्ट्रीय चेतना

बेंगलुरु, कर्नाटक

विशिष्ट अतिथि सम्मान पत्र

परम सम्मानीय डॉ॰ अरुण कुमार गुप्ता ..... "राष्ट्रीय चेतना" शोध पत्रिका द्वारा आयोजित लोकार्पण समारोह एवं ई-संगोष्ठी आपके शुभागमन से पूर्ण प्रतिष्ठा व शालीनता से संपन्न हुई।

आपके अथक परिश्रम, शिक्षा प्रेम, दृढ़ संकल्प एवं समर्पित बहुमुखी प्रतिभा से समाज लाभान्वित होता रहा है। आप हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रचार-प्रसार में सतत कार्यरत हैं।अपनी कर्मठता, दृढ़ता, विनम्रता, सहजता,संकल्पशीलता एवं उदारता से आपने समाज में अनुकरणीय व्यक्तित्व का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

आपके बहुमुखी व्यक्तित्व, कृतित्व एवं प्रतिभ-दृष्टिकोण के लिए हम आपके सम्मान स्वरूप "राष्ट्रीय चेतना" पत्रिका की ओर से आपको यह मानपत्र सादर समर्पित करते हैं। इस अवसर पर सविनय प्रणामपूर्वक हम आपके स्वस्थ, सुखी, कर्मशील, सृजनरत दीर्घायु की मंगल कामना करते हैं।

"राष्ट्रीय चेतना" पत्रिका के लिए आपका सहयोग व स्नेह अविस्मरणीय है।

अरविन्द	रेनु कुकरेती	राजेन्द्र
प्रबंध संपादक एवं संयोजक	मुख्य संपादक	संयोजक (वेबिनार)
प्रो. डॉ.(मा.) अरविंद कुमार गुप्ता	प्रो. रेनू कुकरेती	डॉ. राजेंद्र कुमार तिवारी

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

वर्ष : 11 अंक : 163, प्रयागराज, शुक्रवार 11 सितम्बर 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

कोविड 19 ने पूरे विश्व की दशा व दिशा बदल दिया: प्रो गुप्ता

नई पीढ़ी को प्राचीन शिक्षा पद्धति के महत्व को बताया जाये : कुलपति

प्रयागराज। कोविड-19 ने पूरे विश्व की दशा एवं दिशा को बदल दिया है, इसमें शिक्षा का क्षेत्र भी अछूता नहीं रहा। जो कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित है और एक चुनौती के रूप में विद्यमान है।

उक्त विचार मुख्य वक्ता प्रो. एस.पी गुप्ता, पूर्व निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज ने गुरूवार को मुक्त विवि प्रयागराज की ओर से गुरूवार को ''नई शिक्षा नीति एवं समकालीन चुनौतियां'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय ऑनलाइन वेबकॉन में व्यक्त किया। उन्होंने सामाजिक एवं आर्थिक संकट, पर्यावरण तथा प्रौद्योगिकी विकास की चुनौती तथा शैक्षिक चुनौतियों के बारे में सचेत किया। प्रो. गुप्ता ने कहा कि आज शिक्षक-प्रशिक्षण में भी गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण नहीं हो पा रहा है जिसके कारण शिक्षा जगत में समस्यायें बढ़ती जा रहीं हैं। इसके समाधान की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षानीति इन सभी चुनौतियों से निपटने के लिए दृढ़संकल्पित है।

अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर कहा, यह दौर चर्चा और चिंतन का है। समय के अनुरूप सभी क्षेत्रों में बदलाव होता रहता है। इसी के अनुरूप शिक्षानीति भी बदलती है। उन्होंने प्राचीन शिक्षा पद्धति की महत्ता को प्रतिपादित करते हुए कहा कि दुनिया के लोग शिक्षा प्राप्त करने भारत आते थे, परन्तु अब इसके क्षरण के कारण भारत के लोग विदेश जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी मेधा को पुनर्जीवन देना है। चरक सुश्रुत, गार्गी इत्यादि विद्वानों का आविर्भाव इसी धरा पर हुआ। हमें नयी पीढ़ी को इनके बारे में बताना चाहिये। प्रो. सिंह ने कहा कि समतायुक्त, विषमतामुक्त, समरसता युक्त तंत्र का विकास शिक्षानीति का मूल मंत्र है। कहा कि संस्कृत पढ़ना कठिन है, पढ़ लिये तो समझना कठिन है। समझ लिये तो समझाना कठिन है। लेकिन संस्कृत में सभी क्षेत्र विद्यमान है। जर्मनी के दीवार की तरह भाषा की दीवार भी टूट रही है। नई शिक्षा नीति किसी दल, सरकार की नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की है।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक प्रो. पी.के पाण्डेय, सह संयोजक डॉ. जी.के द्विवेदी, आयोजन सचिव डॉ.दिनेश सिंह, सहसचिव डॉ.यू.एन तिवारी एवं आयोजक मंडल डॉ.नीता मिश्रा, परविन्द कुमार वर्मा, राजमणि पाल इत्यादि ने प्रतिभाग किया।

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

मुक्त विवि में प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर लगेंगे पीपल के पौधे

प्रयागराज। राजभवन लखनऊ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में एवं बाहर 71 पीपल के पौधे 17 सितंबर यानि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर आरोपित किए जाएंगे। यह जानकारी मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने देते हुए बताया है कि 17 सितंबर को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 71 वर्ष के हो रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि पूरे प्रदेश में राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा उनके परिसरों में 7100 पीपल के वृक्ष लगाने हेतु आवाहन किया गया है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि, राजभवन के इस संकल्प को पूरा करने के लिए कृत संकल्पित है।

प्रयागराज, शुक्रवार, 11 सितंबर, 2020

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

कोविड 19 ने पूरे विश्व की दशा व दिशा बदल दिया : प्रो गुप्ता

प्रयागराज। कोविड-19 ने पूरे विश्व की दशा एवं दिशा को बदल दिया है, इसमें शिक्षा का क्षेत्र भी अछूता नहीं रहा। जो कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित है और एक चुनौती के रूप में विद्यमान है। उक्त विचार मुख्य वक्ता प्रो. एस.पी गुप्ता, पूर्व निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज ने गुरूवार को मुक्त विवि प्रयागराज की ओर से गुरूवार को नई शिक्षा नीति एवं समकालीन चुनौतियां विषय पर आयोजित राष्ट्रीय ऑनलाइन वेबकॉन में व्यक्त किया। उन्होंने सामाजिक एवं आर्थिक संकट, पर्यावरण तथा प्रौद्योगिकी विकास की चुनौती तथा शैक्षिक चुनौतियों के बारे में सचेत किया। प्रो. गुप्ता ने कहा कि आज शिक्षक-प्रशिक्षण में भी गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण नहीं हो पा रहा है जिसके कारण शिक्षा जगत में समस्यायें बढ़ती जा रहीं हैं। इसके समाधान की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षानीति इन सभी चुनौतियों से निपटने के लिए दृढ़संकल्पित है।

मुक्त विवि के कुलपति

अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर कहा, यह दौर चर्चा और चिंतन का है। समय के अनुरूप सभी क्षेत्रों में बदलाव होता रहता है। इसी के अनुरूप शिक्षानीति भी बदलती है। उन्होंने प्राचीन शिक्षा पद्धति की महत्ता को प्रतिपादित करते हुए कहा कि दुनिया के लोग शिक्षा प्राप्त करने भारत आते थे, परन्तु अब इसके क्षरण के कारण भारत के लोग विदेश जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी मेधा को पुनर्जीवन देना है। चरक सुश्रुत, गार्गी इत्यादि विद्वानों का आविर्भाव इसी धरा पर हुआ। हमें नयी पीढ़ी को इनके बारे में बताना चाहिये। प्रो. सिंह ने कहा कि समतायुक्त, विषमतामुक्त, समरसता युक्त तंत्र का विकास शिक्षानीति का मूल मंत्र है। कहा कि संस्कृत पढ़ना कठिन है, पढ़ लिये तो समझना कठिन है। समझ लिये तो समझाना कठिन है। लेकिन संस्कृत में सभी क्षेत्र विद्यमान है। जर्मनी के दीवार की तरह भाषा की दीवार भी टूट रही है। नई शिक्षा नीति किसी दल, सरकार की नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की है।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक प्रो. पी.के पाण्डेय, सह संयोजक डॉ. जी.के द्विवेदी, आयोजन सचिव डॉ.दिनेश सिंह, सहसचिव डॉ.यू.एन तिवारी एवं आयोजक मंडल डॉ.नीता मिश्रा, परविन्द कुमार वर्मा, राजमणि पाल इत्यादि ने प्रतिभाग किया।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

मुक्त विवि में प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर लगेंगे पीपल के पौधे

प्रयागराज। राजभवन लखनऊ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में एवं बाहर 71 पीपल के पौधे 17 सितंबर यानि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर आरोपित किए जाएंगे।

यह जानकारी मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने देते हुए बताया है कि 17 सितंबर को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 71 वर्ष के हो रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि पूरे प्रदेश में राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा उनके परिसरों में 7100 पीपल के वृक्ष लगाने हेतु आवाहन किया गया है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि, राजभवन के इस संकल्प को पूरा करने के लिए कृत संकल्पित है। पर्यावरण संरक्षण के इस पुनीत कार्य में नमामि गंगे एवं लायंस क्लब का भी सहयोग लिया जाएगा।

पायनियर

RNI NO. UPHIN/2010/36547
लखनऊ, शुक्रवार, 11 सितंबर, 2020

नई पीढ़ी को प्राचीन शिक्षा पद्धति के महत्व को जानना जरूरी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के शिक्षा विद्याशाखा की ओर से गुरूवार को नई शिक्षा नीति एवं समकालीन चुनौतियां विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन वेबकॉन आयोजित हुआ। वेबकॉन की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर कहा कि यह दौर चर्चा और चिंतन का है। समय के अनुरूप सभी क्षेत्रों में बदलाव होता है। इसी के अनुरूप शिक्षा नीति भी बदलती है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने प्राचीन शिक्षा पद्धति की महत्ता को प्रतिपादित करते हुए कहा कि दुनिया के लोग शिक्षा प्राप्त करने भारत आते थे परन्तु अब इसके क्षरण के कारण भारत के लोग विदेश जा रहे हैं। कहा हमें अपनी मेधा को पुर्नजीवन देना है। चरक सुश्रुत गार्गी इत्यादि विद्वानों का आविर्भाव इसी धरा पर हुआ। नयी पीढ़ी को इनके बारे में बताना चाहिये। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि समतायुक्त विषमतामुक्त समरसतायुक्त तंत्र का विकास शिक्षानीति का मूल मंत्र है।

स्वतंत्र चेतना

www.swatantrachetnanews.com

प्रयागराज,शुक्रवार 11 सितम्बर 2020

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर लगेंगे पीपल के पौधे

प्रयागराज। राजभवन लखनऊ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के यमुना परिसर के अंदर एवं बाहर 71 पीपल के पौधे आगामी 17 सितंबर 2020 को आरोपित किए जाएंगे। ज्ञातव्य है कि 17 सितंबर 2020 को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 71 वर्ष के हो रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि पूरे प्रदेश में राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा उनके परिसरों में 7100 पीपल के वृक्ष लगाने हेतु आवाहन किया गया है।

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश राजर्शि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, राजभवन के इस संकल्प को पूरा करने के लिए कृत संकल्पित है। पर्यावरण संरक्षण के इस यज्ञ में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विष्वविद्यालय द्वारा चयनित ग्राम बारी में 10 पीपल के वृक्ष लगाए जाएंगे। पर्यावरण संरक्षण के इस पुनीत कार्य में नमामि गंगे एवं लायंस क्लब का भी सहयोग लिया जाएगा।

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, शुक्रवार, 11 सितम्बर, 2020

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर मुविवि में लगेंगे पीपल के पौधे

प्रयागराज। राजभवन लखनऊ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के यमुना परिसर के अंदर एवं बाहर ७१ पीपल के पौधे आगामी १७ सितंबर २०२० को आरोपित किए जाएंगे। ज्ञातव्य है कि १७ सितंबर २०२० को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ७१ वर्ष के हो रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि पूरे प्रदेश में राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा उनके परिसरों में ७१०० पीपल के वृक्ष लगाने हेतु आवाहन किया गया है। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, राजभवन के इस संकल्प को पूरा करने के लिए कृत संकल्पित है। पर्यावरण संरक्षण के इस यज्ञ में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा चयनित ग्राम बारी में १० पीपल के वृक्ष लगाए जाएंगे। पर्यावरण संरक्षण के इस पुनीत कार्य में नमामि गंगे एवं लायंस क्लब का भी सहयोग लिया जाएगा।

दैनिक जागरण

मुविवि में 30 तक होगा प्रवेश

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में जुलाई सत्र 2020 के लिए सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ा कर 30 सितंबर कर दी गई है। प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि इच्छुक विद्यार्थी प्रवेश ले सकते हैं।

दैनिक जागरण

रोपे जाएंगे 71 पौधे

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के यमुना परिसर के भीतर व बाहर 71 पीपल के पौधे रोपे जाएंगे। यह आयोजन 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मतिथि पर होगा। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि राजभवन की ओर से लिए गए इस संकल्प को मुविवि पूरा करेगा। इस कार्य में नमामि गंगे और लायंस क्लब का भी सहयोग लिया जाएगा।

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, शुक्रवार, 11 सितम्बर, 2020

मुविवि में हुआ नई शिक्षा नीति एवं समकालीन चुनौतियां पर वेबकॉन

नई पीढ़ी को प्राचीन शिक्षा पद्धति के महत्व को बताया जाये:प्रो. सिंह

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के शिक्षा विद्याशाखा की ओर से गुरूवार को 'नई शिक्षा नीति एवं समकालीन चुनौतियां' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन वेबकॉन का आयोजन किया गया। आयोजन की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० पर अपने अध्यक्षीय उदबोधन देते हुये कहा यह दौर चर्चा और चिंतन का है समय के अनुरूप सभी क्षेत्रों में बदलाव होता रहता है। इसी के अनुरूप शिक्षानीति भी बदलती है।

उन्होंने प्राचीन शिक्षा पद्धति की महत्ता को प्रतिपादित करते हुये बताया कि दुनिया के लोग शिक्षा प्राप्त करने भारत आते थे, परन्तु अब इसके क्षरण के कारण भारत के लोग विदेश जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी मेधा को पुर्नजीवन देना है। चरक सुश्रुत, गार्गी इत्यादि विद्वानों का आविर्भाव इसी धरा पर हुआ। हमें नयी पीढ़ी को इनके बारे में बताना चाहिये। प्रो. सिंह ने कहा कि समतायुक्त, विषमतामुक्त, समरसतायुक्त तंत्र का विकास शिक्षानीति का मूल मंत्र है। भाषा पर जो उहापोह की स्थिति बनी हुई है उस पर विचार व्यक्त करते हुये कहा कि संस्कृत पढना कठिन है, पढ़ लिये तो समझना कठिन है समझ लिये तो समझाना कठिन है लेकिन संस्कृत में सभी क्षेत्र विद्यमान है। जर्मनी के दीवार की तरह भाषा की दीवार भी टूट रही है। नई शिक्षा नीति किसी दल, सरकार की नहीं है बल्कि पूरे राष्ट्र की है।

आयोजन में मुख्य वक्ता प्रो. एस. पी. गुप्ता, पूर्व निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि कोविड-१९ ने पूरे विश्व की दशा एवं दिशा को बदल दिया है इसमें शिक्षा का क्षेत्र भी अछूता नहीं रहा है। जो कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित है और एक चुनौती के रूप में विद्यमान है। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक प्रो. पी.के. पाण्डेय, सहसंयोजक डा. जी.के. द्विवेदी, आयोजन सचिव डा. दिनेश सिंह, सहसचिव डा. यू.एन. तिवारी एवं आयोजक मंडल डा.नीता मिश्रा, परविन्द कुमार वर्मा, राजमणि पाल इत्यादि ने प्रतिभाग किया।

दैनिक जागरण

प्राचीन शिक्षा पद्धति का महत्व बताना होगा

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्याशाखा की ओर से गुरुवार को नई शिक्षा नीति एवं समकालीन चुनौतियां विषय पर वेबकॉन का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि यह दौर चर्चा और चिंतन का है। प्राचीन शिक्षा पद्धति के महत्व को नई पीढ़ी को जरूर जानना चाहिए। यहां पूरी दुनिया के लोग शिक्षा प्राप्त करने आते थे, परंतु अब इसके विपरीत हो रहा है। इस मौके पर प्रो. एसपी गुप्ता, प्रो. पीके पांडेय, डॉ. जीके द्विवेदी, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. यूएन तिवारी, डॉ. नीता मिश्रा आदि ने विचार रखे।

अमृत प्रभात

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सूर्योदय : 05:50 बजे
सूर्यास्त : 06:16 बजे

वर्ष : 42 | अंक : 270 | प्रयागराज, शुक्रवार 11 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपये

नई पीढ़ी को प्राचीन शिक्षा पद्धति के महत्व को बताया जाये : प्रो. सिंह

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय वेब शिक्षा विद्याशाखा की ओर से गुरूवार को नई शिक्षा नीति एवं समकालीन चुनौतियां विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन वेबकॉन का आयोजन किया गया। आयोजन की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर अपने अध्यक्षीय उदबोधन देते हुये कहा यह दौर चर्चा और चिंतन का है समय के अनुरूप सभी क्षेत्रों में बदलाव होता रहता हैं। इसी के अनुरूप शिक्षानीति भी बदलती हैं। उन्होंने प्राचीन शिक्षा पद्धति की महत्ता को प्रतिपादित करते हुये बताया कि दुनिया के लोग शिक्षा प्राप्त करने भारत आते थे, परन्तु अब इसके क्षरण के कारण भारत के लोग विदेश जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमें अपनी मेधा को पुर्नजीवन देना है। चरक सुश्रुत, गार्गी इत्यादि विद्वानों का आविर्भाव इसी धरा पर हुआ। हमें नयी पीढ़ी को इनके बारे में बताना चाहिये। आयोजन में मुख्य वक्ता प्रो0 एस0पी0 गुप्ता, पूर्व निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि कोविड-19 ने पूरे विश्व की दशा एवं दिशा को बदल दिया है इसमें शिक्षा का क्षेत्र भी अछूता नहीं रहा है। जो कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित है और एक चुनौती के रूप में विद्यमान है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 इन सभी चुनौतियों से निपटने के लिए दृढ़संकल्पित है। कार्यक्रम संयोजक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, सहसंयोजक डॉ0 जी0के0 द्विवेदी, आयोजन सचिव डॉ0 दिनेश सिंह, सहसचिव डॉ0 यू0एन0 तिवारी एवं आयोजक मंडल डॉ0 नीता मिश्रा, परविन्द कुमार वर्मा, राजमणि पाल इत्यादि ने प्रतिभाग किया।

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
वर्ष : 26 | अंक : 313
प्रतापगढ़ | शुक्रवार , 11 सितम्बर-2020
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

नई पीढ़ी को प्राचीन शिक्षा पद्धति के महत्व को बताया जाये-प्रो0 सिंह

लोकमित्र ब्युरो

प्रयागराज-उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के शिक्षा विद्याशाखा की ओर से गुरूवार को ''नई शिक्षा नीति एवं समकालीन चुनौतियां'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन वेबकॉन का आयोजन किया गया। आयोजन की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर अपने अध्यक्षीय उदबोधन देते हुये कहा यह दौर चर्चा और चिंतन का है समय के अनुरूप सभी क्षेत्रों में बदलाव होता रहता है। इसी के अनुरूप शिक्षानीति भी बदलती है।

उन्होंने प्राचीन शिक्षा पद्धति की महत्ता को प्रतिपादित करते हुये बताया कि दुनिया के लोग शिक्षा प्राप्त करने भारत आते थे, परन्तु अब इसके क्षरण के कारण भारत के लोग विदेश जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी मेधा को पुर्नजीवन देना है। चरक सुश्रुत, गार्गी इत्यादि विद्वानों का आविर्भाव इसी धरा पर हुआ। हमें नयी पीढ़ी को इनके बारे में बताना चाहिये। प्रो0 सिंह ने कहा कि समतायुक्त, विषमतामुक्त, समरसतायुक्त तंत्र का विकास शिक्षानीति का मूल मंत्र है। भाषा पर जो ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है उस पर विचार व्यक्त करते हुये कहा कि संस्कृत पढना कठिन है, पढ़ लिये तो समझना कठिन है समझ लिये तो समझाना कठिन है लेकिन संस्कृत में सभी क्षेत्र विद्यमान है। जर्मनी के दीवार की तरह भाषा की दीवार भी टूट रही है। नई शिक्षा नीति किसी दल, सरकार की नहीं है बल्कि पूरे राष्ट्र की है।

आयोजन में मुख्य वक्ता प्रो0 एस0पी0 गुप्ता, पूर्व निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि कोविड-19 ने पूरे विश्व की दशा एवं दिशा को बदल दिया है इसमें शिक्षा का क्षेत्र भी अछूता नहीं रहा है। जो कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित है और एक चुनौती के रूप में विद्यमान है। उन्होंने सामाजिक एवं आर्थिक संकट, पर्यावरण तथा प्रौद्योगिकी विकास की चुनौती तथा शैक्षिक चुनौतियों के बारे में सचेत किया। प्रो0 गुप्ता ने कहा कि आज शिक्षक-प्रशिक्षण में भी गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण नहीं हो पा रहा है जिसके कारण शिक्षा जगत में समस्यायें बढ़ती जा रहीं है। इसके समाधान की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 इन सभी चुनौतियों से निपटने के लिए दृढ़संकल्पित है। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, सहसंयोजक डॉ0 जी0के0 द्विवेदी, आयोजन सचिव डॉ0 दिनेश सिंह, सहसचिव डॉ0 यू0एन0 तिवारी एवं आयोजक मंडल डॉ0 नीता मिश्रा, परविन्द कुमार वर्मा, राजमणि पाल इत्यादि ने प्रतिभाग किया।

3 राजधानी 40 जोड़ी विशेष ट्रेनें कल से चलेंगी
6 अभिमत तिब्बत मुक्ति अभियान की जरूरत
10 स्पोर्ट्स सेरेना और मेदवेदेव सेमीफाइनल में
11 विदेश कोविड-19 से गरीबी और संघर्ष बढ़ने की आशंका
RNI NO. UPHIN/2010/36547
पायनियर
www.dailypioneer.com

नई पीढ़ी को प्राचीन शिक्षा पद्धति के महत्व को जानना जरूरी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के शिक्षा विद्याशाखा की ओर से गुरूवार को नई शिक्षा नीति एवं समकालीन चुनौतियां विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन वेबकॉन आयोजित हुआ। वेबकॉन की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर कहा कि यह दौर चर्चा और चिंतन का है। समय के अनुरूप सभी क्षेत्रों में बदलाव होता है। इसी के अनुरूप शिक्षा नीति भी बदलती है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने प्राचीन शिक्षा पद्धति की महत्ता को प्रतिपादित करते हुए कहा कि दुनिया के लोग शिक्षा प्राप्त करने भारत आते थे परन्तु अब इसके क्षरण के कारण भारत के लोग विदेश जा रहे हैं। कहा हमें अपनी मेधा को पुर्नजीवन देना है। चरक सुश्रुत गार्गी इत्यादि विद्वानों का आविर्भाव इसी धरा पर हुआ। नयी पीढ़ी को इनके बारे में बताना चाहिये। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि समतायुक्त विषमतामुक्त समरसतायुक्त तंत्र का विकास शिक्षानीति का मूल मंत्र है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर लगाये जायेंगे पीपल के पौधे

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर पीपल के पौधे लगाए जाएंगे। पीआरओ डॉक्टर प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि राजभवन लखनऊ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के यमुना परिसर के अंदर एवं बाहर 71 पीपल के पौधे 17 सितंबर को रोपित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 71 वर्ष के हो रहे हैं। इस उपलक्ष्य में पौधे लगाए जाएंगे। बताया कि पूरे प्रदेश में राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा उनके परिसरों में 7100 पीपल के वृक्ष लगाने के लिए आवहन किया गया है।

दैनिक मेरठ दर्पण
.....आईना सच का
राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र
संपादक अंकित गुप्ता
RNI Reg.no- UPHIN/2016/69845
E-mail:mrtdarpan@gmail.com
9897419837
ब्रेकिंग न्यूज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की प्रवेश तिथि एक बार फिर बढी

मेरठ दर्पण- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रवेश तिथि बढात हुए 25 सितम्बर कर दी ।

मेरठ क्षेत्रीय समन्वयक डा0 पूनम गर्ग ने प्रवेश सम्बन्धी जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन प्रयागराज की प्रवेश तिथि एक बार फिर बढा दी गयी है अब छात्र-छात्राए 25 सितम्बर तकर प्रवेश फार्म ऑनलाइन भर सकते हैं इसी के साथ एमबीए और एमसीए के प्रवेश परीक्षा हेतु रजिस्ट्रेशन भी 15 सितम्बर तक किये जा सके है। डा0 पूनम गर्ग ने कहा कि इस वैश्विक महामारी के दौर मे दूरस्थ शिक्षा एक बहुत ही अच्छा विकल्प हैं जिसमें शिक्षा सबसे सुरक्षित तरीके से प्राप्त की जा सकती हैं, छात्र एवं छात्राए घर पर रहकर ही किसी भी विषय में प्रवेश ले सकते हैं, और छात्र-छात्राए घर ही सुरक्षित रहकर अध्ययन भी कर सकते है, इच्छुक छात्र-छात्राए विश्वविद्यालय की निर्धारित साईट पर ऑनलाइन फार्म भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि छात्र छात्राओं को प्रवेश फार्म भरने में किसी भी परेशानी के लिए क्षेत्रीय कार्यालय के दूरभाष पर अथवा व्यक्तिगत पहुँचकर समस्या का समाधान कराया जा सकता हैं।

+91-9897419837 meerutdarpan.com
meerutdarpannews mrtdarpan@gmail.com
Meerut Darpan

राजर्षि टंडन मुक्त विश्विद्यालय में प्रवेश 25 तक: राजीव गुप्ता

बड़ौत (सच कहूँ न्यूज)। मां अंबा बालिका डिग्री कालिज ग्वालीखेडा बागपत के प्राचार्य डा. राजीव गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की प्रवेश तिथि एक बार फिर बढा दी गयी है। अब छात्र-

छात्राए 25 सितम्बर तकर प्रवेश फार्म भर सकते है। डा. राजीव गुप्ता ने बताया कि मां अम्बा बालिका डिग्री कालिज ग्वालीखेडा बागपत में एमए योग, गृहविज्ञान, एमएससी बायोकैमेस्ट्री, फूड एंड न्यूट्रीशन , बीए बीएससी पाठ्यक्रम के साथ अनेक रोजगार परक पाठ्यक्रम डिप्लोमे ओर प्रमाणपत्र उपलब्ध है . उन्होंने बताया कि प्रवेश फार्म भरने में यदि किसी को कोई समस्या आती है तो उसके लिए छात्रों छात्राओं के समाधान के लिए अध्ययन केन्द्र पर परामर्शदाता समाधान करने हेतु उपलब्ध रहते हैं।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की प्रवेश तिथि एक बार फिर बढी

मेरठ संवाददाता

देश में अभी भी कोरोना जनित आम जनमानस की परेशानियों को दृष्टिगत रखते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रवेश तिथि बढात हुए 25 सितम्बर कर दी ।

मेरठ क्षेत्रीय समन्वयक डा० पूनम गर्ग ने प्रवेश सम्बन्धी जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन प्रयागराज की प्रवेश तिथि एक बार फिर बढा दी गयी है अब छात्र-छात्राए 25 सितम्बर तकर प्रवेश फार्म ऑनलाईन भर सकते हैं इसी के साथ एमबीए और एमसीए के प्रवेश परीक्षा हेतु रजिस्ट्रेशन भी 15 सितम्बर तक किये जा सके है। डा० पूनम गर्ग ने कहा कि इस वैश्विक महामारी के दौर मे दूरस्थ शिक्षा एक बहुत ही अच्छा विकल्प हैं जिसमें शिक्षा सबसे सुरक्षित तरीके से प्राप्त की जा सकती हैं, छात्र एवं छात्राए घर पर रहकर ही किसी भी विषय में प्रवेश ले सकते हैं, और छात्र-छात्राए घर ही सुरक्षित रहकर अध्ययन भी कर सकते है, इच्छुक छात्र-छात्राए विश्वविद्यालय की निर्धारित साईट पर ऑनलाईन फार्म भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि छात्र छात्राओं को प्रवेश फार्म भरने में किसी भी परेशानी के लिए क्षेत्रीय कार्यालय के दूरभाष पर अथवा व्यक्तिगत पहुँचकर समस्या का समाधान कराया जा सकता हैं।

महामारी के चलते विश्वविद्यालय के कुलपति ने बढ़ाई प्रवेश तिथि

बागपत। वैश्विक महामारी के चलते अभिभावकों एवं छात्र छात्राओं ओर की परेशानियों को दृष्टिगत रखते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रवेश तिथि बढात हुए 25 सितम्बर कर दी ।

मां अंबा बालिका डिग्री कालिज ग्वालीखेडा बागपत के प्राचार्य डा. राजीव गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की प्रवेश तिथि एक बार फिर बढा दी गयी है। अब छात्र-छात्राएं 25 सितम्बर तकर प्रवेश फार्म भर सकते है। डा. राजीव गुप्ता ने बताया कि मां अम्बा बालिका डिग्री कालिज ग्वालीखेडा बागपत में एमए योग, गृहविज्ञान, एमएससी बायोकैमेस्ट्री, फूड एंड न्यूट्रीशन, बीए बीएससी पाठयक्रम के साथ अनेक रोजगार परक पाठ्यक्रम डिप्लोमे ओर प्रमाणपत्र उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि प्रवेश फार्म भरने में यदि किसी को कोई समस्या आती है तो उसके लिए छात्र-छात्राओं के समाधान के लिए अध्ययन केन्द्र पर परामर्शदाता समाधान करने हेतु उपलब्ध रहते हैं। डा.डा. राजीव गुप्ता ने कहा कि इस वैश्विक महामारी के दौर मे दूरस्थ शिक्षा सबसे अच्छा विकल्प हैं जोकि समय की मांग भी है इसलिए सभी छात्र छात्राओं को इसका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने विश्विविद्यालय के कुलपति को भी तिथि बढ़ाने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति छात्र छात्राओं के हित मे निर्णय लिया है जिससे अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं इसका लाभ ले सके।

स्वदेश

झांसी - मुख्य संस्करण

14 Sep 2020

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की प्रवेश तिथि बढ़ी

झांसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय समन्वयक झांसी डॉ रेखा त्रिपाठी ने बताया कि कोविड-19 महामारी के कारण हुए लॉकडाउन को दृष्टिगत रखते हुए माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार सत्र जुलाई 2020 के प्रवेश हेतु प्रवेश तिथि 25 सितंबर 2020 तक विस्तारित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इस वैश्विक महामारी के दौर में दूरस्थ शिक्षा सबसे अच्छा विकल्प है जो कि समय की मांग है। विश्वविद्यालय में अनेक प्रकार के रोजगार परक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर इसका लाभ उठा सकते हैं।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्व विद्यालय प्रयागराज की प्रवेश तिथि बढ़ी

(जनप्रिय संवाददाता)

झांसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय समन्वयक झांसी डॉ रेखा त्रिपाठी ने बताया कि कोविड-19 महामारी के कारण हुए लॉकडाउन को दृष्टिगत रखते हुए माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार सत्र जुलाई 2020 के प्रवेश हेतु प्रवेश तिथि 25 सितंबर 2020 तक विस्तारित कर दी गई है प्रवेश हेतु इच्छुक छात्र एवं छात्राएं सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www-uprtou-ac-in पर जाकर पंजीकरण करते हुए प्रवेश ले सकते हैं। डॉक्टर त्रिपाठी ने बताया कि इस वैश्विक महामारी के दौर में दूरस्थ शिक्षा सबसे अच्छा विकल्प है जो कि समय की मांग है विश्वविद्यालय में अनेक प्रकार के रोजगार परक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर इसका लाभ उठा सकते हैं।

झाँसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय समन्वयक झांसी डॉ रेखा त्रिपाठी ने बताया कि कोविड-19 महामारी के कारण हुए लॉकडाउन को दृष्टिगत रखते हुए कुलपति के आदेशानुसार सत्र जुलाई 2020 के प्रवेश हेतु प्रवेश तिथि 25 सितंबर 2020 तक विस्तारित कर दी गई है प्रवेश हेतु इच्छुक छात्र एवं छात्राएं सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट 222.uprtou.ac.in पर जाकर पंजीकरण करते हुए प्रवेश ले सकते हैं। डॉक्टर त्रिपाठी ने बताया कि इस वैश्विक महामारी के दौर में दूरस्थ शिक्षा सबसे अच्छा विकल्प है जो कि समय की मांग है विश्वविद्यालय में अनेक प्रकार के रोजगार परक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर इसका लाभ उठा सकते हैं।

lucknow.amarujala.com

मंगलवार • 15.09.2020

my city अमर उजाला 5

मुक्त विवि में प्रवेश के लिए आवेदन 25 तक करें

लखनऊ। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने जुलाई सत्र में प्रवेश की तिथि को बढ़ाते हुए 25 सितंबर कर दिया है। इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। साथ ही एमबीए एवं एमसीए कोर्स की प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 सितंबर तक कर सकते हैं।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

15 सितम्बर, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा ''नई शिक्षा नीति के आलोक में उच्च शिक्षा में समकालीन शैक्षिक मुद्दे एवं दूरस्थ शिक्षा की भूमिका'' विषय पर ई–संगोष्ठी आयोजित

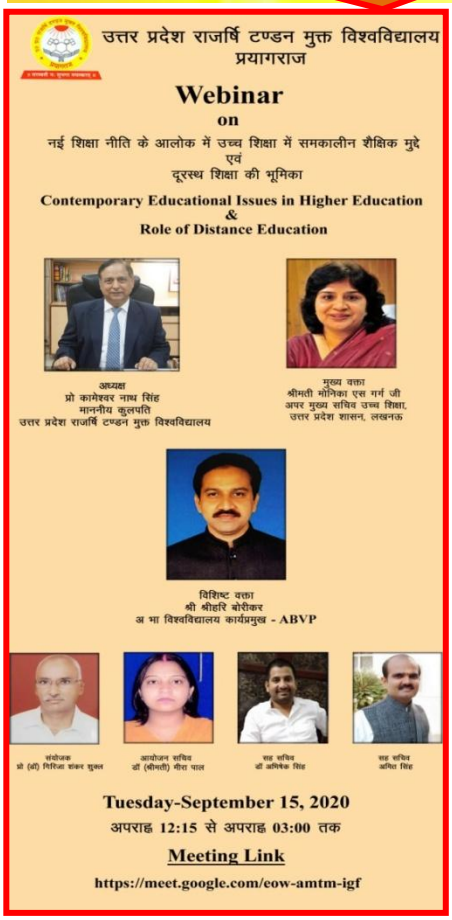

ई–संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

माननीय अतिथिगण

ई–संगोष्ठी

दिनांक 15 सितम्बर, 2020 को अपराह्न 12:30 बजे उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में **"नई शिक्षा नीति के आलोक में उच्च शिक्षा में समकालीन शैक्षिक मुद्दे एवं दूरस्थ शिक्षा की भूमिका ;Contemporary Educational Issues in Higher Education & Role of Distance Education)"** विषय पर ई–संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता श्रीमती मोनिका एस. गर्ग जी, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ रही। वेबीनार के विशिष्ट अतिथि श्रीहरि बोरीकर जी, अखिल भारतीय विश्वविद्यालय कार्य प्रमुख– ABVP रहें तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में स्वागत एवं अतिथि परिचय तथा विषय प्रवर्तन कार्यक्रम के संयोजक प्रो0 जी.एस. शुक्ल ने किया। संचालन आयोजन सचिव डॉ0 (श्रीमती) मीरा पाल तथा धन्यवाद ज्ञापित कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक, अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयक, कार्यक्रम के सह–संयोजक डॉ0 अभिषेक सिंह एवं डॉ0 अमित सिंह तथा परामर्शदाताओं के साथ देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों आदि प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। राष्ट्रगान के उपरान्त कार्यक्रम का समापन हुआ।

ई–संगोष्ठी का संचालन करती हुई आयोजन सचिव डॉ0 (श्रीमती) मीरा पाल

स्वागत एवं अतिथि परिचय तथा विषय प्रवर्तन करते हुए कार्यक्रम के संयोजक ई–संगोष्ठी के संयोजक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल ने कहा कि नई शिक्षा नीति पर अब चर्चा का समय नहीं बल्कि क्रियान्वयन करने का समय है और यही इस संगोष्ठी का सार है।

माननीय अतिथिगण

मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता का उद्बोधन

श्रीमती मोनिका एस गर्ग जी

नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए सरकार सचेत– मोनिका गर्ग

21वीं शताब्दी की अपेक्षा एवं आकांक्षा के अनुरूप नई शिक्षा नीति को क्रियान्वित करने हेतु प्रदेश की सरकार अनवरत सचेत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को कार्यरूप देने के लिये स्टेयरिंग कमेटी की बैठकें हो रही हैं। उ0प्र0 के एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी नई शिक्षा नीति द्वारा निर्धारित 2030 तक 50 प्रतिशत नामांकन अनुपात को प्राप्त करने के लिये बड़ी भूमिका है। उक्त वक्तव्य श्रीमती मोनिका गर्ग, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में दिनांक 15 सितम्बर, 2020 को स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल के आयोजकत्व में ''उच्च शिक्षा में समकालीन शैक्षिक मुद्दे एवं दूरस्थ शिक्षा की भूमिका'' पर आयोजित ई–संगोष्ठी में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के आलोक में अपने पाठ्यक्रम में परिस्कार एवं परिमार्जन करें।

श्रीमती गर्ग ने कहा कि कोविड–19 महामारी के इस आपात काल में लोगों को उच्च शिक्षा की ओर आकर्षित करने की क्षमता केवल दूरस्थ शिक्षा में है। दूरस्थ शिक्षा की भूमिका आज के समय में बहुत अधिक बढ़ गयी है। दूरस्थ माध्यम से ऑनलाईन शिक्षा प्रदान करके उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय समाज में अपनी प्रभावी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को चाहिये कि वह वोकेशनल कोर्सेज चलाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को शिक्षा प्रदान करे। साथ ही महिलाओं के लिये भी कैरियर ओरियेन्ड कार्यक्रम चलाये जाएं। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पहले भी प्रभावी थी और भविष्य में भी प्रभावी रहेगी। उन्होंने दूरस्थ शिक्षा की महत्ता का एक उदाहरण देते हुये बताया कि आई0ए0एस0 में आने के बाद उन्होंने दूरस्थ शिक्षा माध्यम से एम0बी0ए0 का कोर्स किया। दूरस्थ शिक्षा माध्यम की किताबे इतनी अच्छी किताबें होती हैं कि उन्होंने अभी तक वह किताबे संभाल कर रखी हैं।

विशिष्ट अतिथि का उद्‌बोधन

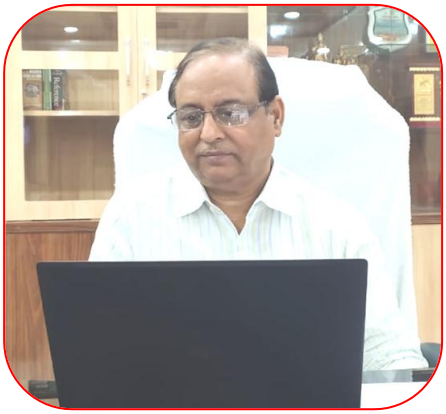

श्री श्रीहरि बोरीकर जी

शिक्षा के समग्र विकास के लिए समर्पित है, नई शिक्षा नीति– श्रीहरि बोरीकर

विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के देश के सभी विश्वविद्यालयों के राष्ट्रीय प्रमुख श्री श्रीहरि बोरिकर ने कहा कि यह देश की पहली शिक्षा नीति है जो के0जी0 से पी0जी0 तक समग्रता में किये गये विचार मंथन पर आधारित है। शिक्षा में राष्ट्रीय सोच एवं छात्रों में समाजहित एवं राष्ट्रहित का भाव तथा देश की समावेशी संस्कृति के प्रति समर्पण का भाव समय की आवश्यकता है। श्री बोरिकर ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ही उच्च शिक्षा को सर्वसुलभ एवं सर्वाभिगम्य बनाने में सक्षम एवं समर्थ है। कोविड–19 के चलते ऑनलाईन की शिक्षा के बढ़ते महत्व ने मुक्त विश्वविद्यालयों की जिम्मेदारी को और बढ़ा दिया है।

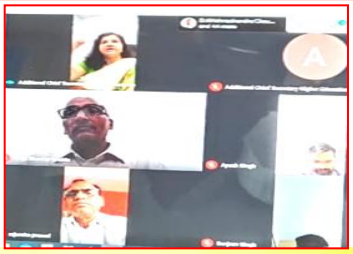

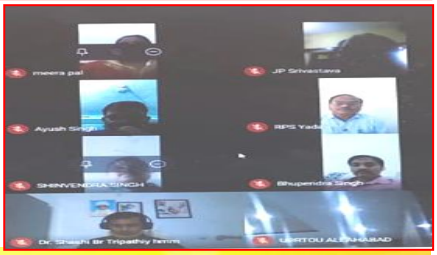

अध्यक्षीय उद्बोधन

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

मुविवि तैयार करा रहा है पाठ्यक्रम का ब्लू प्रिन्ट–कुलपति

अध्यक्षीय उदबोधन देते हुये मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति की मंशा के अनुरूप मुख्य विषय, सहायक विषय एवं अनिवार्य विषय को तय करने के लिये विभिन्न स्तर पर ई–संगोष्ठी आयोजित कर रहा है, फलस्वरूप बहुत ही बहुमूल्य सुझाव एवं संस्तुतियां प्राप्त हुई है, ई–संगोष्ठी से प्राप्त सुझाव एवं संस्तुतियों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम में समाहित करने के लिये जल्दी ही बोर्ड आफ स्टडीज, विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद की बैठक बुलाकर गहन संविमर्श किया जायेगा। प्रो0 सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठयक्रम का ब्लू प्रिन्ट राज्य सरकार के पास एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय को प्रेषित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि सारी औपचरिकतायें पूर्ण होने के बाद उसे क्रियान्वित किया जायेगा।

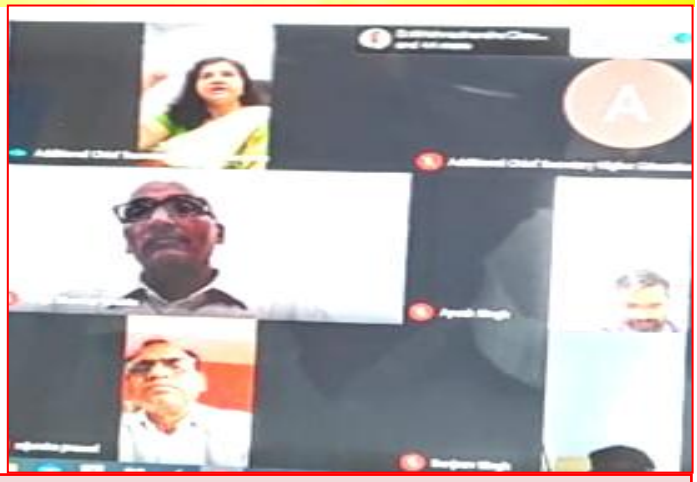

संगोष्ठी के सारांश की प्रस्तुति करते हुये ई–संगोष्ठी से जुड़े सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कुलसचिव, डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता

संगोष्ठी में प्रतिभाग करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

प्रयागराज, बुधवार, 16 सितंबर, 2020

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

सोनभद्र में वज्रपात से तीन किसानों की मौत

अंदर- संपूर्ण समाधान दिवस पर डीएम ने सुनी समस्याएं

नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए सरकार सचेत : मोनिका गर्ग

शिक्षा के समग्र विकास के लिए समर्पित नई शिक्षा नीतिः श्रीहरि बोरिकर

मुविवि तैयार करा रहा है पाठ्यक्रम का ब्लू प्रिन्ट : कुलपति

प्रयागराज। 21वीं शताब्दी की अपेक्षा एवं आकांक्षा के अनुरूप नई शिक्षा नीति को क्रियान्वित करने हेतु प्रदेश की सरकार अनवरत सचेत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को कार्यरूप देने के लिये स्टेयरिंग कमेटी की बैठकें हो रही हैं। उप्र के एकमात्र मुक्त विवि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विवि की जिम्मेदारी नई शिक्षा नीति द्वारा निर्धारित 2030 तक 50 प्रतिशत नामांकन अनुपात को प्राप्त करने के लिये बड़ी भूमिका है। उक्त विचार श्रीमती मोनिका गर्ग, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में मंगलवार को स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल के आयोजकत्व में ह्यहाउच्च शिक्षा में समकालीन शैक्षिक मुद्दे एवं दूरस्थ शिक्षा की भूमिकाह्व पर आयोजित ई-संगोष्ठी में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विवि नई शिक्षा नीति के आलोक में अपने पाठ्यक्रम में परिस्कार एवं परिमार्जन करे। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि कोविड-19 महामारी के इस आपात काल में लोगों को उच्च शिक्षा की ओर आकर्षित करने की क्षमता केवल दूरस्थ शिक्षा में है। दूरस्थ शिक्षा की भूमिका आज के समय में बहुत अधिक बढ़ गयी है। दूरस्थ माध्यम से ऑनलाईन शिक्षा प्रदान करके उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विवि समाज में अपनी प्रभावी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। मुक्त विश्वविद्यालय को चाहिये कि वह वोकेशनल कोर्सेज चलाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को शिक्षा प्रदान करे। साथ ही महिलाओं के लिये भी कैरियर ओरियेन्ड कार्यक्रम चलाये जाएं। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पहले भी प्रभावी थी और भविष्य में भी प्रभावी रहेगी।

अपर मुख्य सचिव मोनिका गर्ग

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के देश के सभी विश्वविद्यालयों के राष्ट्रीय प्रमुख श्रीहरि बोरिकर ने कहा कि यह देश की पहली शिक्षा नीति है जो केजी से पीजी तक समग्रता में किये गये विचार मंथन पर आधारित है। शिक्षा में राष्ट्रीय सोच एवं छात्रों में समाजहित एवं राष्ट्रहित का भाव तथा देश की समावेशी संस्कृति के प्रति समर्पण का भाव समय की आवश्यकता है। श्री बोरिकर ने कहा कि मुक्त विवि ही उच्च शिक्षा को सर्वसुलभ एवं सर्वाभिगम्य बनाने में सक्षम एवं समर्थ है। कोविड-19 के चलते ऑनलाईन की शिक्षा के बढ़ते महत्व ने मुक्त विश्वविद्यालयों की जिम्मेदारी को और बढ़ा दिया है।

मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति की मंशा के अनुरूप मुख्य विषय, सहायक विषय एवं अनिवार्य विषय को तय करने के लिये विभिन्न स्तर पर ई-संगोष्ठी आयोजित कर रहा है। फलस्वरूप बहुत ही बहुमूल्य सुझाव एवं संस्तुतियां प्राप्त हुई है। ई-संगोष्ठी से प्राप्त सुझाव एवं संस्तुतियों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम में समाहित करने के लिये जल्दी ही बोर्ड आफ स्टडीज, विद्या परिषद एवं कार्यपरिषद की बैठक बुलाकर गहन संविमर्श किया जायेगा। प्रो. सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठयक्रम का ब्लू प्रिन्ट राज्य सरकार के पास एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय को प्रेषित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि सारी औपचरिकतायें पूर्ण होने के बाद उसे क्रियान्वित किया जायेगा। विषय प्रवर्तन करते हुये ई-संगोष्ठी के संयोजक व स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने कहा कि नई शिक्षा नीति पर अब चर्चा का समय नहीं बल्कि क्रियान्वयन करने का समय है और यही इस संगोष्ठी का सार है। संगोष्ठी का संचालन डॉ. मीरा पाल ने किया। कुलसचिव डॉ. अरूण कुमार गुप्ता ने संगोष्ठी के सारांश की प्रस्तुति करते हुये ई-संगोष्ठी से जुड़े सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

सत्य का आधार ...

वर्ष : 11 अंक : 168, प्रयागराज, बुधवार 16 सितम्बर 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

इलाहाबाद एक्सप्रेस | प्रयागराज

नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए सरकार सचेतः मोनिका गर्ग

शिक्षा के समग्र विकास के लिए समर्पित नई शिक्षा नीतिः श्रीहरि बोरिकर, मुविवि तैयार करा रहा है पाठ्यक्रम का ब्लू प्रिन्ट : कुलपति

प्रयागराज। 21वीं शताब्दी की अपेक्षा एवं आकांक्षा के अनुरूप नई शिक्षा नीति को क्रियान्वित करने हेतु प्रदेश की सरकार अनवरत सचेत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को कार्यरूप देने के लिये स्टेयरिंग कमेटी की बैठकें हो रही हैं। उप्र के एकमात्र मुक्त विवि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विवि की जिम्मेदारी नई शिक्षा नीति द्वारा निर्धारित 2030 तक 50 प्रतिशत नामांकन अनुपात को प्राप्त करने के लिये बड़ी भूमिका है।

उक्त विचार श्रीमती मोनिका गर्ग, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में मंगलवार को स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल के आयोजकत्व में ''उच्च शिक्षा में समकालीन शैक्षिक मुद्दे एवं दूरस्थ शिक्षा की भूमिका'' पर आयोजित ई-संगोष्ठी में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विवि नई शिक्षा नीति के आलोक में अपने पाठ्यक्रम में परिस्कार एवं परिमार्जन करे।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि कोविड-19 महामारी के इस आपात काल में लोगों को उच्च शिक्षा की ओर आकर्षित करने की क्षमता केवल दूरस्थ शिक्षा में है। दूरस्थ शिक्षा की भूमिका आज के समय में बहुत अधिक बढ़ गयी है। दूरस्थ माध्यम से ऑनलाईन शिक्षा प्रदान करके उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विवि समाज में अपनी प्रभावी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। मुक्त विश्वविद्यालय को चाहिये कि वह वोकेशनल कोर्सेज चलाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को शिक्षा प्रदान करे। साथ ही महिलाओं के लिये भी कैरियर ओरियेन्ड कार्यक्रम चलाये जाएं। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पहले भी प्रभावी थी और भविष्य में भी प्रभावी रहेगी।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के देश के सभी विश्वविद्यालयों के राष्ट्रीय प्रमुख श्रीहरि बोरिकर ने कहा कि यह देश की पहली शिक्षा नीति है जो केजी से पीजी तक समग्रता में किये गये विचार मंथन पर आधारित है। शिक्षा में राष्ट्रीय सोच एवं छात्रों में समाजहित एवं राष्ट्रहित का भाव तथा देश की समावेशी संस्कृति के प्रति समर्पण का भाव समय की आवश्यकता है। श्री बोरिकर ने कहा कि मुक्त विवि ही उच्च शिक्षा को सर्वसुलभ एवं सर्वाभिगम्य बनाने में सक्षम एवं समर्थ है। कोविड-19 के चलते ऑनलाईन की शिक्षा के बढ़ते महत्व ने मुक्त विश्वविद्यालयों की जिम्मेदारी को और बढ़ा दिया है।

मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति की मंशा के अनुरूप मुख्य विषय, सहायक विषय एवं अनिवार्य विषय को तय करने के लिये विभिन्न स्तर पर ई-संगोष्ठी आयोजित कर रहा है। फलस्वरूप बहुत ही बहुमूल्य सुझाव एवं संस्तुतियां प्राप्त हुई है। ई-संगोष्ठी से प्राप्त सुझाव एवं संस्तुतियों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम में समाहित करने के लिये जल्दी ही बोर्ड आफ स्टडीज, विद्या परिषद एवं कार्यपरिषद की बैठक बुलाकर गहन संविमर्श किया जायेगा। प्रो. सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठयक्रम का ब्लू प्रिन्ट राज्य सरकार के पास एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय को प्रेषित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि सारी औपचरिकतायें पूर्ण होने के बाद उसे क्रियान्वित किया जायेगा।

विषय प्रवर्तन करते हुये ई-संगोष्ठी के संयोजक व स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने कहा कि नई शिक्षा नीति पर अब चर्चा का समय नहीं बल्कि क्रियान्वयन करने का समय है और यही इस संगोष्ठी का सार है। संगोष्ठी का संचालन डॉ. मीरा पाल ने किया। कुलसचिव डॉ. अरूण कुमार गुप्ता ने संगोष्ठी के सारांश की प्रस्तुति करते हुये ई-संगोष्ठी से जुड़े सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दैनिक जागरण

पाठ्यक्रम का ब्लू प्रिंट तैयार करेगा मुविवि : कुलपति

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : 21वीं शताब्दी की अपेक्षा और आकांक्षा के अनुरूप नई शिक्षा नीति को क्रियान्वित करने के लिए प्रदेश सरकार सचेत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को कार्यरूप देने के लिये स्टेयरिंग कमेटी की बैठकें लगातार हो रही हैं। प्रदेश के एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी नई शिक्षा नीति द्वारा निर्धारित 2030 तक 50 प्रतिशत नामांकन अनुपात को प्राप्त करने के लिये बड़ी भूमिका है।

यह बातें उच्च शिक्षा विभाग की अपर मुख्य सचिव मोनिका गर्ग ने कही। वह मंगलवार को विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में उच्च शिक्षा में समकालीन शैक्षिक मुद्दे एवं दूरस्थ शिक्षा की भूमिका विषयक ई-संगोष्ठी में बोल रहीं थीं। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति की मंशा के अनुरूप मुख्य विषय, सहायक विषय एवं अनिवार्य विषय को तय करने के लिये विभिन्न स्तर पर ई-संगोष्ठी आयोजित कर संस्तुतियां प्राप्त हुई। ई-संगोष्ठी से प्राप्त सुझाव एवं संस्तुतियों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम में समाहित करने के लिये जल्दी ही बोर्ड आफ स्टडीज, विद्या परिषद एवं कार्यपरिषद की बैठक बुलाकर गहन विमर्श किया जायेगा। प्रो. सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम का ब्लू प्रिन्ट राज्य सरकार के पास एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय को भेजा जायेगा। बताया कि सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उसे क्रियान्वित किया जायेगा।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के देश के सभी विश्वविद्यालयों के राष्ट्रीय प्रमुख श्रीहरि बोरिकर ने कहा कि यह देश की पहली शिक्षा नीति है जो केजी से पीजी तक समग्रता में किये गये विचार मंथन पर आधारित है। संगोष्ठी के संयोजक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने कहा कि नई शिक्षा नीति पर अब चर्चा का समय नहीं बल्कि क्रियान्वयन करने का समय है और यही इस संगोष्ठी का सार है। संचालन डॉ. मीरा पाल ने किया। कुलसचिव डॉ. अरूण कुमार

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com
प्रयागराज महानगर
प्रयागराज, बुधवार 16 सितम्बर 2020

नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए सरकार सचेतः मोनिका गर्ग

प्रयागराज। 21वीं शताब्दी की अपेक्षा एवं आकांक्षा के अनुरूप नई शिक्षा नीति को क्रियान्वित करने हेतु प्रदेश की सरकार अनवरत सचेत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को कार्यरूप देने के लिये स्टेयरिंग कमेटी की बैठकें हो रही हैं। उप्र के एकमात्र मुक्त विवि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विवि की जिम्मेदारी नई शिक्षा नीति द्वारा निर्धारित 2030 तक 50 प्रतिशत नामांकन अनुपात को प्राप्त करने के लिये बड़ी भूमिका है।

उक्त विचार श्रीमती मोनिका गर्ग, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में मंगलवार को स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल के आयोजकत्व में ह्यउच्च शिक्षा में समकालीन शैक्षिक मुद्दे एवं दूरस्थ शिक्षा की भूमिकाह्णह्ण पर आयोजित ई-संगोष्ठी में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विवि नई शिक्षा नीति के आलोक में अपने पाठ्यक्रम में परिस्कार एवं परिमार्जन करे। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि कोविड-19 महामारी के इस आपात काल में लोगों को उच्च शिक्षा की ओर आकर्षित करने की क्षमता केवल दूरस्थ शिक्षा में है। दूरस्थ शिक्षा की भूमिका आज के समय में बहुत अधिक बढ़ गयी है। दूरस्थ माध्यम से ऑनलाईन शिक्षा प्रदान करके उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विवि समाज में अपनी प्रभावी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। मुक्त विश्वविद्यालय को चाहिये कि वह वोकेशनल कोर्सेज चलाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को शिक्षा प्रदान करे। साथ ही महिलाओं के लिये भी कैरियर ओरियेन्ड कार्यक्रम चलाये जाएं। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पहले भी प्रभावी थी और भविष्य में भी प्रभावी रहेगी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के देश के सभी विश्वविद्यालयों के राष्ट्रीय प्रमुख श्रीहरि बोरिकर ने कहा कि यह देश की पहली शिक्षा नीति है जो केजी से पीजी तक समग्रता में किये गये विचार मंथन पर आधारित है।

अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
सूर्योदय : 05:50 बजे
सूर्यास्त : 06:16 बजे
वर्ष : 42 | अंक : 275 | प्रयागराज, बुधवार 16 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपये

नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए सरकार सचेतः मोनिका गर्ग

प्रयागराज। 21वी शताब्दी की अपेक्षा एवं आकांक्षा के अनुरूप नई शिक्षा नीति को क्रियान्वित करने हेतु प्रदेश की सरकार अनवरत सचेत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को कार्यरूप देने के लिये स्टेयरिंग कमेटी की बैठकें हो रही है। उ0प्र0 के एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी नई शिक्षा नीति द्वारा निर्धारित 2030 तक 50 प्रतिशत नामांकन अनुपात को प्राप्त करने के लिये बड़ी भूमिका है। उक्त वक्तव्य श्रीमती मोनिका गर्ग, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में मंगलवार को स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल के आयोजकत्व में ''उच्च शिक्षा में समकालीन शैक्षिक मुद्दे एवं दूरस्थ शिक्षा की भूमिका'' पर आयोजित ई-संगोष्ठी में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के आलोक में अपने पाठ्यक्रम में परिस्कार एवं परिमार्जन करें। श्रीमती गर्ग ने कहा कि कोविड-19 महामारी के इस आपात काल में लोगों को उच्च शिक्षा की ओर आकर्षित करने की क्षमता केवल दूरस्थ शिक्षा में है। दूरस्थ शिक्षा की भूमिका आज के समय में बहुत अधिक बढ़ गयी है। दूरस्थ माध्यम से ऑनलाईन शिक्षा प्रदान करके उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय समाज में अपनी प्रभावी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को चाहिये कि वह वोकेशनल कोर्सेज चलाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को शिक्षा प्रदान करे। साथ ही महिलाओं के लिये भी कैरियर ओरियेन्ड कार्यक्रम चलाये जाएं। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पहले भी प्रभावी थी और भविष्य में भी प्रभावी रहेगी। उन्होंने दूरस्थ शिक्षा की महत्ता का एक उदाहरण देते हुये बताया कि आई0ए0एस0 में आने के बाद उन्होंने दूरस्थ शिक्षा माध्यम से एम0बी0ए0 का कोर्स किया। दूरस्थ शिक्षा माध्यम की किताबे इतनी अच्छी किताबें होती हैं कि उन्होंने अभी तक वह किताबे संभाल कर रखी है। इस अवसर पर अध्यक्षीय उदबोधन देते हुये मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति की मंशा के अनुरूप मुख्य विषय, सहायक विषय एवं अनिवार्य विषय को तय करने के लिये विभिन्न स्तर पर ई-संगोष्ठी आयोजित कर रहा है, फलस्वरूप बहुत ही बहुमूल्य सुझाव एवं संस्तुतियां प्राप्त हुई हैं, ई-संगोष्ठी से प्राप्त सुझाव एवं संस्तुतियों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम में समाहित करने के लिये जल्दी ही बोर्ड आफ स्टडीज, विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद की बैठक बुलाकर गहन संविमर्श किया जायेगा। प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल ने कहा कि नई शिक्षा नीति पर अब चर्चा का समय नहीं बल्कि क्रियान्वयन करने का समय है और यही इस संगोष्ठी का सार है। संगोष्ठी का संचालन डॉ0 मीरा पाल ने किया। कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता ने संगोष्ठी के सारांश को प्रस्तुति करते हुये ई-संगोष्ठी से जुड़े सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

एशिया को 60 साल में पहली बार लगेगा झटका पेज 13 | तीर्थ टीमों के हटने से वॉमस-उबेर कप स्थगित पेज 14

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

टीके की उम्मीद

पाठ्यक्रम का ब्लू प्रिंट तैयार करेगा मुक्त विवि

ई-संगोष्ठी

प्रयागराज | निज संवाददाता

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में मंगलवार को 'उच्च शिक्षा में समकालीन शैक्षिक मुद्दे एवं दूरस्थ शिक्षा की भूमिका' विषय पर ई-संगोष्ठी हुई। उच्च शिक्षा विभाग की अपर मुख्य सचिव मोनिका गर्ग ने कहा कि 21वीं शताब्दी की अपेक्षा एवं आकांक्षा के अनुरूप नई शिक्षा नीति क्रियान्वित करने के लिए प्रदेश सरकार सचेत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को कार्यरूप देने के लिये स्टेयरिंग कमेटी की बैठकें लगातार हो रही हैं। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी नई शिक्षा नीति में निर्धारित 2030 तक 50 प्रतिशत नामांकन अनुपात प्राप्त करने के लिए बड़ी भूमिका है।

कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति की मंशा के अनुरूप मुख्य विषय, सहायक विषय एवं अनिवार्य विषय तय करने के लिए विभिन्न स्तर पर ई-संगोष्ठी आयोजित कर रहा है। इससे बहुमूल्य सुझाव एवं संस्तुतियां प्राप्त हुईं। ई-संगोष्ठी से प्राप्त सुझाव एवं संस्तुतियों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम में समाहित करने के लिए जल्दी ही बोर्ड आफ स्टडीज, विद्या परिषद एवं कार्यपरिषद की बैठक बुलाकर गहन सँविमर्श किया जाएगा। प्रो. सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठयक्रम का ब्लू प्रिंट राज्य सरकार के पास एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय को भेजा जाएगा।

तैयारी

- नई शिक्षा नीति विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन
- नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए सरकार सचेत : मोनिका गर्ग

विद्या शाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने कहा कि नई शिक्षा नीति पर अब चर्चा का समय नहीं बल्कि क्रियान्वयन करने का समय है और यही इस संगोष्ठी का सार है। संचालन डॉ. मीरा पाल ने किया। कुलसचिव डॉ. अरूण कुमार गुप्ता ने आभार व्यक्त किया।

महानगर
वर्ष 24 : अंक 92 : पृष्ठ : 16
मूल्य : छह रुपये

अमर उजाला

प्रयागराज
बुधवार, 16 सितंबर 2020

amarujala.com

राहत

पाकिस्तानी संसद ने जाधव पर अध्यादेश अवधि 4 माह बढ़ाई...12

उत्तर प्रदेश

अमर उजाला प्रयागराज युवा Youth
amarujala.com
प्रयागराज | बुधवार, 16 सितंबर 2020

मुक्त विवि में तैयार हो रहा नई शिक्षा नीति का ब्ल्यू प्रिंट

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने नई शिक्षा नीति पर काम शुरू कर दिया है और इसी आधार पर पाठ्यक्रमों का ब्ल्यू प्रिंट तैयार कराया जा रहा है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने सोमवार को 'उच्च शिक्षा में समकालीन शैक्षिक मुद्दे एवं दूरस्थ शिक्षा की भूमिका' विषय पर आयोजित ई-संगोठी में दी। इसमें अपर मुख्य सचिव मोनिका गर्ग भी शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की तैयारी तेजी से चल रही है।

ई-संगोष्ठी में विवि के कुलपति प्रो. सिंह ने दी जानकारी

एबीवीपी के देश के सभी विश्वविद्यालयों के राष्ट्रीय प्रमुख श्रीहरि बोरिकर ने कहा कि यह देश की पहली शिक्षा नीति है जो केजी से पीजी तक समग्रता में किए गए विचार मंथन पर आधारित है।

संगोष्ठी के संयोजक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने कहा कि नई शिक्षा नीति पर क्रियान्वयन का समय है और यही ई-संगोष्ठी का सार है। संचालन डॉ. मीरा पाल एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने किया।

फीफा को आठ खरब रुपये का घाटा पेज 12 | आबे के करीबी सुगा जापान के नए प्रधानमंत्री पेज 13

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

युवा | आज का दिन — वर्ष 1809 में रूस और स्वीडन के बीच हामिना की शांति संधि पर हस्ताक्षर किए गए।

हिन्दुस्तान 04

मुविवि में आज लगाए जाएंगे पीपल के 71 पौधे

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के आवाह्न पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय गुरुवार को 71 पीपल के पौधों का रोपण किया जाएगा।

यह कार्यक्रम विवि के सरस्वती परिसर एवं यमुना परिसर के साथ-साथ लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, बरेली, मेरठ, आगरा, झांसी, कानपुर, अयोध्या, आजमगढ़ एवं नोएडा आदि क्षेत्रीय केंद्रों पर संपन्न होगा। यह जानकारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने दी है।

मुक्त:विवि एमबीए और एमसीए में सीधे प्रवेश

प्रयागराज | निज संवाददाता

तैयारी

- कोरोना इफेक्ट : दोनों पाठ्यक्रमों की लिए नहीं होगा इंट्रेंस
- अर्हता संबंधी अभिलेखीय प्रमाणों के आधार पर होगा दाखिला

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय से एमबीए और एमसीए करने के इच्छुक छात्रों के लिए अच्छी खबर है। अब उन्हें दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होगी। अब छात्रों को एमबीए और एमसीए में सीधे प्रवेश दिया जाएगा। यह निर्णय कोरोना को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने लिया है।

एमबीए, एमसीए प्रवेश परीक्षा 2020-21 के संयोजक प्रो. पीपी दुबे ने बताया कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई के 19 अगस्त के सर्कुलर तथा विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा एवं विज्ञान विद्या शाखा के संयुक्त स्कूल बोर्ड के प्रस्ताव के दृष्टिगत कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने सत्र 2020-21 की एमबीए तथा एमसीए प्रवेश परीक्षा को न कराए जाने पर सहमति व्यक्त की है। जिन आवेदकों ने अंतिम तिथि 15 सितंबर तक अपने आवेदन विश्वविद्यालय को प्रेषित कर दिए हैं, ऐसे पंजीकृत आवेदकों को उनके अर्हता संबंधी अभिलेखीय प्रमाणों के आधार पर प्रवेश देने के लिए निर्देशित किया है।

प्रो. दुबे ने सभी प्रवेशार्थियों से अपेक्षा की है कि वह विज्ञापन के अनुसार अपने अर्हता संबंधी समस्त वांछित अभिलेखों को विलंबतम 25 सितंबर तक विश्वविद्यालय में पंजीकृत डाक से प्रेषित कर सकेंगे।

अमृत प्रभात

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सूर्योदय : 05:50 बजे सूर्यास्त : 06:16 बजे | वर्ष : 42 | अंक : 276 | प्रयागराज, गुरुवार 17 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपए

पीएम के जन्मदिन पर मुक्त विश्वविद्यालय में पौधारोपण आज

प्रयागराज। भारत के यशस्वी प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के 71 वें जन्मदिन के अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के आवाह्न पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा बृहस्पतिवार 17 सितंबर को 71 पीपल के पौधों का रोपण किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर एवं यमुना परिसर के साथ-साथ प्रदेश में स्थित प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, बरेली, मेरठ, आगरा, झांसी, कानपुर, अयोध्या, आजमगढ़ एवं नोएडा आदि क्षेत्रीय केंद्रों पर संपनन्‍ होगा। पीपल वृक्षारोपण के इस पुनीत आयोजन में नमामि गंगे एवं लायंस क्लब आदि सामाजिक संगठनों ने अपना सहयोग करने की प्रतिबद्धता सुनिश्चित किया है।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, गुरुवार , 17 सितम्बर 2020 | विक्रम संवत 2076 | प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com | पृष्ठ : 08

मुक्त विवि में अब एमबीए व एमसीए में सीधे मिलेगा प्रवेश

मुक्त विवि के छात्रों के लिए अच्छी खबर नहीं देनी होगी प्रवेश परीक्षा

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के एमबीए और एमसीए में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए खुशखबरी है। कोरोना काल में अब एमबीए एमसीए प्रवेश परीक्षा फॉर्म भरने वाले छात्रों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी। विश्वविद्यालय ने ऐसे अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश देने का निर्णय ले लिया है।

एमबीए एमसीए प्रवेश परीक्षा 2020–21 के संयोजक प्रोफेसर पी पी दुबे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई के 19 अगस्त 2020 के सर्कुलर तथा विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा एवं विज्ञान

विद्या शाखा के संयुक्त स्कूल बोर्ड के प्रस्ताव के दृष्टिगत कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सत्र 2020–21 की एमबीए तथा एमसीए प्रवेश परीक्षा को न कराए जाने पर सहमति व्यक्त की है।

प्रोफेसर दुबे ने बताया कि जिन आवेदकों ने अंतिम तिथि 15 सितंबर 2020 तक अपने आवेदन विश्वविद्यालय को प्रेषित कर दिए हैं,ऐसे पंजीकृत आवेदकों को उनके अर्हता संबंधी अभिलेखीय प्रमाणों के आधार पर प्रवेश देने हेतु निर्देशित किया है।

संयोजक प्रोफेसर दुबे ने सभी प्रवेशार्थियों से अपेक्षा की है कि वह विज्ञापन के अनुसार अपने अर्हता संबंधी समस्त वांछित अभिलेखों को विलंबतम 25 सितंबर 2020 तक विश्वविद्यालय में पंजीकृत डाक से प्रेषित करने का कष्ट करें।

अमर उजाला

अमर उजाला | प्रयागराज युवा Youth | 6

अब एमबीए, एमसीए में सीधे मिलेगा प्रवेश

मुक्त विवि: एआईसीटीई के निर्देश के बाद लिया निर्णय

अमर उजाला ब्यूरो

एमबीए और एमसीए में प्रवेश के इच्छुक छात्रों को मिली राहत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में वर्तमान शैक्षिक सत्र में एमबीए और एमसीए में प्रवेश के इच्छुक छात्रों के लिए अच्छी खबर है। कोविड-19 के संक्रमण के कारण अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के दिशा निर्देश के बाद विश्वविद्यालय ने एमबीए, एमसीए प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले छात्रों को प्रवेश परीक्षा से छूट दे दी है। अब उन्हें प्रवेश परीक्षा के बगैर सीधे प्रवेश दिया जाएगा। बस, विवि की ओर से छात्रों की अर्हता की जांच के बाद उन्हें सीधे प्रवेश दे दिया जाएगा।

एमबीए, एमसीए प्रवेश परीक्षा 2020-21 के संयोजक प्रोफेसर पीपी दुबे ने बताया कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के 19 अगस्त के दिशा निर्देश और विवि के प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा एवं विज्ञान विद्या शाखा के संयुक्त निर्णय के बाद एमबीए, एमसीए की प्रवेश परीक्षा यह निर्णय लिया गया है जिसके लिए विवि के इस निर्णय पर कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने अपनी सहमति दे दी है। संयोजक के मुताबिक जिन अभ्यर्थियों ने 15 सितंबर तक आवेदन विवि को भेज दिए हैं, उन्हें अर्हता संबंधी अभिलेखों की जांच के बाद प्रवेश को बुलाया जाएगा। प्रवेशार्थी विज्ञापन के अनुसार अपने अर्हता संबंधी वांछित अभिलेखों को 25 सितंबर तक हर हाल में विवि को पंजीकृत डाक से भेज दें।

पीएम के जन्मदिन पर पौधरोपण आज

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 71वें जन्मदिन के अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के आवाह्न पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में गुरुवार को 71 पीपल के पौधे रोपे जाएंगे।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

अब प्रवेश परीक्षा नहीं, सीधे मिलेगा एमबीए-एमसीए में प्रवेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के एमबीए और एमसीए में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए खुशखबरी है। कोरोना काल में अब एमबीए एमसीए प्रवेश परीक्षा फॉर्म भरने वाले छात्रों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी। विश्वविद्यालय ने ऐसे अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश देने का निर्णय ले लिया है।

उक्त जानकारी एमबीए-एमसीए प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रो. पी.पी दुबे ने देते हुए बताया कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई के 19 अगस्त 2020 के सर्कुलर तथा विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा एवं विज्ञान विद्या शाखा के संयुक्त स्कूल बोर्ड के प्रस्ताव के दृष्टिगत कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सत्र 2020-21 की एमबीए तथा एमसीए प्रवेश परीक्षा को न कराए जाने पर सहमति व्यक्त की है।

प्रोफेसर दुबे ने बताया कि जिन आवेदकों ने अंतिम तिथि 15 सितंबर तक अपने आवेदन विश्वविद्यालय को प्रेषित कर दिए हैं, ऐसे पंजीकृत आवेदकों को उनके अर्हता सम्बंधी अभिलेखीय प्रमाणों के आधार पर प्रवेश देने हेतु निर्देशित किया है।

उन्होंने सभी प्रवेशार्थियों से अपेक्षा की है कि वह विज्ञापन के अनुसार अपने अर्हता सम्बंधी समस्त वांछित अभिलेखों को विलंबतम 25 सितंबर तक विश्वविद्यालय में पंजीकृत डाक से प्रेषित कर दें।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

सच का आधार ...

वर्ष : 11 अंक : 169, प्रयागराज, गुरुवार 17 सितम्बर 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

पीएम के जन्मदिन पर मुक्त विवि में होगा पौधरोपण

भारत के प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के 71वें जन्मदिन के अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के आवाह्न पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि, प्रयागराज द्वारा वृहस्पतिवार को 71 पीपल के पौधों का रोपण किया जाएगा। इसके साथ-साथ प्रदेश में स्थित प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, बरेली, मेरठ, आगरा, झांसी, कानपुर, अयोध्या, आजमगढ़ एवं नोएडा आदि क्षेत्रीय केंद्रों पर सम्पन्न होगा।

अमृत प्रभात

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सूर्योदय : 05:50 बजे

सूर्यास्त : 06:16 बजे

वर्ष : 42 | अंक : 276 | प्रयागराज, गुरुवार 17 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपए

अब प्रवेश परीक्षा नहीं, सीधे मिलेगा एमबीए एमसीए में प्रवेश

मुक्त विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए अच्छी खबर

वरिष्ठ संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के एमबीए और एमसीए में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए खुशखबरी है। कोरोना काल में अब एमबीए एमसीए प्रवेश परीक्षा फॉर्म भरने वाले छात्रों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी। विश्वविद्यालय ने ऐसे अभ्यथिर्यों को सीधे प्रवेश देने का निणर्य ले लिया है। एमबीए एमसीए प्रवेश परीक्षा 2020-21 के संयोजक प्रोफेसर पी पी दुबे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई के 19 अगस्त 2020 के सर्कुलर तथा विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा एवं विज्ञान विद्या शाखा के संयुक्त स्कूल बोर्ड के प्रस्ताव के दृष्टिगत कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सत्र 2020-21 की एमबीए तथा एमसीए प्रवेश परीक्षा को न कराए जाने पर सहमति व्यक्त की है। प्रोफेसर दुबे ने बताया कि जिन आवेदकों ने अंतिम तिथि 15 सितंबर 2020 तक अपने आवेदन विश्वविद्यालय को प्रेषित कर दिए हैं,ऐसे पंजीकृत आवेदकों को उनके अर्हता संबंधी अभिलेखीय प्रमाणों के आधार पर प्रवेश देने हेतु निर्देशित किया है। संयोजक प्रोफेसर दुबे ने सभी प्रवेशाथिर्यों से अपेक्षा की है कि वह विज्ञापन के अनुसार अपने अर्हता संबंधी समस्त वांछित अभिलेखों को विलंबतम 25 सितंबर 2020 तक विश्वविद्यालय में पंजीकृत डाक से प्रेषित करने का कष्ट करें।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, गुरुवार , 17 सितम्बर 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

पीएम के जन्मदिन पर मुक्त विश्वविद्यालय में पौधारोपण आज

प्रयागराज।भारत के यशस्वी प्रधानमन्त्री श्री नरेंद्र मोदी के 71 वें जन्मदिन के अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के आवाह्न पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा बृहस्पतिवार 17 सितंबर 2020 को 71 पीपल के पौधों का रोपण किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर एवं यमुना परिसर के साथ–साथ प्रदेश में स्थित प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, बरेली, मेरठ, आगरा, झांसी, कानपुर, अयोध्या, आजमगढ़ एवं नोएडा आदि क्षेत्रीय केंद्रों पर संपन्न होगा। पीपल वृक्षारोपण के इस पुनीत आयोजन में नमामि गंगे एवं लायंस क्लब आदि सामाजिक संगठनों ने अपना सहयोग करने की प्रतिबद्धता सुनिश्चित किया है।

परीक्षा में कोविड नियमों का पालन जरूरी : कुलपति

फूलपुर-प्रयागराज। महाविद्यालयों में चल रही योगा परीक्षा योगा की परीक्षा में कोविड-19 के नियमों का पालन बेहद जरूरी है। ऐसा नहीं करने वाले परीक्षा केंद्र के संस्थापकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्शी टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केएन सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि कोरोना काल को ध्यान में रखते हुए परीक्षाओं के संचालन में किसी प्रकार की कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में ही परीक्षाएं कराई जाएंगी। यदि इसमें कोई लापरवाही किसी भी महाविद्यालय के परीक्षा संचालकों द्वारा बरती जाएगी तो उनके खिलाफ सख्ती से पेश आया जाएगा। उन्होंने कहा कि नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराना उनकी पहली प्राथमिकताओं में शामिल है। सोशल डिस्टेंसिंग के साथ ही परीक्षा के दौरान कोई भी परीक्षार्थी बगैर मास्क के नहीं बैठेगा। यदि कोविड-19 के नियम में कोई लापरवाही बढ़ती गई तो संबंधित केंद्र व्यवस्थापक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

परीक्षा में कोविड.19 के नियमों का पालन जरूरी कुलपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की चल रही परीक्षाओं के मद्देनजर कुलपति ने दिए कई दिशा निर्देश

मोर्निंग टी न्यूज़

प्रयागराज। महाविद्यालयों में चल रही योगा परीक्षा योगा की परीक्षा में कोविड.19 के नियमों का पालन बेहद जरूरी है। ऐसा नहीं करने वाले परीक्षा केंद्र के संस्थापकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्शी टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि कोरोना काल को ध्यान में रखते हुए परीक्षाओं के संचालन में किसी प्रकार की कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में ही परीक्षाएं कराई जाएंगी। यदि इसमें कोई लापरवाही किसी भी महाविद्यालय के परीक्षा संचालकों द्वारा बरती जाएगी तो उनके खिलाफ सख्ती से पेश आया जाएगा। उन्होंने कहा कि नकल विहीन परीक्षा संपनन कराना उनकी पहली प्राथमिकताओं में शामिल है। सोशल डिस्टेंसिंग के साथ ही परीक्षा के दौरान कोई भी परीक्षार्थी बगैर मास्क के नहीं बैठेगा। यदि कोविड.19 के नियम में कोई लापरवाही बढ़ती गई तो संबंधित केंद्र व्यवस्थापक के खि[illegible] कार्रवाई की जाएगी।

परीक्षा में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन जरूरी: कुलपति

फूलपुर। महाविद्यालयों में चल रही योगा परीक्षा में कोविड-19 के नियमों का पालन नहीं करने वाले परीक्षा केन्द्र के संचालकों पर कड़ी कार्रवाई होगी। यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 केएन सिंह ने कही। शनिवार को फूलपुर के दयाशंकर महिला महाविद्यालय बसनेहटा में चल रही राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए प्रबंधक बसंतलाल यादव पूरे समय तक परीक्षा केन्द्र पर मुस्तैदी दिखाते हुए परीक्षार्थियों की थर्मल स्क्रीनिंग कराने के बाद ही परिसर में प्रवेश कराया। वहीं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए परीक्षा सम्पन्न कराई। इसी प्रकार क्षेत्र के गौतम बुद्ध डिग्री कॉलेज फूलपुर व प्रयाग महाविद्यालय हेतापट्टी में भी परीक्षा सकुशल संपन्न हुई।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

17 सितम्बर, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय में विश्वकर्मा पूजा का आयोजन

विश्वकर्मा जी की पूजा करते हुए विश्वविद्यालय के मा० कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी तथा साथ में विश्वविद्यालय के निदेशक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

17 सितम्बर, 2020

मा0 प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन पर मुक्त विश्वविद्यालय में पीपल–पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

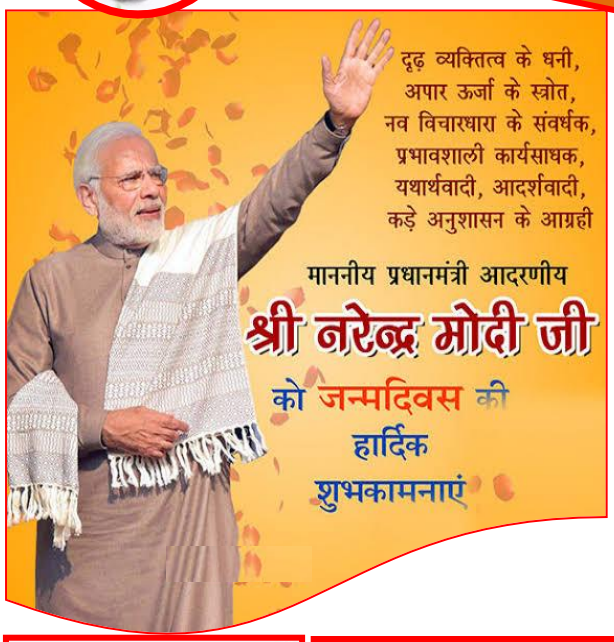

भारत के यशस्वी प्रधानमन्त्री श्री नरेंद्र मोदी के 71 वें जन्मदिन के अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के आवाहन पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा बृहस्पतिवार 17 सितंबर 2020 को 71 पीपल के पौधों का रोपण किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने की।

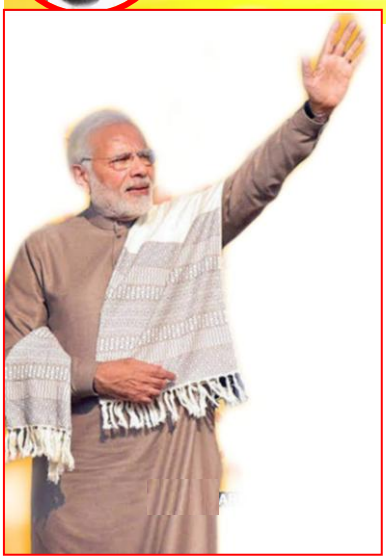

पीपल–वृक्षारोपण का कार्यक्रम मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर एवं यमुना परिसर के साथ-साथ प्रदेश में स्थित प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, बरेली, मेरठ, आगरा, झांसी, कानपुर, अयोध्या, आजमगढ़ एवं नोएडा आदि क्षेत्रीय केंद्रों पर संपन्न होगा। पीपल–वृक्षारोपण के इस पुनीत आयोजन में नमामि गंगे एवं लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल की अध्यक्ष लायन सीमा गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष, लायन डॉ0 आर.बी. गुप्ता, पर्यावरण चेयरपर्सन, लायन सतीश टण्डन, जोन चेयरपर्सन, लायन राजकुमार जायसवाल तथा पूर्व मण्डल सचिव, लायन हिमांशु गुप्ता आदि सामाजिक संगठनों ने अपना सहयोग प्रदान किया है।

मुक्त विश्वविद्यालय ने पीपल के पौधे लगाकर मनाया प्रधानमंत्री का जन्मदिन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 71वें जन्मदिन पर कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के आह्वान पर बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में पीपल–वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में पीपल का वृक्ष लगाकर पौधारोपण अभियान का श्री गणेश किया। सरस्वती परिसर में दीक्षान्त समारोह स्थल के प्रांगण में चारों तरफ शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने पीपल के पौधे लगाये। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के गंगा परिसर एवं क्षेत्रीय कार्यालय प्रयागराज के प्रांगण में मुख्य द्वार से लेकर परिसर के चारों तरफ पीपल के पौधों का रोपण किया गया।

वृक्षारोपण अभियान में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों के साथ लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल ने भरपूर सहयोग किया। मुक्त विश्वविद्यालय ने वृक्षारोपण अभियान पूरे प्रदेश में आयोजित किया। इलाहाबाद, लखनऊ, गोरखपुर, बरेली, वाराणसी, कानपुर, अयोध्या, मेरठ, आगरा, झांसी, आजमगढ़ तथा नोएडा आदि क्षेत्रीय केन्द्रों पर कुल लक्ष्य 71 पौधे लगाने के सापेक्ष 78 पौधे लगाये गये। क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या में क्षेत्रीय समन्वयक डॉ0 शशिभूषण राम त्रिपाठी ने विभिन्न अध्ययन केन्द्रों में पीपल के 10 पौधे लगवाये एवं क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ में क्षेत्रीय समन्वयक डॉ0 निराजंलि सिन्हा ने 01 पौधे लगाये। समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 सुधान्शु त्रिपाठी ने अपने आवास पर पीपल का एक वृक्ष लगाया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिन पर विश्वविद्यालय ने अंगीकृत किए गांव बारी, विकास खण्ड सोरांव के प्राथमिक विद्यालय एवं माध्यमिक विद्यालय में प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा प्रो0 पी0के0 पाण्डेय के नेतृत्व में पीपल के 05 पौधे लगाये गये। इस अवसर पर गांववासियों को कोविड–19 महामारी के संक्रमण से बचाव के बारे में जागरूक किया गया। गांववासियों को मास्क एवं फेसशील्ड का वितरण भी किया गया।

वृक्षारोपण अभियान में कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्त, संयोजक डॉ0 विनोद कुमार गुप्त, परीक्षा नियंत्रक श्री डी0पी0 सिंह, सम्पत्ति अधिकारी डॉ0 अनिल कुमार सिंह भदौरिया, प्रो0 ओमजी गुप्ता, प्रो0 पी0पी0 दुबे, डॉ0 दिनेश सिंह तथा लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल की अध्यक्ष सीमा गुप्ता, डॉ0 आर0बी0 गुप्ता, श्री सतीश टण्डन, श्री राजकुमार जायसवाल तथा हिमांशु गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

सरस्वती परिसर

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में पीपल का पौधा लगाते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह एवं लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल के सदस्यगण

पीपल का पौधा लगाते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, विश्वविद्यालय के कुलसचिव, निदेशक, परीक्षा नियंत्रक, शिक्षक, कर्मचारी एवं लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल के सदस्यगण

पीपल का पौधा लगाते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण एवं लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल के सदस्यगण

पीपल का पौधा लगाते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण एवं लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल के सदस्यगण

पीपल का पौधा लगाते हुए माo कुलपति प्रोo कामेश्वर नाथ सिंह, विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण एवं लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल के सदस्यगण

पीपल का पौधा लगाते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण एवं लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल के सदस्यगण

यमुना परिसर स्थित क्षेत्रीय केन्द्र
प्रयागराज

विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज में पीपल का पौधा लगाते हुए
मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह एवं लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल के सदस्यगण

विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज में पीपल का पौधा लगाते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण एवं लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल के सदस्यगण

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गये गॉव बारी में पौधारोपध

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की शिक्षा विद्याशाखा द्वारा गोद लिए गांव -बारी ,खंड- सोराव ,जिला -प्रयागराज में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी जी के 71वें जन्म दिवस के शुभ अवसर पर बारी ग्राम के प्राथमिक विद्यालय और माध्यमिक विद्यालय में पॉच पीपल के पौधे का वृक्षारोपण किया गया साथ ही कोविड-19 महामारी के संक्रमण से बचाव के संबंध में जागरूक किया गया तथा ग्राम वासियों को मास्क एवं फेस शिल्ड का वितरण किया गया उक्त अवसर पर प्रभारी निदेशक शिक्षा विद्याशाखा ,प्रोफेसर पी.के .पाण्डेय ,सहायक निदेशक डॉ दिनेश सिंह ,शैक्षणिक परामर्शदाता श्री परविंद कुमार वर्मा ,प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय के अध्यापक, अध्यापिका ,कर्मचारी तथा ग्राम वासी उपस्थित थे

बारी ग्राम के प्राथमिक विद्यालय और माध्यमिक विद्यालय में पॉच पीपल के पौधे का वृक्षारोपण करते हुए प्रभारी निदेशक शिक्षा विद्याशाखा ,प्रोफेसर पी.के .पाण्डेय ,सहायक निदेशक डॉ दिनेश सिंह ,शैक्षणिक परामर्शदाता श्री परविंद कुमार वर्मा ,प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय के अध्यापक, अध्यापिका ,कर्मचारी तथा ग्राम वासी

कोविड-19 महामारी के संक्रमण से बचाव के संबंध में जागरूक किया गया तथा ग्राम वासियों को मास्क एवं फेस शिल्ड का वितरण करते हुए प्रभारी निदेशक शिक्षा विद्याशाखा ,प्रोफेसर पी.के .पाण्डेय ,सहायक निदेशक डॉ दिनेश सिंह ,शैक्षणिक परामर्शदाता श्री परविंद कुमार वर्मा

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों पर पीपल–पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस के अवसर पर माननीया कुलाधिपति के आदेश के अनुपालन में विश्वविद्यालय परिवार द्वारा 71 पौधों के आरोपण का निर्णय लिया गया है।

इसी को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय कार्यालय आगरा की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ रेखा सिंह और सदस्यों ने पौधों के आरोपण किया ।

पौधा रोपण करती हुई क्षेत्रीय केन्द्र आगरा की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 रेखा सिंह एवं कर्मचारीगण।

अपने आवास पर पौधा रोपण करते हुए समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रभारी निदेशक प्रो0 सुधाशु त्रिपाठी

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों पर पीपल–पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 71वें जन्म दिन के अवसर पर राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने 71 पीपल के वृक्षारोपण का अभियान चलाया। विश्वविद्यालय के अयोध्या क्षेत्रीय ,बी. एन. एस. गर्ल्स डिग्री कालेज के परिसर में महाविद्यालय के प्रशासक श्री दुर्वेश सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, अवध विश्वविद्यालय के पूर्व कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ. राजेश सिंह और क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. शशि भूषण राम त्रिपाठी ने पीपल के वृक्ष को लगाया। विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र साकेत महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. नर्वदेश्वर पाण्डेय, एंव समन्वयक डॉ. बी. के. सिंह ने पीपल के वृक्ष का रोपण किया। सभी ने प्रधानमंत्री जी को जन्म दिन की हार्दिक शुभकामना दी। प्रधानमंत्री जी के जीवन मूल्य, आदर्श, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एंव सेवा भाव से सबको प्रेरणा मिलती है और सभी अपने जीवन में उतारने का प्रयास करते रहते है। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक और कार्यालय के कर्मचारी पवन उपाध्याय, संजय सिंह, अजीत राव उपस्थिति रहे।

पौधा रोपण करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी बी एन एस गर्ल्स डिग्री कॉलेज में महाविद्यालय के प्रशासक श्री दुर्वेश सिंह, कृष्ना सिंह,अवध विश्वविद्यालय के पूर्व कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ0 राजेश सिंह

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या के अर्न्तगत आने वाले अध्ययन केन्द्रों पर पीपल–पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

S-022 का. सी. साकेत महाविद्यालय, अयोध्या के प्राचार्य डॉ. नर्मदेश्वर पाण्डेय और समन्वयक डॉ. बी. के. सिंह पीपल का वृक्ष लगाते हुए

S-025 शिव हर्ष किसान पी. जी. कालेज बस्ती के प्राचार्य डॉ. जे. पी. शुक्ला एवं समन्वयक डॉ. शिवेन्द्र मोहन पांडेय

एस 1595 नन्दिनी नगर महाविद्यालय ,गोण्डा के समन्वयक डॉ. शत्रुघ्न सिंह

S-267 SPS pg Coll Larpur me Dr P K Gupta samanvayak paudhe ko sanchita hue

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या के अर्न्तगत आने वाले अध्ययन केन्द्रों पर पीपल–पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

एस–229, ग्रामोदय आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बीरसिंहपुर, सरैया सया, अम्बेडकर नगर पर वृक्षारोपण करते हुए प्राचार्य डॉ0 राकेश तिवारी एवं शिक्षकगण।

एस–198झामबाबा महाविद्यालय सुरजूपुर, जलालपुर, अम्बेडकर नगर पर वृक्षारोपण करते हुए प्राचार्यएवं शिक्षकगण।

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों पर पीपल–पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस के अवसर पर माननीया कुलाधिपति के आदेश के अनुपालन में विश्वविद्यालय परिवार द्वारा 71 पौधों के आरोपण का निर्णय लिया गया है।

इसी को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ0 निराजंलि सिन्हा एवं कर्मचारीगणों ने पौधों का आरोपण किया ।

पौधा रोपण करती हुई क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 निराजंलि सिन्हा एवं कर्मचारीगण।

RNI No.-UPHIN/2012/44803
हिन्दी दैनिक
Email : harbaatftp @gmail.com
हर बात
आपके साथ
वर्ष : 09 अंक : 239 फतेहपुर, गुरूवार, 17 सितम्बर 2020, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

परीक्षा में कोविड-19 के नियमों का पालन जरूरी- कुलपति

हर बात संवाददाता

फूलपुर/ प्रयागराज। महाविद्यालयों में चल रही योगा परीक्षा योगा की परीक्षा में कोविड-19 के नियमों का पालन बेहद जरूरी है। ऐसा नहीं करने वाले परीक्षा केंद्र के संस्थापकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षी टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केएन सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि कोरोना काल को ध्यान में रखते हुए परीक्षाओं के संचालन में किसी प्रकार की कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में ही परीक्षाएं कराई जाएंगी। यदि इसमें कोई लापरवाही किसी भी महाविद्यालय के परीक्षा संचालकों द्वारा बरती जाएगी तो उनके खिलाफ सख्ती से पेश आया जाएगा। उन्होंने कहा कि नकल विहीन परीक्षा संपनन्‍ कराना उनकी पहली प्राथमिकताओं में शामिल है। सोशल डिस्टेंसिंग के साथ ही परीक्षा के दौरान कोई भी परीक्षार्थी बगैर मास्क के नहीं बैठेगा। यदि कोविड-19 के नियम में कोई लापरवाही बढ़ती गई तो संबंधित केंद्र व्यवस्थापक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

मुविवि में रोपे गए पौधे

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर गुरुवार को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में पीपल के पौधे लगाए गए। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में पीपल का पौधा लगाकर पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया। प्रयागराज, लखनऊ, गोरखपुर, बरेली, वाराणसी, कानपुर, अयोध्या, मेरठ, आगरा, झांसी, आजमगढ़ तथा नोएडा आदि क्षेत्रीय केन्द्रों पर कुल लक्ष्य 71 पौधे लगाने के सापेक्ष 77 पौधे लगाए गए।

प्रयागराज, शुक्रवार
18 सितंबर, 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 18
दैनिक जागरण
www.jagran.com
उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

पारंपरिक कारीगर समृद्ध होंगे तो खुशहाल बनेगा समाज 09 पूरी दुनिया के नेताओं ने मोदी को कहा-हैप्पी बर्थ डे 09

पीएम के जन्मदिन पर मुविवि और राविवि में रोपे पौधे

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 71वें जन्मदिन पर कुलाधिपति एवं प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के आह्वान पर गुरुवार को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय और प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) राज्य विश्वविद्यालय में पीपल के पौधे रोपे गए।

मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने सरस्वती परिसर में पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया। सरस्वती परिसर में दीक्षा समारोह स्थल के प्रांगण में चारों तरफ शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने पीपल के पौधे लगाए। लखनऊ, गोरखपुर, बरेली, वाराणसी, कानपुर, अयोध्या, मेरठ, आगरा, झांसी, आजमगढ़ तथा नोएडा आदि क्षेत्रीय केंद्रों पर कुल लक्ष्य 71 पौधे लगाने के सापेक्ष 77 पौधे लगाए गए। क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. शशिभूषण राम त्रिपाठी ने अध्ययन केंद्रों में पीपल के 10 पौधे लगवाए। समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. सुधांशु त्रिपाठी ने अपने आवास पर पीपल का पौधा लगाया। पौधारोपण अभियान में कुलसचिव डॉ. अरूण कुमार गुप्त, संयोजक डॉ. विनोद कुमार गुप्त, सम्पत्ति अधिकारी डॉ. अनिल कुमार सिंह भदौरिया, प्रो. ओमजी गुप्ता, प्रो. पीपी दुबे, देवेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र, लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल की अध्यक्ष सीमा गुप्ता, डॉ. आरबी गुप्ता, सतीश टंडन, राजकुमार जायसवाल तथा हिमांशु गुप्ता आदि उपस्थित रहे। राज्य विवि में कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने पौधारोपण अभियान की शुरुआत की। इस दौरान रजिस्ट्रार शेषनाथ पांडेय, परीक्षा नियंत्रक कुलदीप सिंह, पीआरओ डॉ. अविनाश श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

नैनी संसू के अनुसार भाजपा नैनी मंडल के कार्यकर्ताओं ने काजीपुर में मोदी के जन्मदिन पर उनकी उपलब्धियां गिनाईं। इस दौरान नरसिंह, दिलीप केसरवानी, रामजी मिश्र, राकेश जायसवाल, रवि मिश्र आदि उपस्थित रहे। भाजपा किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने पौधे लगाकर उनकी दीर्घायु की कामना की। मौके पर संजय श्रीवास्तव, ललन सिंह पटेल, मृत्युंजय कुमार, सुनील विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, शनिवार, 19 सितम्बर 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

मुक्त विश्वविद्यालय में पीपल वृक्षारोपण का सफल आयोजन

राज्यपाल के आह्वान पर कुलपति ने लगवाए पीपल के पौधे

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 71वें जन्मदिन पर कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के आह्वान पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में पीपल का वृक्ष लगाकर पौधारोपण अभियान का श्रीगणेश किया। सरस्वती परिसर में दीक्षांत समारोह स्थल के प्रांगण में चारों तरफ शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों ने पीपल के पौधे लगाए। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के गंगा परिसर एवं क्षेत्रीय कार्यालय प्रयागराज के मुख्य द्वार से लेकर परिसर के चारों तरफ पीपल के पौधों का रोपण किया गया।पीपल के वृक्ष से सर्वाधिक आक्सीजन प्राप्त होती है।20 वर्ष का एक पीपल का वृक्ष लगभग चार लाख रूपए की आक्सीजन प्रदान करता है।वृक्षारोपण अभियान में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ लायंस क्लब इलाहाबाद सेंटर का भरपूर सहयोग किया। मुक्त विश्वविद्यालय

ने वृक्षारोपण अभियान पूरे प्रदेश में आयोजित किया। इलाहाबाद, लखनऊ, गोरखपुर, बरेली, वाराणसी, कानपुर, आगरा, झांसी, आजमगढ़ तथा नोएडा आदि क्षेत्रीय केंद्रों पर पीपल के वृक्षों का रोपण किया गया। इस अभियान में कुल लक्ष्य 71 पौधे लगाने के सापेक्ष 77 पौधे लगाए गए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिन पर विश्वविद्यालय में अंगीकृत किए गांव बारी, विकासखंड सोरांव के प्राथमिक विद्यालय एवं माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा विद्या शाखा के युवा प्रोफेसर पी के पांडे के नेतृत्व में 5 पीपल के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर डॉ दिनेश सिंह, परविंदर वर्मा एवं रवि शुक्ला ने गांव वासियों को कोविड–19 महामारी के संक्रमण से बचाव के बारे में जागरूक किया। विश्व विद्यालय की तरफ से गांव वासियों को मास्क एवं फेस शील्ड का वितरण किया गया। समाज विज्ञान विद्या शाखा के प्रोफेसर सुधांशु त्रिपाठी ने अपने आवास पर पीपल का पौधा लगाया। इसी क्रम में अयोध्या,लखनऊ, आगरा आदि क्षेत्र सहित अन्य सभी केंद्रों पर बड़े उत्साह के साथ पीपल के पौधे लगाकर प्रधानमंत्री का जन्मदिन मनाया गया।

वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने में कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह, कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक डा. विनोद कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह,संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया,

परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, निदेशकगण प्रोफेसर ओम जी गुप्ता तथा प्रोफेसर पी पी दुबे, डॉ एस कुमार, श्री इंदु भूषण पांडे, मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र तथा लायंस क्लब इलाहाबाद संगठन की अध्यक्ष सीमा गुप्ता, डॉ आर बी गुप्ता, श्री सतीश टंडन, श्री राजकुमार जायसवाल तथा हिमांशु गुप्ता आदि का योगदान उल्लेखनीय रहा। विश्वविद्यालय ने पीपल वृक्षारोपण अभियान की प्रगति से राजभवन सचिवालय को अवगत करा दिया है।

दैनिक जागरण

युवा जागरण 9

एमबीए-एमसीए में प्रवेश की तिथि 30 तक बढ़ी

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के एमबीए और एमसीए में प्रवेश तिथि 30 सितंबर तक बढ़ा दी है। एमबीए-एमसीए प्रवेश परीक्षा फॉर्म भरने वाले छात्रों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी। विश्वविद्यालय ने दो दिन पूर्व ऐसे अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश देने का निर्णय ले लिया है। प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। इच्छुक शिक्षार्थी पूर्व की भांति विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन करें।

अमर उजाला

युवा 6

एमबीए, एमसीए में प्रवेश तिथि 30 तक बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एमबीए और एमसीए में प्रवेश की तिथि 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। एमबीए और एमसीए प्रवेश परीक्षा फार्म भरने वाले छात्रों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होगी। इन पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश लिए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने दो दिन पूर्व ही सीधे प्रवेश का निर्णय लिया है।

दैनिक जागरण

Prayagraj, Saturday 19 September 2020 PRAYAGRAJ EDITION

www.inextlive.com

दशकों तक राज करने वाले किसानों को कर रहे गुमराह } 07 'पहले वे तुम्हारे लिए लड़ते हैं, फिर आपस में लड़ने लगते हैं' } 08

Only ₹2.50 daily

inext

कोरोना हेल्पलाइन नंबर (प्रयागराज) : 7458825340, 7355276814, 0532-2641577, 2641578

2 iNEXT CITY FOCUS

यूपीआरटीयू में एमबीए-एमसीए में एडमिशन की डेट बढ़ी

PRAYAGRAJ (18 Sept): उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एमबीए और एमसीए में एडमिशन की डेट 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है. यूनिवर्सिटी की ओर से जारी निर्देश के अनुसार एमबीए-एमसीए में एडमिशन के लिए फार्म भरने वाले स्टूडेंट्स को एंट्रेंस एग्जाम नहीं देना होगा. यूनिवर्सिटी की ओर से दो दिन पहले ही ऐसे अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश देने का निर्णय लिया गया है. एंट्रेंस एग्जाम खत्म करने के बाद एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स की बढ़ती संख्या को देखते हुए यूनिवर्सिटी की ओर से आवेदन की डेट 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है.

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई के 19 अगस्त को जारी सर्कुलर तथा यूनिवर्सिटी के प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा एवं विज्ञान विद्या शाखा के संयुक्त स्कूल बोर्ड के प्रस्ताव के दृष्टिगत कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सत्र 2020-21 की एमबीए तथा एमसीए एंट्रेंस एग्जाम नहीं कराने पर सहमति दी थी. एडमिशन प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया अब यूनिवर्सिटी द्वारा प्रवेश परीक्षा का आयोजन न कर निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा. उन्होंने बताया कि इच्छुक शिक्षार्थी पूर्व की भांति यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर जाकर रजिस्ट्रेशन कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन करें.

अमर उजाला

SELECT

प्रयागराज CITY 4

बीएड प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। सत्र 2020-21 में प्रवेश के लिए छह सितंबर को दो पालियों में प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। प्रवेश परीक्षा के संयोजक डॉ. प्रेम प्रकाश दुबे के अनुसार प्रवेश के लिए काउंसलिंग का कार्यक्रम शीघ्र घोषित किया जाएगा।

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

एमबीए एमसीए में प्रवेश तिथि 30 सितंबर तक बढ़ी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के एमबीए और एमसीए में प्रवेश तिथि 30 सितंबर 2020 तक बढ़ा दी गई है। एमबीए एमसीए प्रवेश परीक्षा फॉर्म भरने वाले छात्रों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी। विवि ने 2 दिन पूर्व ऐसे अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश देने का निर्णय ले लिया है। प्रवेश परीक्षा न होने से प्रवेश लेने वाले छात्रों की मांग पर विश्वविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि को 30 सितंबर तक विस्तारित कर दिया है।

वूमेन एक्सप्रेस
www.womenexpress.in
Email: thewomenexpress@gmail.com
Women Express TV
• वर्ष 8 • अंक 187 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली शनिवार 19 सितंबर 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रुपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर मुक्त विश्वविद्यालय में किया वृक्षारोपण

(विनोद मिश्रा/वूमेन एक्सप्रेस)

प्रयागराज, 18 सितम्बर । देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के आह्वान पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में पीपल का वृक्ष लगाकर पौधारोपण अभियान का श्रीगणेश किया। सरस्वती परिसर में दीक्षांत समारोह स्थल के प्रांगण में चारों तरफ शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों ने पीपल के पौधे लगाए। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के गंगा परिसर एवं क्षेत्रीय कार्यालय प्रयागराज के मुख्य द्वार से लेकर परिसर के चारों तरफ पीपल के पौधों का रोपण किया गया।

वृक्षारोपण अभियान में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ लायंस क्लब इलाहाबाद सेंटर का भरपूर सहयोग किया। मुक्त विश्वविद्यालय ने वृक्षारोपण अभियान पूरे प्रदेश में आयोजित किया। इलाहाबाद, लखनऊ, गोरखपुर, बरेली, वाराणसी, कानपुर, आगरा,

झांसी, आजमगढ़ तथा नोएडा आदि क्षेत्रीय केंद्रों पर पीपल के वृक्षों का रोपण किया गया। इस अभियान में पौधे लगाए गए।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर विश्वविद्यालय में अंगीकृत किए गांव बारी, विकासखंड सोरांव के प्राथमिक विद्यालय एवं माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा विद्या शाखा के युवा प्रोफेसर पी के पांडे के नेतृत्व में 5 पीपल के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर डॉ दिनेश सिंह, परविंदर वर्मा एवं रवि शुक्ला ने गांव वासियों को कोविड19 महामारी के संक्रमण से बचाव के बारे में जागरूक किया। विश्व विद्यालय की तरफ से गांव वासियों को मास्क एवं फेस शील्ड का वितरण किया गया। समाज विज्ञान विद्या शाखा के प्रोफेसर सुधांशु त्रिपाठी ने अपने आवास पर पीपल का पौधा लगाया। इसी क्रम में अयोध्या,लखनऊ, आगरा आदि क्षेत्र सहित अन्य सभी केंद्रों पर बड़े उत्साह के साथ पीपल के पौधे लगाकर प्रधानमंत्री का जन्मदिन मनाया गया।

वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने में कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह, कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक डा. विनोद कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह,संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, निदेशकगण प्रोफ़ेसर ओम जी गुप्ता तथा प्रोफ़ेसर पी पी दुबे, डॉ एस कुमार, इंदु भूषण पांडे, मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र तथा लायंस क्लब इलाहाबाद संगठन की अध्यक्ष सीमा गुप्ता, डॉ आर बी गुप्ता, सतीश टंडन, राजकुमार जायसवाल तथा हिमांशु गुप्ता आदि का योगदान उल्लेखनीय रहा। विश्वविद्यालय ने पीपल वृक्षारोपण अभियान की प्रगति से राजभवन सचिवालय को अवगत करा दिया है।

अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एमबीए एमसीए में प्रवेश तिथि 30 तक बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के एमबीए और एमसीए में प्रवेश तिथि 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। एमबीए एमसीए प्रवेश परीक्षा फॉर्म भरने वाले छात्रों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी। विश्वविद्यालय ने 2 दिन पूर्व ऐसे अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश देने का निणय ले लिया है। प्रवेश परीक्षा न होने से प्रवेश लेने वाले छात्रों की मांग पर विश्वविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि को 30 सितंबर तक विस्तारित कर दिया है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई के 19 अगस्त के सर्कुलर तथा विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा एवं विज्ञान विद्या शाखा के संयुक्त स्कूल बोर्ड के प्रस्ताव के दृष्टिगत कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सत्र 2020-21 की एमबीए तथा एमसीए प्रवेश परीक्षा को न कराए जाने पर सहमति व्यक्त की थी। प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया अब विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश परीक्षा का आयोजन न कर निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इच्छुक शिक्षार्थी पूर्व की भांति विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन करें।

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
सच का आधार ...
वर्ष : 11 अंक : 171, प्रयागराज, शनिवार 19 सितम्बर 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

एमबीए एमसीए में प्रवेश तिथि तीस सितम्बर तक बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के एमबीए और एमसीए में प्रवेश तिथि 30 सितम्बर तक बढ़ा दी गई है। साथ ही प्रवेश परीक्षा फॉर्म भरने वाले छात्रों को अब प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी। विश्वविद्यालय ने दो दिन पूर्व ऐसे अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश देने का निर्णय ले लिया है।

यह जानकारी मुक्त विवि के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने देते हुए बताया कि प्रवेश परीक्षा न होने से प्रवेश लेने वाले छात्रों की मांग पर विश्वविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि विस्तारित कर दिया है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई के 19 अगस्त 2020 के सर्कुलर तथा विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा एवं विज्ञान विद्या शाखा के संयुक्त स्कूल बोर्ड के प्रस्ताव के दृष्टिगत कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सत्र 2020-21 की एमबीए तथा एमसीए प्रवेश परीक्षा को न कराए जाने पर सहमति व्यक्त की थी। प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया अब विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश परीक्षा का आयोजन न कर निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। इच्छुक शिक्षार्थी पूर्व की भांति विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन करें।

सहजसत्ता

एमबीए एमसीए में प्रवेश तिथि तीस सितम्बर तक बढ़ी

प्रयागराज | उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविदयालय प्रयागराज के एमबीए और एमसीए में प्रवेश तिथि 30 सितम्बर तक बढ़ा दी गई है। साथ ही प्रवेश परीक्षा फॉर्म भरने वाले छात्रों को अब प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी। विश्वविदयालय ने दो दिन पूर्व ऐसे अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश देने का निणय ले लिया है। यह जानकारी मुक्त विवि के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने देते हुए बताया कि प्रवेश परीक्षा न होने से प्रवेश लेने वाले छात्रों की मांग पर विश्वविदयालय में प्रवेश की अंतिम तिथि विस्तारित कर दिया है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई के 19 अगस्त 2020 के सर्कुलर तथा विश्वविदयालय के प्रबंधन अध्ययन विदया शाखा एवं विज्ञान विदया शाखा के संयुक्त स्कूल बोर्ड के प्रस्ताव के दृष्टिगत कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सत्र 2020-21 की एमबीए तथा एमसीए प्रवेश परीक्षा को न कराए जाने पर सहमति व्यक्त की थी।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

19 सितम्बर, 2020

Jawaharlal Nehru University

UGC- Human Resource Development Centre

New Delhi-110067

Combined Valedictory Session

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय

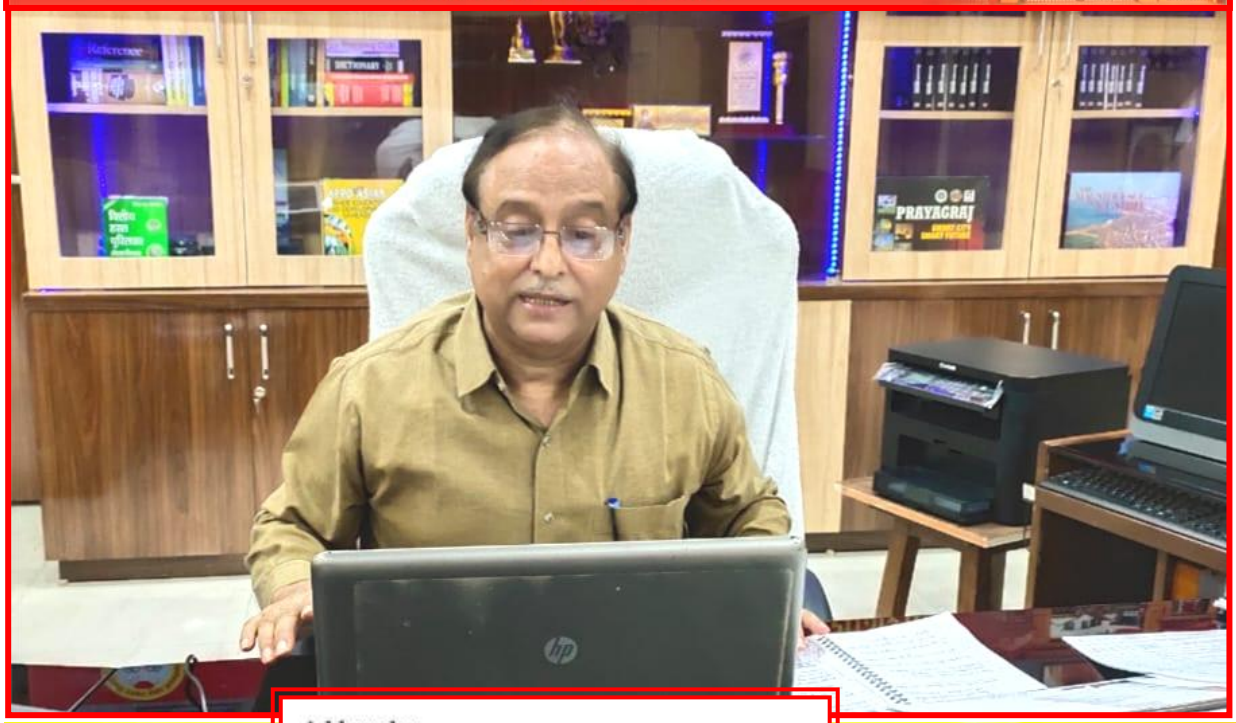

Address by:

Prof. K. N. Singh, VC, UPRTOU, Prayagraj, Uttar Pradesh

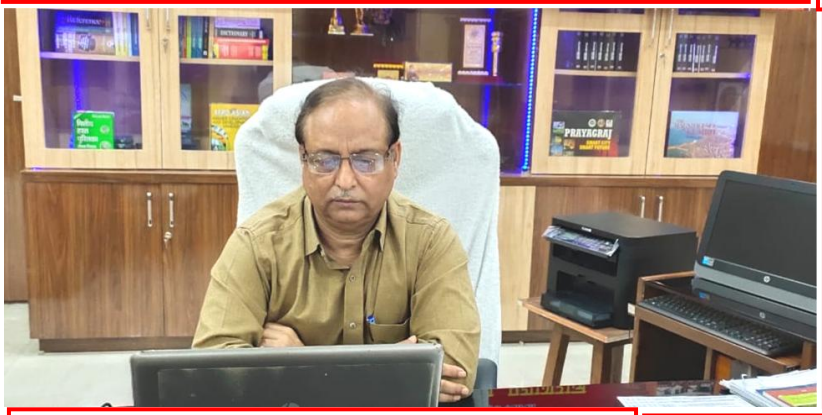

Jawaharlal Nehru University
UGC- Human Resource Development Centre
New Delhi-110067

Combined Valedictory Session

4th Refresher Course in Environmental Studies (IDC)
पर्यावरण अध्ययन (IDC) में 4 था रिफ्रेशर कोर्स

40th Refresher Course in Sociology
समाजशास्त्र में 40 वां रिफ्रेशर कोर्स

(7th September – 19th September, 2020)
(7 सितंबर - 19 सितंबर, 2020)

(Virtual Conference room, Zoom Meetings App.)

Date & Time: 19th September, 15:30 -17:00 hrs

15:30-15:40 hrs	Opening Remarks and Welcome Address: **Prof. Brajesh Kumar Pandey**, Director HRDC
15:40-15:45 hrs	**Brief Report Presentation by Coordinators:** 4th Refresher Course in Environmental Studies (IDC)
15:45-15:50 hrs	**Brief Report Presentation by Coordinators:** 40th Refresher Course in Sociology
15:50 -16:00 hrs	**Valedictory Address:** **Prof. M. Jagadesh Kumar**, VC, JNU
16:00 -16:20 hrs	**Address by:** **Prof. Sushma Yadav, VC**, BPSMV, Sonipat, Haryana
16:20-16:40 hrs	**Address by:** **Prof. K. N. Singh**, VC, UPRTOU, Prayagraj, Uttar Pradesh
16: 40-16:55 hrs	**Sharing experiences by Participants:** Two –participants from each course
16: 55-17:00 hrs	**Vote of thanks:** **Dr. Sanjeev Sharma**, Assistant Director, HRDC-JNU

Prof. Brajesh Kumar Pandey प्रो ब्रजेश कुमार पाण्डेय
Director निदेशक
UGC-HRDC एचआरडीसी, जेएनयू

"Participants are requested to join and login 10 minutes before the schedule time
प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे शेड्यूल समय से 10 मिनट पहले शामिल हों और लॉगिन करें

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

20 सितम्बर, 2020

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विषय पर एक दिवसीय वेबीनार आयोजित

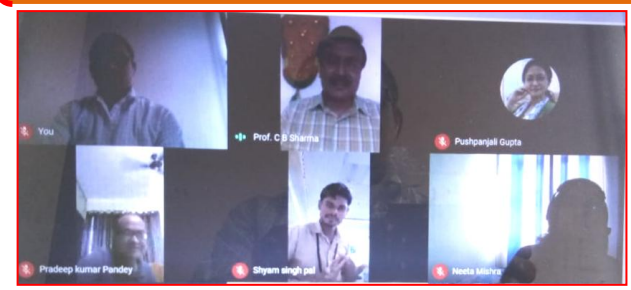

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के शिक्षा विद्या शाखा एवं राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान' देहरादून के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विषय पर आयोजित एक दिवसीय वेबीनार दिनांक दिनांक 20 सितंबर 2020 को किया गया उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ हिमांशु दास ,निदेशक राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान देहरादून थे एवं मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर चंद्र भूषण शर्मा ,पूर्व चेयरमैन एनआईओएस एवं प्रोफेसर रजनी रंजन सिंह, डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ,लखनऊ थे तथा वेबीनार के निदेशक प्रोफेसर पी के पाण्डेय प्रभारी निदेशक शिक्षा विद्या शाखा उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा किया गया सभी अतिथियों का स्वागत प्रोफेसर पी के पाण्डेय द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम के बारे में विस्तार पूर्वक विवरण डॉक्टर नीता मिश्रा वेबीनार आयोजक द्वारा दिया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर पंकज कुमार सहायक प्राध्यापक राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांग सशक्तिकरण संस्थान देहरादून द्वारा किया गया कार्यक्रम में दिल्ली, हरियाणा ,झारखंड, राजस्थान ,अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश ,उत्तराखंड ,बिहार ,महाराष्ट्र ,छत्तीसगढ़ तथा उत्तर प्रदेश के कुल 300 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एवं

राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, देहरादून

(दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

द्वारा आयोजित एक दिवसीय वेबिनार

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020

कार्यक्रम कार्यक्रम के आयोजन सचिव श्री परविंद कुमार वर्मा तथा आयोजन सह सचिव श्री राजमणि पाल जी थे सभी अतिथियों का स्वागत प्रोफेसर पीके पांडे द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम के बारे में विस्तार पूर्वक विवरण डॉ नीता मिश्रा द्वारा दिया गया

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे डॉ हिमांशु दास निदेशक राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान देहरादून ने अपने उद्बोधन में नई शिक्षा नीति 2020 को एक विजन के रूप में बताया तथा इसके क्रियान्वयन करने हेतु सरकारी गैर सरकारी संस्था तथा सभी शैक्षिक संगठनों को आगे आकर अपने उत्तर दायित्व का निर्वहन करना होगा इन सभी संस्थान को रोल मॉडल की भूमिका का निर्वहन करना होगा जिससे नई शिक्षा नीति 2020 को जन जन के कल्याण हेतु उपयोगी बनाया जा सके तथा सभी दिव्यांगजन इसका लाभ ले सके।

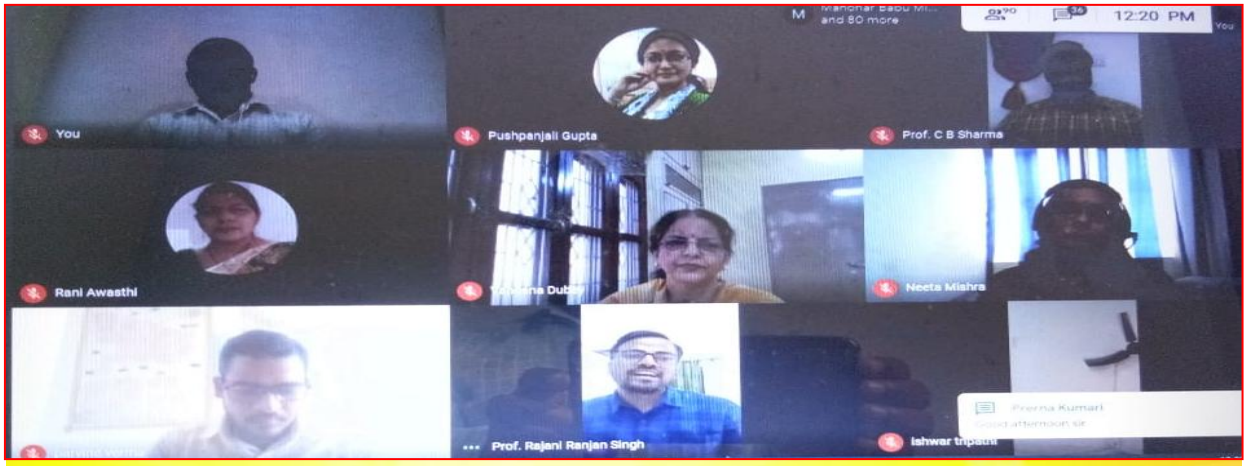

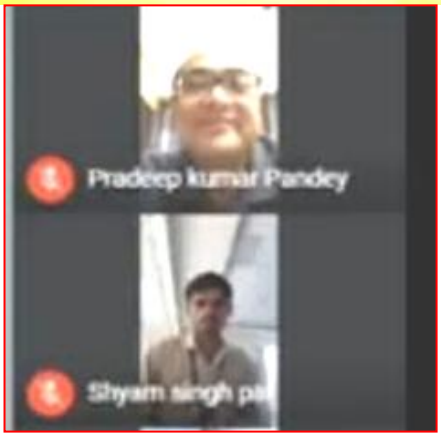

प्रोफेसर चंद्र भूषण शर्मा राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा दिव्यांग जनों की शिक्षा में मुक्त तथा दूरस्थ उपागम ओं की संभावनाएं प्रोफेसर सी बी शर्मा ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अंत्योदय की शिक्षा नीति है यह व्यक्ति या विद्यार्थियों के विकास को संपूर्ण बढ़ावा देती है मुक्त विश्वविद्यालय मे शक्ति निहित है जो सभी दिव्यांग जनों के लिए कल्याणकारी हो सकती है मुक्त विश्वविद्यालय अपने यहां तकनीकी की व्यवस्था कर दिव्यांग विद्यार्थियों की आवश्यकता के अनुरूप शिक्षित व प्रशिक्षित कर सकते हैं जैसे श्रवण बाधित हेतु संकेतिक भाषा में पाठ्यक्रम परीक्षा प्रणाली इत्यादि तथा दृष्टिबाधित हेतु ब्रेल सिस्टम इत्यादि की व्यवस्था कर उनकी आवश्यकता व उपयोगिता के अनुरूप संसाधनों की व्यवस्था कर विद्यार्थियों को घर बैठे शिक्षित करा सकता है इसके लिए आवश्यकता है कि दिव्यांग विद्यार्थियों के आवश्यकतानुसार तकनीकी उपकरण संसाधन व्यवस्था की जाए साथ ही साथ सभी विद्यालयों में दिव्यांग विद्यार्थियों के अनुरूप शिक्षा प्रणाली की व्यवस्था हो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास को विकसित कर नई शिक्षा नीति दूरस्थ माध्यम से दिव्यांग जनों के कल्याण में अहम भूमिका निभा सकती है ।

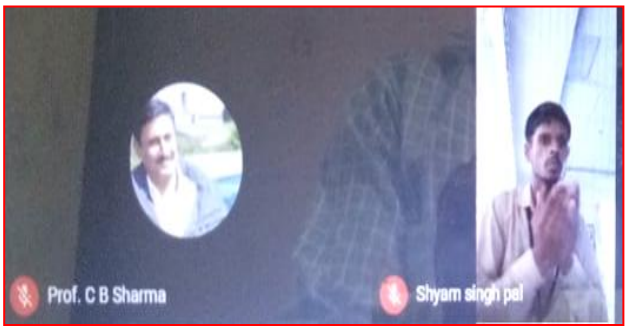

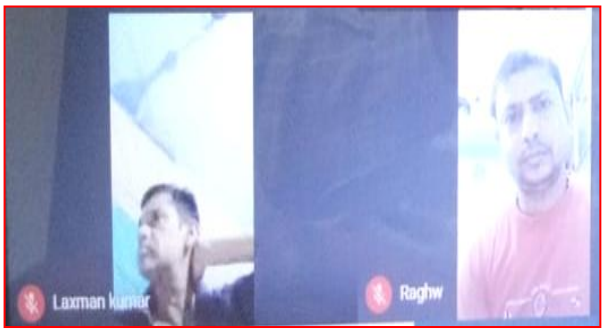

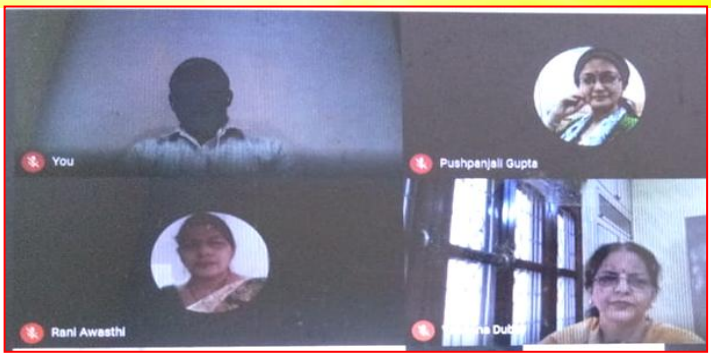

प्रोफेसर रजनी रंजन सिंह दिव्यांग जनों हेतु समावेशी शिक्षा तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रोफेसर सिंह ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को एक विजन डॉक्यूमेंट के रूप में बताया प्रत्येक राष्ट्र का विकास वहां की संस्कृति समाज तथा वातावरण आवश्यकता के अनुरूप होता है किसी भी शिक्षा पद्धति लागू करने से पहले बच्चों के मनोसामाजिक आवश्यकता को समझना अत्यंत आवश्यक होता है अतः विद्यार्थियों की योग्यता की स्क्रीनिंग करना अत्यंत आवश्यक है जब तक हम योग्यता को जांच नहीं कर पाएंगे तब तक हम अक्षमता को परिभाषित नहीं कर सकते आज दिव्यांग जनों की शिक्षा के लिए जितने भी विद्यालय डायट, सीआरसी ,विश्वविद्यालय है वह केवल कागजी कार्रवाई ही पूरा कर रहे हैं दिव्यांग विद्यार्थियों के अनुरूप ना तो ढांचागत व्यवस्था उपकरण व संसाधन है और ना ही पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में समावेशी शिक्षा का विस्तार पूर्वक चर्चा की गई है परंतु अभी धरातल पर कार्य करना बाकी है नई शिक्षा नीति को सफल बनाने हेतु आवश्यक है कि भारतीय पुनर्वास परिषद व एनसीईआरटी के बीच समझौता हो तथा एक नियम लागू हो प्रत्येक विद्यालय में दिव्यांगता के आवश्यकता के अनुरूप शिक्षकों की नियुक्ति हो विश्वविद्यालय मुक्त विश्वविद्यालय राष्ट्रीय संस्थान तथा गैर राष्ट्रीय संस्थान इन सब को समावेशी सेल का निर्माण करना होगा तथा समावेशी शिक्षा भारत के दृष्टिकोण में किस प्रकार विकसित हो सकती है इसकी संरचना एवं मॉडल बनाकर सरकार को अवगत कराने की आवश्यकता है राष्ट्रीय संस्थाएं एवं गैर सरकारी संस्थाएं विश्वविद्यालय मुक्त विश्वविद्यालय इत्यादि समावेशी शिक्षा का मॉडल विकसित करें बाधा रहित वातावरण का निर्माण करें तथा दिव्यांगों की आवश्यकता के अनुरूप तकनीकी उपकरणों आदि की व्यवस्था करते हुए रोल मॉडल होने तो विद्यालय पाठशाला की जगह आनंद शाला में परिवर्तित हो जाएगी सबका साथ सबका विकास तभी संभव होगा।

वेबीनार के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर पीके पांडे प्रभारी निदेशक शिक्षा विद्या शाखा उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 सरकार की एक अच्छी पहल है इसे अपने व्यवहार में लाने में बहुत सी चुनौतियां हैं दूरस्थ शिक्षा माध्यम द्वारा हम विभिन्न बाधाओं को दूर करते हुए इसे सफल बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

वेबीनार का धन्यवाद ज्ञापन डॉ पंकज कुमार सहायक आचार्य राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यागं सशक्तिकरण संस्थान देहरादून द्वारा किया गया तथा वेबीनार का संचालन श्रीमती पुष्पांजलि गुप्ता द्वारा किया गया।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

23 सितम्बर, 2020

कार्य परिषद् की 114वीं (आकस्मिक) बैठक आयोजित

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह
माव कुलपति

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कार्य परिषद् की 114वीं (आकस्मिक) बैठक दिनांक 23 सितम्बर, 2020 को पूर्वाह्न: 11:30 बजे ऑनलाइन वीडियों कान्फ्रेन्सिंग (ZOOM APP) के माध्यम से कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।

कार्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

कार्य परिषद् की 114वीं बैठक

बैठक में डॉ0 गोविन्द शेखर, अवकाश प्राप्त प्राचार्य, बहराइच, डॉ0 एस.एन.पी. गुप्ता, अवकाश प्राप्त विभागाध्यक्ष, कामर्स, डी.ए.वी. कालेज, कानपुर, श्री सुशील गुप्ता, रायबरेली, प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 (डॉ0) जी.एस. शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 पी.के. पाण्डेय, आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 रूचि बाजपेई, एसोसिएट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 दिनेश सिंह सहायक निदेशक/असिस्टेण्ट प्रोफसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

कार्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

23 सितम्बर, 2020

विश्वविद्यालय में दिनाँक 31–12–2001 तक दैनिक वेतनभागी/संविदा/वर्कचार्ज पर कार्यरत कार्मिको के विनियमितीकरण के सम्बन्ध में शासनादेश संख्या–9/2016/ वे0आ0–2–201/ दस–2016–8 (मु0स0स0)/2011 टी0 सी0 दिनाँक 24 फरवरी, 2016 एवं सपठित शासनादेश संख्या 1039/सत्तर–4–2020–1544(4)/16 दिनाँक 17 सितम्बर, 2020 के क्रम में विनियमितीकरण हेतु विश्वविद्यालय के पत्राँक ओ.यू./2689/2020 दिनाँक 18–09–2020 द्वारा गठित चयन समिति की बैठक दिनाँक 23–09–2020 की अनुशंसा के आधार पर विश्वविद्यालय में संविदा पर कार्यरत श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री सरजू प्रसाद, 182 बी/8 एल/1, कालिंदीपुरम् राजरूपपुर, प्रयागराज–211011, श्री संतोष कुमार चौधरी पुत्र श्री राम अवतार चौधरी, कुरमौटा, कुशीनगर एवं श्री लक्षमन, 4 अशोका रोड न्यू कैन्ट, प्रयागराज को अनुचर के पद पर लेबल–1 (अपुनरीक्षित वेतनमान 5200–20200 ग्रेड वेतन रू0 1800/–) में नियुक्त किया गया।

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने श्री प्रदीप कुमार, श्री संतोष कुमार चौधरी तथा श्री लक्षमन को नियुक्ति पत्र दिया । इस अवसर पर वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता एवं विश्वविवद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

श्री प्रदीप कुमार, श्री संतोष कुमार चौधरी तथा श्री लक्षमन को नियुक्ति पत्र देते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

25 सितम्बर, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय में पं0 दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन पर ई–व्याख्यान का आयोजन

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी के जन्मदिवस पर वेब संगोष्ठी

एकात्म मानववाद के पुरोधा पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी की **105**वी
जयन्ती के अवसर पर विशेष व्याख्यान
द्वारा

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज

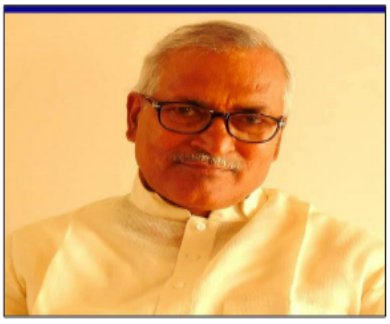

दिनाक :- 25-09-2020
समय:- पूर्वाहन 11:30

मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता
श्री रामाशीष जी , क्षेत्रीय संगठन मंन्त्री, प्रज्ञा प्रवाह

अध्यक्ष
माननीय कुलपति ,प्रो0 के0 एन0 सिंह

संयोजक :- प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल
निदेशक , पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजन सचिव:- डा0 सुरेन्द्र कुमार

Google Meet Link:-meet.google.com/mvv-cqvy-bfu

ई– व्याख्यान

ई–व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के
कुलपति, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी के जन्मदिवस पर वेब संगोष्ठी

एकात्म मानववाद के पुरोधा पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी की 105वी जयन्ती के अवसर पर विशेष व्याख्यान

द्वारा

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज

माननीय अतिथिगण

ई– व्याख्यान

दिनांक 25 सितम्बर, 2020 को पूर्वाह्न 11:30 बजे पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा एकात्म मानववाद के पुरोधा पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर ई– व्याख्यान का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता श्री रामाशीष जी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री, प्रज्ञा प्रवाह रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में स्वागत एवं अतिथि परिचय तथा विषय प्रवर्तन पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं कार्यक्रम के संयोजक प्रो0 जी.एस. शुक्ल ने किया। संचालन शिक्षा विद्याशाखा के असि. प्रोफेसर एवं आयोजन सचिव डॉ0 सुरेन्द्र कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापित कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक, अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयक तथा परामर्शदाताओं के साथ देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों आदि प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। राष्ट्रगान के उपरान्त कार्यक्रम का समापन हुआ।

ई– व्याख्यान

ई–संगोष्ठी का संचालन करते हुए शिक्षा विद्याशाखा के असि. प्रोफेसर एवं आयोजन सचिव डॉ0 सुरेन्द्र कुमार

माननीय अतिथिगण

अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता दिनों दिन बढ़ रही है। जल्द ही शोध पीठ द्वारा पं0 दीनदयाल जी के विचारों को लेकर उसमें व्यावहारिक अंजाम देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा।

मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता का उद्बोधन

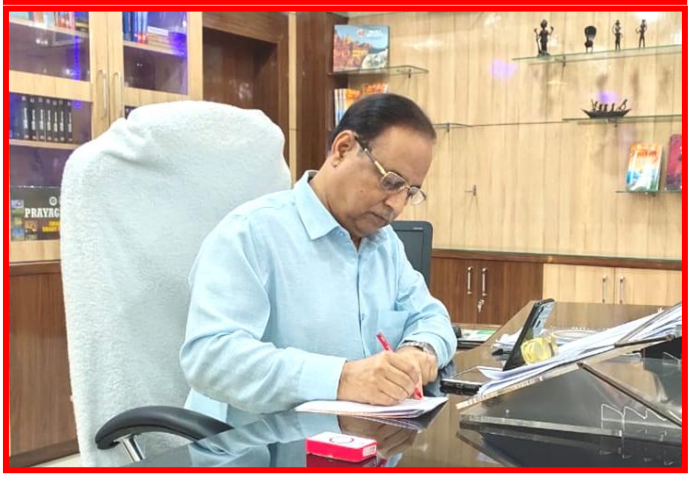

श्री रामाशीष जी

पंडित दीन दयाल उपाध्याय की विचारधारा से ही समावेशी विकास सम्भव : रामाशीष

ई–व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता तथा प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री रामाशीष जी ने कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय को जीवन के यथार्थ का धरातल स्थल पर ज्ञान था और बुद्ध की तरह उनको दिव्य ज्ञान प्राप्त था। अपने एकात्म मानववाद दर्शन के आधार पर उन्होंने समतायुक्त, विषमतामुक्त एवं समरसतापूर्ण भारत की रचना का स्वप्न देखा था। एक ऐसे कालखण्ड में उन्होंने एकात्म मानववाद का दर्शन दिया जब पूंजीवाद, साम्यवाद दोनों खेमों के बीच शीतयुद्ध चल रहा था। यह शीतयुद्ध मानव कल्याण के लिये नहीं बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था पर कब्जा करने के लिए संघर्ष था। आज यह दोनों व्यवस्थायें बिखर चुकी है। इसलिए भारत चीन युद्ध के बाद 1967 में उन्होंने एकात्म मानवाद के दर्शन को जनसामान्य के समक्ष प्रस्तुत किया और आज यह विश्व फलक पर स्थापित हो चुका है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय की विचारधारा सार्वभौमिक, सर्वकालिक तथा सर्वप्रासंगिक है। इसी से समावेशी विकास संभव है।

अध्यक्षीय उद्‌बोधन

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

इक्कीसवीं शताब्दी की समस्याओं का समाधान एकात्मवाद से : प्रो0 सिंह

इक्कीसवीं शताब्दी की समस्याओं का समाधान पूंजीवादी एवं साम्यवादी विचारधाराओं के पास नहीं, अपितु भारत की गर्जनांद से निकली विचारधारा एकात्म मानववाद है जो दीनदयाल जी का मौलिक दर्शन है। उक्त वक्तव्य दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा पं0 दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित ई–व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने अध्यक्षता करते हुए दिया। प्रो0 सिंह ने कहा कि एकात्म मानववाद का दर्शन एकीकृत सिद्धान्त है जिसके आधार पर आदर्श कृषि व्यवस्था, प्रौद्योगिकी व्यवस्था, व्यापार एवं सेवा व्यवस्था तथा शैक्षिक क्षेत्र की पुनर्रचना समाजहित एवं राष्ट्रहित में की जा सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पूंजीवाद रूग्णता का शिकार है और साम्यवाद अपनी प्रासंगिकता खो चुका है अब एकात्म मानववाद के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है।

ई–व्याख्यान से जुड़े सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कुलसचिव, डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता

ई–व्याख्यान में प्रतिभाग करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

25 सितम्बर, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या में पं0 दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन पर कार्यक्रम आयोजित

एकात्म मानववाद के पुरोधा पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर उनके चित्र माल्यार्पण करते हुए करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी एवं कर्मचारीगण

अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
सूर्योदय : 05:50 बजे
सूर्यास्त : 06:16 बजे
वर्ष : 42 | अंक : 285 | प्रयागराज, शनिवार 26 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपए

21 वीं शताब्दी में समस्याओं का समाधान एकात्म मानववाद से : प्रो. सिंह

प्रयागराज। 21 वीं शताब्दी की समस्याओं का समाधान पूंजीवादी अनुसार में वादी विचार धाराओं के पास नहीं अपितु भारत की गर्जनांद से निकली विचारधारा एकात्म मानववाद है। जो दीनदयाल का मौलिक दर्शन है उक्त वक्तव्य दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने अध्यक्षता करते हुए दिया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि एकात्म मानववाद का दर्शन एकीकृत सिद्धांत है जिसके आधार पर आदर्श कृषिव्यवस्था, प्रौद्योगिकी व्यवस्था, व्यापार एवं सेवा व्यवस्था तथा शैक्षिक क्षेत्र की पुनर्रचना समाज हित एवं राष्ट्र हित में की जा सकती

है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पूंजीवाद और रुग्णता का शिकार है और साम्यवाद अपनी प्रासंगिकता खो चुका है अब एकात्म मानववाद के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है। अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के निदेशक प्रोफेसर जीएस शुक्ला ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता दिनोंदिन बढ़ रही है।जल्द ही शोध पीठ द्वारा पंडित दीनदयाल जी के विचारों को लेकर उसमें व्यवहारिक अंजाम देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। व्याख्यान का संचालन डॉ सुरेंद्र कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर शिक्षा विद्या शाखा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने किया

दैनिक जागरण

एकात्म मानववाद से ही होगा समस्याओं का समाधान : कुलपति

ई-व्याख्यान

जासं, प्रयागराज : 21वीं सदी की समस्याओं का समाधान भारत की गर्जनाद से निकली विचारधारा एकात्म मानववाद से ही है। यह पंडित दीनदयाल का मौलिक दर्शन था। यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहीं। वह शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ की ओर से पंडित उपाध्याय के जन्मदिन पर व्याख्यान में बोल रहे थे। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा, एकात्म मानववाद का दर्शन एकीकृत सिद्धांत है। आदर्श कृषि व्यवस्था, प्रौद्योगिकी व्यवस्था, व्यापार व सेवा व्यवस्था व शैक्षिक क्षेत्र की पुनर्रचना, समाजहित एवं राष्ट्र हित में की जा सकती है। मुख्य अतिथि प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्रीय संगठन मंत्री रामाशीष ने कहा, जीवन के यथार्थ का धरातल स्थल पर ज्ञान था। अतिथियों का स्वागत प्रोफेसर जीएस शुक्ल, व्याख्यान का संचालन डॉ. सुरेंद्र कुमार और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने किया।

संगम पर वर्षभर सुरक्षा इंतजाम की रिपोर्ट तलब पेज02 | वाइल्ड पोर्नोग्राफी बेचने के आरोप में सीबीआई केस पेज 15

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

बेहतर काम
लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि महामारी के बीच मानसून सत्र में सांसदों की औसत उपस्थिति अन्य सत्रों की तरह रही। सत्र की कार्य उत्पादकता 167 प्रतिशत रही।

शनिवार, 26 सितंबर 2020, प्रयागराज, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण www.livehindustan.com वर्ष 11, अंक 230, 18 पेज, मूल्य ₹6.00, आश्विन शुक्ल पक्ष, दशमी, विक्रम संवत् 2077

दीनदयाल को बुद्ध की तरह प्राप्त था दिव्य ज्ञान: रामाशीष

प्रयागराज। 21वीं शताब्दी की समस्याओं का समाधान पूंजीवादी विचार धाराओं के पास नहीं अपितु भारत की विचारधारा एकात्म मानववाद के पास है जो दीनदयाल उपाध्याय का मौलिक दर्शन है। यह बातें कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहीं।

वे शुक्रवार को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित पं. दीनदयाल उपाध्याय के जयंती पर बोल रहे थे। मुख्य अतिथि प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्रीय संगठन मंत्री रामाशीष ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय को जीवन के यथार्थ का धरातल स्थल पर ज्ञान था और बुद्ध की तरह उनको दिव्य ज्ञान प्राप्त था। प्रो. जीएस शुक्ल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता दिनोंदिन बढ़ रही है। जल्द ही शोध पीठ द्वारा पंडित दीनदयाल के विचारों को लेकर उसे व्यावहारिक अंजाम देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। संचालन डॉ. सुरेंद्र कुमार, धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने किया।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, शनिवार , 26 सितम्बर 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

21 वीं शताब्दी में समस्याओं का समाधान एकात्म मानववाद से- प्रोफेसर सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन पर ई व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज।21 वीं शताब्दी की समस्याओं का समाधान पूंजीवादी अनुसार में वादी विचार धाराओं के पास नहीं अपितु भारत की गर्जनांद से निकली विचारधारा एकात्म मानववाद है। जो दीनदयाल जी का मौलिक दर्शन है उक्त वक्तव्य दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने अध्यक्षता करते हुए दिया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि एकात्म मानववाद का दर्शन एकीकृत सिद्धांत है जिसके आधार पर आदर्श कृषिव्यवस्था, प्रौद्योगिकी व्यवस्था, व्यापार एवं सेवा व्यवस्था तथा शैक्षिक क्षेत्र की पुनर्रचना समाज हित एवं राष्ट्र हित में की जा सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पूंजीवाद और रुग्णता का शिकार है और साम्यवाद अपनी प्रासंगिकता खो चुका है अब एकात्म मानववाद के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है। ई व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता, प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री रामाशीष ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय को जीवन के यथार्थ का धरातल स्थल पर ज्ञान था और बुद्ध की तरह उनको दिव्य ज्ञान प्राप्त था। अपने एकात्म मानववाद दर्शन के आधार पर उन्होंने क्षमता युक्त विषमता मुक्त एवं समरसता पूर्ण भारत की रचना का स्वप्न देखा था। एक ऐसे कालखंड में उन्होंने एकात्म मानववाद का दर्शन दिया जब पूंजीवाद साम्यवाद दोनों खेमों के बीच शीत युद्ध चल रहा था। यह शीत युद्ध मानव कल्याण के लिए नही बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था पर कब्जा करने के लिए संघर्ष था। आज यह दोनों व्यवस्थाएं बिखर चुकी हैं। इसीलिए भारत चीन युद्ध के बाद 1967 में उन्होंने एकात्म मानववाद के दर्शन को जनसामान्य के समक्ष प्रस्तुत किया और आज यह विश्व फलक पर स्थापित हो चुका है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा सार्वभौमिक, सर्वकालिक तथा सर्व प्रासंगिक है। इसी से समावेशी विकास संभव है। अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ला ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता दिनोंदिन बढ़ रही है।जल्द ही शोध पीठ द्वारा पंडित दीनदयाल जी के विचारों को लेकर उसमें व्यवहारिक अंजाम देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। व्याख्यान का संचालन डॉं सुरेंद्र कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर शिक्षा विद्या शाखा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने किया।

कुलपति प्रोफेसर केएन सिंह

रामाशीष जी

प्रोफेसर जी एस शुक्ल

अमर उजाला

वर्ष 24 | अंक 102 | पृष्ठ : 18

प्रयागराज शनिवार, 26 सितंबर 2020

amarujala.com यस बैंक मामला राणा कपूर का लंदन स्थित 127 करोड़ का फ्लैट ईडी ने किया अटैच...13 उत्तर प्रदेश

अमर उजाला प्रयागराज amarujala.com प्रयागराज | शनिवार, 26 सितंबर 2020 6

मुक्त विवि में याद किए गए पंडित दीन दयाल

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर ई-व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्रीय संगठन मंत्री रामाशीष ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय को जीवन के यथार्थ का धरातल स्थल पर ज्ञान था और बुद्ध की तरह उनका दिव्य ज्ञान प्राप्त था विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि अपने एकात्म मानववाद दर्शन के आधार पर पंडित दीनदयाल ने क्षमता युक्त, विषमता मुक्त एवं समरसता पूर्ण भारत की रचना का स्वप्न देखा था।

IGR

INDIA GROUND REPORT

ज़मीनी सच को तलाशने की एक कोशिश

एकात्म मानववाद में सभी समस्याओं का समाधान: प्रो. कामेश्वरनाथ

Saturday, September 26, 2020

प्रयागराज. 21वीं शताब्दी की समस्याओं का समाधान पूंजीवादी विचार धाराओं के पास नहीं, अपितु भारत से निकली विचारधारा एकात्म मानववाद में है। यह पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मौलिक दर्शन है। यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) के दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ द्वारा आयोजित ई-व्याख्यान में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि एकात्म मानववाद का दर्शन एकीकृत सिद्धांत है। जिसके आधार पर आदर्श कृषि व प्रौद्योगिकी, व्यापार एवं सेवा व्यवस्था के साथ-साथ शैक्षिक क्षेत्र की पुनर्रचना, समाज हित एवं राष्ट्र हित में की जा सकती है। कहा, वर्तमान समय में पूंजीवाद रुग्णता का शिकार है और साम्यवाद अपनी प्रासंगिकता खो चुका है। ऐसे में एकात्म मानववाद ही बेहतर विकल्प है। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता, प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्रीय संगठन मंत्री रामाशीष ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद दर्शन के आधार पर उन्होंने क्षमता युक्त विषमता मुक्त एवं समरसता पूर्ण भारत की रचना का स्वप्न देखा था। इसी से समावेशी विकास संभव है। अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन प्रो. जीएस शुक्ला ने किया। संचालन डॉ. सुरेंद्र कुमार ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने किया।

हिन्दी दैनिक

R.N.I. NoUPHIN/2015/60403

शिव इण्डिया टाइम्स

नजरिया तरक्की का

अमेठी, शनिवार 26 सितंबर 2020

21 वीं शताब्दी में समस्याओं का समाधान एकात्म मानववाद से- प्रोफेसर सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन पर ई व्याख्यान का आयोजन

एस आई टी ब्यूरो प्रयागराज 21 वीं शताब्दी की समस्याओं का समाधान पूंजीवादी अनुसार में वादी विचार धाराओं

के पास नहीं अपितु भारत की गर्जनांद से निकली विचारधारा एकात्म मानववाद है। जो दीनदयाल जी का मौलिक दर्शन है उक्त वक्तव्य दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने अध्यक्षता करते हुए दिया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि एकात्म मानववाद का दर्शन एकीकृत सिद्धांत है जिसके आधार पर आदर्श कृषिव्यवस्था, प्रौद्योगिकी व्यवस्था, व्यापार एवं सेवा व्यवस्था तथा शैक्षिक क्षेत्र की पुनर्रचना समाज हित एवं राष्ट्र हित में की जा सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पूंजीवाद और रुग्णता का शिकार है और साम्यवाद अपनी प्रासंगिकता खो चुका है अब एकात्म मानववाद के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है। ई व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता, प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री रामाशीष ने कहा कि पंडित दीनदयाल

उपाध्याय को जीवन के यथार्थ का धरातल स्थल पर ज्ञान था और बुद्ध की तरह उनको दिव्य ज्ञान प्राप्त था। अपने एकात्म मानववाद दर्शन के आधार पर उन्होंने क्षमता युक्त विषमता मुक्त एवं समरसता पूर्ण भारत की रचना का स्वप्न देखा था। एक ऐसे कालखंड में उन्होंने एकात्म मानववाद का दर्शन दिया जब पूंजीवाद साम्यवाद दोनों खेमों के बीच शीत युद्ध चल रहा था। यह शीत युद्ध मानव कल्याण के लिए नहीं बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था पर कब्जा करने के लिए संघर्ष था। आज यह दोनों व्यवस्थाएं बिखर चुकी हैं। इसीलिए भारत चीन युद्ध के बाद 1967 में उन्होंने एकात्म मानववाद के दर्शन को जनसामान्य के समक्ष प्रस्तुत किया और आज यह विश्व फलक पर स्थापित हो चुका है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा सार्वभौमिक, सर्वकालिक तथा सर्व प्रासंगिक है। इसी से समावेशी विकास संभव है। अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ला ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता दिनोंदिन बढ़ रही है।जल्द ही शोध पीठ द्वारा पंडित दीनदयाल जी के विचारों को लेकर उसमें व्यवहारिक अंजाम देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। व्याख्यान का संचालन डॉ सुरेंद्र कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर शिक्षा विद्या शाखा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने किया।

3 राजधानी विरोध के बीच अमीनाबाद में लगने लगीं पटरी दुकानें 6 अभिमत न्यायपालिका व सिविल सेवाओं की स्वतंत्रता 10 स्पोर्ट्स सॉन का शानदार अर्धशतक दिल्ली का दिखा दम 11 विदेश घटना पर किम जोंग उन ने जताया खेद

RNI NO. UPHIN/2010/36547

पायनियर

शूटिंग शुरू करने से पहले वरुण धवन ने कराई कोविड-19 जांच विविध-12

www.dailypioneer.com

21 वीं शताब्दी में समस्याओं का समाधान एकात्म मानववाद से: प्रो. कामेश्वर सिंह

● मुक्त विश्वविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन पर ई व्याख्यान का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

21वीं शताब्दी की समस्याओं का समाधान पूंजीवादी अनुसार में वादी विचार धाराओं के पास नहीं अपितु भारत की गर्जनांद से निकली विचारधारा एकात्म मानववाद है। जो दीनदयाल जी का मौलिक दर्शन है। यह बातें दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने अध्यक्षता करते हुए कहीं।

प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि एकात्म मानववाद का दर्शन एकीकृत सिद्धांत है। जिसके आधार पर आदर्श कृषिव्यवस्था प्रौद्योगिकी व्यवस्था व्यापार एवं सेवा व्यवस्था तथा शैक्षिक क्षेत्र की पुनर्रचना समाज हित एवं राष्ट्र हित में की जा सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पूंजीवाद और रुग्णता का शिकार है और साम्यवाद अपनी प्रासंगिकता खो चुका है अब एकात्म मानववाद के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है।

ई व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्रीय संगठन मंत्री रामाशीष ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय को जीवन के यथार्थ का धरातल स्थल पर ज्ञान था और बुद्ध की तरह उनको दिव्य ज्ञान प्राप्त था। अपने एकात्म मानववाद दर्शन के आधार पर उन्होंने क्षमता युक्त विषमता मुक्त एवं समरसता पूर्ण भारत की रचना का स्वप्न देखा था। एक ऐसे कालखंड में उन्होंने एकात्म मानववाद का दर्शन दिया जब पूंजीवाद साम्यवाद दोनों खेमों के बीच शीत युद्ध चल रहा था। यह शीत युद्ध मानव कल्याण के लिए नहीं बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था पर कब्जा करने के लिए संघर्ष था। आज यह दोनों व्यवस्थाएं बिखर चुकी हैं। इसीलिए भारत चीन युद्ध के बाद 1967 में उन्होंने एकात्म मानववाद के दर्शन को जनसामान्य के समक्ष प्रस्तुत किया और आज यह विश्व फलक पर स्थापित हो चुका है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा सार्वभौमिक सर्वकालिक तथा सर्व प्रासंगिक है। इसी से समावेशी विकास संभव है। अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ला ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता दिनोंदिन बढ़ रही है।

दूसरो से उतनी ही उम्मीद की जानी चाहिए, जितनी जरुरी हो, क्योंकि अधिक उम्मीद करना ही स्वयं के दुखों का कारण है। ब्रह्माकुमारी

दैनिक खबरों में हमारा शहर

भोपाल-नागपुर-जयपुर से प्रकाशित

www.khabromehamarashahar.com

वर्ष- 8 अंक-168 भोपाल, रविवार 27 सितंबर 2020 पृष्ठ-8 मूल्य- 2 रूपये

सच के साथ हमेशा

3 ▸▸ विश्व पर्यटन दिवस पर राजधानी के... 5 ▸▸ अरनिया खुर्द द्वारा सूचना के अधिकार की... 7 ▸▸ बस स्टैंड की हालत बद से बदतर कोई...

21 वीं शताब्दी में समस्याओं का समाधान एकात्म मानववाद से : प्रोफेसर सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में कोविड19 के चलते, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन पर ई व्याख्यान का हुवा आयोजन

सुधीर सिन्हा, प्रयागराज

21 वीं शताब्दी की समस्याओं का समाधान पूंजीवादी अनुसार में वादी विचार धाराओं के पास नहीं अपितु भारत की गर्जनांद से निकली विचारधारा एकात्म मानववाद है। जो दीनदयाल जी का मौलिक दर्शन है उक्त वक्तव्य दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने अध्यक्षता करते हुए दिया।

प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि एकात्म मानववाद का दर्शन एकीकृत सिद्धांत है जिसके आधार पर आदर्श कृषिव्यवस्था, प्रौद्योगिकी व्यवस्था, व्यापार एवं सेवा व्यवस्था तथा शैक्षिक क्षेत्र की पुनर्रचना समाज हित एवं राष्ट्र हित में की जा सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पूंजीवाद और रुग्णता का शिकार है और साम्यवाद अपनी प्रासंगिकता खो चुका है अब एकात्म मानववाद के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है।कोविड19 के चलते हुवे ई व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता, प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्रीय संगठन मंत्री रामाशीष ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय को जीवन के यथार्थ का धरातल स्थल पर ज्ञान था और बुद्ध की तरह उनको दिव्य ज्ञान प्राप्त था। अपने एकात्म मानववाद दर्शन के आधार पर उन्होंने क्षमता युक्त विषमता मुक्त एवं

समरसता पूर्ण भारत की रचना का स्वप्न देखा था। एक ऐसे कालखंड में उन्होंने एकात्म मानववाद का दर्शन दिया जब पूंजीवाद साम्यवाद दोनों खेमों के बीच शीत युद्ध चल रहा था। यह शीत युद्ध मानव कल्याण के लिए नहीं बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था पर कब्जा करने के लिए संघर्ष था। आज यह दोनों व्यवस्थाएं बिखर चुकी हैं। इसीलिए भारत चीन युद्ध के बाद 1967 में उन्होंने एकात्म मानववाद के दर्शन को जनसामान्य के समक्ष प्रस्तुत किया जो आज विश्व फलक पर स्थापित हो चुका है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा सार्वभौमिक, सर्वकालिक तथा सर्व प्रासंगिक है। इसी से समावेशी विकास संभव है।

अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ला ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता दिनोंदिन बढ़ रही है।जल्द ही शोध पीठ द्वारा पंडित दीनदयाल जी के विचारों को लेकर उसमें व्यवहारिक अंजाम देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। व्याख्यान का संचालन डॉ सुरेंद्र कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर शिक्षा विद्या शाखा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने किया।

वॉयस ऑफ लखनऊ | 3
लखनऊ,शनिवार 26 सितम्बर 2020
voiceoflucknow@gmail.com
मेट्रो

मुक्त विवि में आवेदन तिथि बढ़ी

लखनऊ। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि, प्रयागराज के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने जुलाई सत्र में प्रवेश की तिथि को बढ़ाते हुए तीन अक्टूबर कर दी है।इसकी जानकारी देते हुये क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डा. निरांजलि सिन्हा ने बताया कि इच्छुक छात्र-छात्रायें विवि की वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर जाकर ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं।

अमृत विचार

स्नातक में एडमिशन के लिए यूपीआरटीओयू ने बढ़ाया समय

लखनऊ। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 3 अक्टूबर कर दी है। प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि कोविड-19 के कारण विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों को लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 3 अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी।

प्रवेश की तिथि बढ़ाई

सुनील चौहान पब्लिक एशिया

बागपत। वैश्विक महामारी के चलते अभिभावकों एवं छात्र छात्राओं ओर की परेशानियों को ष्टिगत रखते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रवेश तिथि बढात हुए 3 अक्टूबर कर दी।

मां अंबा बालिका डिग्री कालिज ग्वालीखेडा बागपत के प्राचार्य डा0 राजीव गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की प्रवेश तिथि एक बार फिर बढा दी गयी है अब छात्र-छात्राए 3 अक्टूबर तक प्रवेश फार्म भर सकते है।

डा राजीव गुप्ता ने बताया कि मां अम्बा बालिका डिग्री कालिज ग्वालीखेडा बागपत में एमए योग, गृहविज्ञान, एमएससी बायोकैमेस्ट्री, फूड एंड न्यूट्रीशन , बीए बीएससी पाठ्यक्रम के साथ अनेक रोजगार परक पाठ्यक्रम डिप्लोमे ओर प्रमाणपत्र उपलब्ध है . उन्होंने बताया कि प्रवेश फार्म भरने में यदि किसी को कोई समस्या आती है तो उसके लिए छात्रों छात्राओं के समाधान के लिए अध्ययन केन्द्र पर परामर्शदाता समाधान करने हेतु उपलब्ध रहते हैं। डाक्टर राजीव गुप्ता ने कहा कि इस वैश्विक महामारी के दौर मे दूरस्थ शिक्षा सबसे अच्छा विकल्प हैं जोकि समय की मांग भी है इसलिए सभी छात्र छात्राओं को इसके लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने विश्विविद्यालय के कुलपति को भी तिथि बढ़ाने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति छात्र छात्राओं के हित मे निर्णय लिया हैं।

स्वतंत्र भारत

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई २०२०-२१ के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर ३ अक्टूबर २०२० कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डा. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-१९ के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों को लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में ३ अक्टूबर तक आनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
प्रयागराज, सोमवार , 28 सितम्बर 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

मुक्तविश्वविद्यालय में प्रवेश तिथि बढ़ी

प्ररयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020–21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 3 अक्टूबर 2020 कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड–19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों को लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 3 अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है।

R.N.I. UPHIN/2012/52437
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 06
अंक : 357
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
रविवार, 27 सितम्बर, 2020
जुनून है सच दिखाने का
मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश तिथि बढ़ी

संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 3 अक्टूबर 2020 कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों को लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निणय लिया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 3 अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

प्रयागराज, रविवार
27 सितंबर 2020
दैनिक जागरण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश तिथि बढ़ी

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने सत्र जुलाई 2020-21 में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर तीन अक्टूबर कर दी। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि कोविड-19 के कारण कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि प्रयागराज समेत सभी क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में तीन अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी।

हिन्दी दैनिक

R.N.I. NoUPHIN/2015/60403

शिव इण्डिया टाइम्स

नजरिया तरक्की का

वर्ष : 06 अंक : 171 अमेठी , रविवार, 27 सितंबर 2020 प्रातः कालीन पृष्ठ : 8 मूल्य : 2 रूपया

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश तिथि बढ़ी

एस आई टी ब्यूरो

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020–21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 3 अक्टूबर 2020 कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड–19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों को लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 3 अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के इअइद्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 14 अंक : 03

प्रयागराज रविवार 27 सितम्बर 2020

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बढ़ाया मनोबल | 56 सीटों पर फंसा है जेडीयू और

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020–21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 3 अक्टूबर 2020 कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड–19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों को लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 3 अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

जनसंदेश टाइम्स

प्रयागराज, रविवार, 27 सितंबर, 2020 परख सच की

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 3 अक्टूबर कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों को लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से सम्बद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 3 अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है।

लोकमित्र

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 3 अक्टूबर 2020 कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों को लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 3 अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

दैनिक जागरण

Prayagraj, Sunday, 27 September 2020

PRAYAGRAJ EDITION

www.inextlive.com

अब 3 अक्टूबर तक एडमिशन

PRAYAGRAJ (26 Sept): उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश सत्र जुलाई 2020–21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 3 अक्टूबर कर दी गई है. यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि कोविड–19 के कारण कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया.

lucknow.amarujala.com

रविवार • 27.09.2020

my city

अमर उजाला

5

एमबीए-एमसीए में प्रवेश परीक्षा नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एमबीए और एमसीए में प्रवेश की तिथि 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। विवि की ओर से जारी निर्देश के अनुसार इस साल एमबीए और एमसीए पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा नहीं होगी। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश, निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर दिया जाएगा।

अमर उजाला

SELECT

प्रयागराज CITY 4

मुक्त विवि में प्रवेश की तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्याल में सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर तीन अक्तूबर कर दी गई है। यह निर्णय कोविड-19 के मद्देनजर लिया गया है, ताकि विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों को लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश की सुविधा मिल सके। प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव के अनुसार ऐसे शिक्षार्थी, जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वे बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

SUNDAY 27.09.2020

अमर उजाला

अमर उजाला प्रयागराज युवा Youth 8

मुक्त विवि में प्रवेश की तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्याल में सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर तीन अक्तूबर कर दी गई है। यह निर्णय कोविड-19 के मद्देनजर लिया गया है, ताकि विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों को लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश की सुविधा मिल सके। प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव के अनुसार ऐसे शिक्षार्थी, जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वे बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 3 अक्टूबर कर दी गई है।

यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों को लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से सम्बद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 3 अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
प्रयागराज, रविवार 27 सितम्बर, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, में प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 3 अक्टूबर कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों को लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निणय लिया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 3 अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते है।

स्वतंत्र चेतना www.swatantrachetnanews.com | प्रयागराज महानगर | प्रयागराज, रविवार 27 सितम्बर 2020

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की तिथि बढ़ी

प्रयागराज। राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अन्तिम तिथि बढ़ाकर 3 अक्बूर कर दी गयी है यह जानकारी प्रवेश प्रभारी डा. ज्ञान प्रकाश यादव ने देते हुए बताया कि वैश्विक महामहारी कोविड 19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केन्द्रों पर छात्रों को प्रवेश की सुविधा का लाभ विभिन्न पाठक्रमों में देने के लिए कुलपति प्रो. के.एन. सिंह के अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें यह निर्णय लिया गया है कि प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरथ, वाराणसी, झांसी, नोयडा, आजमगढ़, तथा कानपुर आदि क्षेत्रिय केन्द्रों से सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम द्वितीय तृतीय वर्ष में 3 अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न होगी।

ऐसे परीक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय व तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया व बिना परीक्षाफल का इंतजार किये अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

रविवासरीय **हिन्दुस्तान**
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
दूसरी बार संक्रमण होने पर ज्यादा वायरस मिले 10 | जॉनसन एंड जॉनसन का टीका परीक्षण में खरा 14
रविवार, 27 सितंबर 2020, प्रयागराज www.livehindustan.com

युवा | आज का दिन वर्ष 1871 में सरदार वल्लभभाई पटेल के बड़े भाई और स्वतंत्रता सेनानी विट्ठलभाई पटेल का जन्म। | हिन्दुस्तान 06 प्रयागराज • रविवार • 27 सितंबर 2020

मुक्त विवि में 3 अक्तूबर तक प्रवेश

प्रयागराज। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में दाखिले की अंतिम तिथि एक बार फिर बढ़ा कर तीन अक्तूबर कर दी गई है। यह जानकारी प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने दी है। कहा कि कोविड-19 के कारण यह निर्णय कुलपति प्रो. केएन सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। डॉ. यादव ने बताया कि प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में तीन अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया चलेगी।

3 राजधानी मॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर होगी थर्मल स्क्रीनिंग | 5 अभिमत कृषि विधेयकों के उद्देश्य व संभावित परिणाम | 7 राष्ट्रीय वैज्ञानिकों ने हर चुनौती को अवसर में बदला | 8 स्पोर्ट्स केकेआर को मिल ने दिलाई जीत
RNI NO. UPHIN/2010/36547
लखनऊ, रविवार, 27 सितंबर, 2020
पायनियर
www.dailypioneer.com
सफलता का नया मार्ग दिखाती शिक्षा तकनीक — आज के अंक के साथ एजेंडा
पायनियर लखनऊ, रविवार, 27 सितंबर, 2020 | प्रादेशिकी 6

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020 21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर तीन अक्टूबर 2020 कर दी गई है। प्रवेश प्रभारी डॉक्टर ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड 19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों को लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज अयोध्या लखनऊ बरेली आगरा मेरठ वाराणसी झांसी नोएडा आजमगढ़ गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम द्वितीय तृतीय वर्ष में तीन अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है। वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

एडवोकेट राकेश शर्मा शहर अध्यक्ष आदि मौजूद थे।

उ. प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की प्रवेश तिथि बढी

- **छात्र-छात्राए 3 अक्टूबर तक प्रवेश फार्म भर सकते है**

बागपत (युरेशिया)। वैश्विक महामारी के चलते अभिभावकों एवं छात्र छात्राओं ओर की परेशानियों को दृष्टिगत रखते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रवेश तिथि बढाते हुए 3 अक्टूबर कर दी। मां अंबा बालिका डिग्री कालिज ग्वालीखेडा बागपत के प्राचार्य डा0 राजीव गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की प्रवेश तिथि एक बार फिर बढा दी गयी है अब छात्र-छात्राए 3 अक्टूबर तक प्रवेश फार्म भर सकते है। डा राजीव गुप्ता ने बताया कि मां अम्बा बालिका डिग्री कालिज ग्वालीखेडा बागपत में एमए योग, गृहविज्ञान, एमएससी बायोकैमेस्ट्री, फूड एंड न्यूट्रीशन , बीए बीएससी पाठ्यक्रम के साथ अनेक रोजगार परक पाठ्यक्रम डिप्लोमे ओर प्रमाणपत्र उपलब्ध है . उन्होंने बताया कि प्रवेश फार्म भरने में यदि किसी को कोई समस्या आती है तो उसके लिए छात्रों छात्राओं के समाधान के लिए अध्ययन केन्द्र पर परामर्शदाता समाधान करने हेतु उपलब्ध रहते हैं।

डाक्टर राजीव गुप्ता ने कहा कि इस वैश्विक महामारी के दौर मे दूरस्थ शिक्षा सबसे अच्छा विकल्प हैं जोकि समय की मांग भी है इसलिए सभी छात्र छात्राओं को इसके लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने विश्विविद्यालय के कुलपति को भी तिथि बढ़ाने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति छात्र छात्राओं के हित मे निर्णय लिया है जिससे अधिक से अधिक छात्र छात्राएं इसका लाभ ले सके।

देश के लिए कृषि कानूनों का विरोध जरूरी: राहुल पेज 15 | गिलगित-बाल्टिस्तान चुनाव पर भारत ने जताई आपत्ति पेज 17

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

बुधवार, 30 सितंबर 2020, प्रयागराज, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण | www.livehindustan.com | वर्ष 11, अंक 233, 20 पेज, मूल्य ₹6.00, आश्विन शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी, विक्रम संवत् 2077

सलमान की हमदर्दी

बिग बॉस से 14वें सीजन के पहले प्रेस कान्फ्रेंस में सलमान खान ने माहौल को पॉजिटिव बनाने के लिए कैंसर पीड़ित बच्चों की बातचीत कर उनके प्रति हमदर्दी जताई।

मुक्त विवि में बीएड की काउंसलिंग 12 से होगी

प्रयागराज | निज संवाददाता

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के नए सत्र में बीएड एवं बीएड विशिष्ट की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 12 अक्टूबर से प्रारंभ होगी। यह जानकारी प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रो. पीपी दुबे ने दी है।

उन्होंने बताया कि इस बार बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 12 से 14 अक्टूबर तक संचालित की जाएगी। अभ्यर्थियों की कटऑफ मेरिट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। काउंसिलिंग विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में पुस्तकालय भवन के तृतीय तल पर स्थित परीक्षा हाल में होगी। इसी प्रकार बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन के द्वितीय तल पर स्थित कक्ष संख्या 202 में होगी।

महानगर
वर्ष 24 | अंक 106 | पृष्ठ : 18
मूल्य : छह रुपये
6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

अमर उजाला

प्रयागराज
बुधवार, 30 सितंबर 2020

amarujala.com | अमेरिका | राष्ट्रपति चुनाव से पहले बढ़ीं 15 फीसदी हत्याएं ...14 | उत्तर प्रदेश

मुक्त विवि में बीएड काउंसलिंग 12 से

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की बीए एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020-21 की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 12 अक्तूबर से शुरू होगी। प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रो. पीपी दुबे के अनुसार काउंसलिंग 14 अक्तूबर तक संचालित की जाएगी। प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों की कटऑफ मेरिट वेबसाइट पर जारी कर दी गई है।

EDITORIAL

Cooling off

Some years ago, a parliamentary panel had recommended that the cooling off period for an Army officer joining the private sector be raised from one to two years, and that for officers of the rank of Brigadier and above be pegged at five years.

These recommendations had come in the wake of a recently retired Lieutenant General reportedly offering a bribe to then Army chief and current Minister, VK Singh, for purchase of substandard equipment.

While efforts to curb unethical practices by one uniformed service are commendable, India's political class appears to encourage such practices and worse in another uniformed service nowhere better exemplified than by the bizarre case of the man who was until the other day Bihar's Director-General of Police and was seen on multiple media outlets garrulously explaining his force's "principled" position on registering a complaint filed by the family of a film star with roots in the state.

It is open to question if Mr Gupteshwar Pandey was even qualified for elevation to the post he held, in light of his decision in 2009 to seek premature retirement to seek a ticket from the Bharatiya Janata Party and his return to the uniform when he failed to secure one. While the BJP did the creditable thing by thwarting his political ambitions, the Bihar Chief Minister, Mr Nitish Kumar, had no such qualms. Not only was Mr. Pandey's request for retirement five months before he reached the age of superannuation accepted, Mr Kumar welcomed him into his party's fold on Sunday at a well-publicised event.

It remains to be seen if the former policeman's ambition to enter the legislature attains fruition, but this turn of events has turned the spotlight on the police-politician nexus as seldom before.

Certainly, the development fuels suspicions that Mr. Pandey's decisions as head of Bihar's police were tainted by his political ambition and that the registration of a First Information Report in Patna with respect to a death that occurred in Mumbai was aimed not so much at ensuring justice for a son of the soil as it was at helping the ruling party at the hustings.

If so, this is reprehensible and calls for a larger debate on the cooling-off period for members of the police, administrative services and even the judiciary. While some subject-specific quargos may require, for instance, appointment of a retired judge to a quasi-judicial role, it is important to have institutional mechanisms in place to ensure that actions taken in service are not rewarded immediately after superannuation, whether prematureor in the fullness of time.

It may therefore be advisable to have a uniform cooling-off period for those retiring from supervisory positions – not just from the Army or police but every service that entails payment of a salary from the exchequer – to ensure that actions taken in the saddle are not influenced by postretirement ambitions.

Why Corona pandemic is rising in India!

Prof. Sudhanshu Tripathi
UPRTOU, Prayagaraj (UP)

The consistently rising number of Covid-19 infected patients in India has obviously created a serious challenge as well dilemma for the government at the centre as well as most of the states in India. The figure almost one lac per day, is a cause of grave concern for the country as to how to fight the pandemic having global spread. As we all know that long periods of lock down, as invoked in the month of March 2020 was quite successful in containing the epidemic, can't be repeatedly imposed for all time as it creates extreme hardships to daily wage earners and also other needy people in general

While ever-swallowing numbers of these patients may be due to expanding and speedy corona test facility to almost every nook and corner of the country with a noble mission of the government at the centre and also that of all states to test each and every Indian as its primary duty in right earnest so as to make the country free from corona pandemic as soon as possible, the huge budget involved for this objective may perhaps be a reason of potent allurement for the continuously up going figures of such patients.

Because the government spends a sizable amount for treatment of each corona patient as per funds allocated with this objective, but given the level of corruption which has indeed entered into the genes and dna of our countrymen, though few of them are still dead-honest, the speedy rising numbers of these patients may be a deliberate ploy or conspiracy to loot the public money earmarked for utilizing expenditure on medicines, food and lodging of the admitted patients in the government hospitals, which normally spreads over to two weeks or more, depending upon the condition of the patient.

Another reason very pertinent in this connection points at common people's utter disregard to strictly and regularly follow all corona related mandatory protocols and government guidelines in this connection, asking for wearing of masks, maintaining social distance, using sanitizers and observing other necessary precautions with a view to ward off corona virus in all circumstances for one's own protection as well as that of all others. It is, in fact, a collective responsibility of all of us. Unfortunately, many people are still deliberately and openly hugging or shaking hands with others or continue inviting social gatherings to celebrate events like birth days, parties or ladies kitty party etc., thereby endangering themselves and others as well. This kind of utter disregard against corona virus among most of us is a very serious threat as well as a challenge to the society and also the whole country.

One can recall a female singer in this context who, being corona infected herself, did not observe the required protocol upon her return from abroad and interacted with some of the prominent personalities, including politicians, officers and elites, in many social and community events just few months ago. That obviously led to arouse commotion regarding possible corona infection among all those with whom she had interacted. Fortunately they home quarantined themselves and might have observed other necessary precautions so as to evade any possibility of the infection. Ultimately the singer had to undergo the required treatment in a government hospital for around a month to finally recover from the corona infection.

May be due to all such callousness and blatant violation of the corona protocols by most of us, perhaps deliberate in many cases, the rate of corona infection is consistently rising up leading to speedy inflating figures of Corona patients in India. Fortunately, the recovery rate of corona infected patients in our country if far better as compared to many highly advanced European countries and also that of the US possibly due to feeble type of the aforesaid virus and also due free and better treatment facilities being provided by the governments in the country apart from launching intensive sanitization efforts and better hygiene awareness through popular media and other effective devices.

Notwithstanding all these endeavours by the governments and social organisations, people's apathy in ignoring and violating the mandatory safety precautions against the corona epidemic and also not maintaining cleanliness and hygiene around their homes and localities, as is visible in rural areas and even in cities as well, markets and other community places in all over the country, are indeed the potential reasons behind the inflating numbers of the Civid-19 patients in the country.

Against this worrisome scenario, the onus to fight the corona epidemic lies not only on the government but inevitably on the entire mass too and they ought to sincerely practice all the essential safety measures as mentioned above in their own interest and also that of the society as well. Further the government, instead of extending absolutely free medical and hospitalization service to the corona patients must realize the reasonable charges from such patients while taking account of their income level and consequent paying capacity.

Because, that has already put severe strain on the state exchequer and that will inevitably result in mounting of the fiscal deficit, leading to rising inflation in the country. Again that will also discourage the unwanted tendency among people as well as concerned medical authorities to include those common viral fever suffering patients under the category of the Covid-19 patients. Thus we the people of Bharat (India) can certainly fight the menace, once and for all time to come, in an almost permanent way. This is possible as nothing is beyond human endeavour.

Long Overdue

The agriculture sector has been crying for reforms

Their tremendous lobbying power has forced resigna-

collapse of the APMC mechanism itself. Despite the